ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● डालटनगंज ● श्रावण शुक्ल पक्ष 12 ● विक्रम संवत 2080 ● रविवार, 30 जुलाई 2023 ● वर्ष-29 ● अंक-284 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

परेश रावल की 'द स्टोरीटेलर' का ... पेज 10 पर

NEWS इन ब्रीफ

झारखंड के पूर्व सीएम रघुवर दास बनाए गए भाजपा उपाध्यक्ष

रांची। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपनी नयी टीम का ऐलान कर दिया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के केंद्रीय पदाधिकारियों की टीम में बदलाव करते हुए 13 उपाध्यक्ष और नौ महासचिव शामिल किए हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को भाजपा उपाध्यक्ष बनाया गया है।

कड़ी सुरक्षा के बीच राजधानी रांची में निकला मुहर्रम का जुलूस

रांची। राजधानी रांची में मुहर्रम का जुलूस अलग-अलग क्षेत्रों से निकाला गया। मेन रोड, डोरंडा सहित अन्य कई स्थानों में कड़ी सुरक्षा के बीच जुलूस निकाला गया। एहतियातन जुलूस के गुजरने वाले सभी इलाकों के बिजली भी काट दी गई है ताकि कोई अप्रिय घटना नहीं हो सके। मेन रोड में निकाले गए जुलूस और झांकियां देखते ही बन रही है। इसके लिए जगह-जगह स्टॉल लगाकर जुलूस निकालने वाले लोगों को शरबत से स्वागत किया जा रहा है। इसमें काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। डंके और तासे की आवाज के बीच कई जुनून भरे खेलों का भी प्रदर्शन किया। मातमी नारों के साथ निकले जुलूस की सुरक्षा में जिला प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी तैनात थे। जुलूस में आकर्षक ताजिया भी बनाया गया है। झारखंड विधानसभा के प्रारूप के साथ-साथ चंद्रयान-3 के प्रारूप भी शामिल हैं।

नक्सलियों के 'शहीद सप्ताह' के मद्देनजर रेलवे सतर्क, आरपीएफ व सुरक्षाबलों की चौकसी बढ़ी

रांची। नक्सलियों ने 28 जुलाई की रात से तीन अगस्त तक शहीद सप्ताह मनाने की घोषणा की है। नक्सलियों द्वारा इस घोषणा के बाद दक्षिण पूर्व रेलवे जोन सतर्क हो गया है। एहतियातन लंबी दूरी की ट्रेनों में आरपीएफ को सतर्क रहने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा मनोहरपुर में पोस्टरबाजी के बाद हावड़ा-मुंबई मार्ग के छोटे-बड़े स्टेशनों पर आरपीएफ की चौकसी बढ़ा दी गई है। इसके साथ हीं लंबी दूरी की ट्रेनों में सुरक्षा के तहत एस्कॉर्ट ड्यूटी जवानों को भी अलर्ट रहने की सलाह दी गई है। नक्सली पहले भी स्टेशनों पर इस तरह की घटनाओं को अंजाम देकर ट्रेन परिचालन बाधित कर चुके हैं। इससे पहले भी नक्सलियों ने इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया था। इसलिए नक्सलियों के शहीद सप्ताह मनाने की घोषणा के बाद मुख्यालय से सभी स्टेशनों पर एक्सीडेंट रिलीफ को तैयार रखने व लाइन की जांच और गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

खूंटी में पीएलएफआई के दो उग्रवादी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। जिले के मुरहू थाना क्षेत्र के सुरूंदा गांव के पास चल रहे पुल निर्माण कार्य के कर्मचारियों के साथ मारपीट करने और जेसीबी और स्कूटी तथा एक मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने दो वॉकी-टॉकी हैंडसेट और रिवाल्वर के साथ प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सक्रिय उग्रवादियों वीर सिंह पूर्ति और जॉर्ज सांडी पूर्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से लोडेड रिवाल्वर, दो जिंदा कारतूस पीएलएफआइ का पर्चा, चंदा रसीद, पिट्ठू सहित अन्य सामान बरामद किये हैं। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने अपने कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शुक्रवार को उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के एरिया कमांडर टीरा बोदरा उर्फ राडूंग बोदरा उर्फ लंबू अपने दस्ते

के सदस्यों के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए सांड़ी गांव के जंगल में बैठक करने वाला है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अपर पुलिस अधीक्षक अभियान रमेश कुमार और खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए साड़ी गांव के जंगल में सर्च अभियान चलाया गया। सर्च अभियान के दौरान वॉकी टॉकी से बातचीत करने की आवाज सुनाई दी। पुलिस को देखते ही वे भागने लगे। पुलिस के जवानों ने दो लोगों को खदेड़ कर पकड़ लिया। पूछने पर उन्होंने अपना नाम वीर सिंह पूर्ति उम्र 25 वर्ष ग्राम सांडीगांव थाना मुरहू और जॉर्ज सांडी पूर्ति उम्र 23 वर्ष ग्राम कोमान टोला जातेबेडा थाना बनगांव पश्चिमी सिंहभूम बताया। तलाशी लेने पर उनके पास से वॉकी-टॉकी के दो हैंड सेट और अन्य सामान बरामद किये गये। बताया गया कि जॉर्ज सांडीपूर्ति के खिलाफ पहले ही उग्रवादी घटनाओं और अन्य संगीन धाराओं के तहत बंदगांव थाने में मामला दर्ज है। गिरफ्तार उग्रवादियों ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि सुरूंदा में चल रहे पुल निर्माण कार्य के ठेकेदार को एरिया कमांडर टीरा बोदरा उर्फ लंबू द्वारा फोन कर लेवी की मांग की गई थी लेकिन लेवी नहीं देने पर 25 जलाई को निर्माण कार्य पर जाकर मजदूरों के साथ उन्होंने मारपीट की थी और जेसीबी, मोटरसाइकिल और स्कूटी को क्षतिग्रस्त कर दिया था। छापेमारी दल में एएसपी अभियान रमेश कुमार, खूंटी के एसडीपीओ अमित कुमार, मुरहू थाना प्रभारी चूड़ामणि टुडू, पुलिस अवर निरीक्षक रितेश कुमार, दिगंबर पांडे, लक्ष्मण चौधरी, विक्की ठाकुर के अलावा तकनीकी शाखा खूंटी और मुरहू और सायको थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

हाईवा की चपेट में आकर युवक की मौत, ग्रामीणों ने सड़क को किया जाम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में शुक्रवार की देर रात बालू लदे हाइवा ने सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक को कुचल दिया। जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर हो गई। घटना पलामू जिला स्थित छतरपुर थाना क्षेत्र के काला पहाड़ पंचायत गोठा गांव के समीप ही हुई। युवक की पहचान गोठा गांव निवासी मुन्ना यादव (28 वर्ष) के रूप में की गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि एक हाइवा दूसरे हाइवा को ओवरटेक कर रही थी। इसी क्रम में घटना घटी। दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने छतरपुर हुसैनाबाद पथ को जाम कर दिया। बताया जा रहा कि बाइक में हाइवा ट्रक की टक्कर से ये हादसा हुआ है। वहीं घटना के बाद मौके पर पहुंची छतरपुर पुलिस शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। देर रात हुई सड़क दुर्घटना में युवक की मौत के बाद शनिवार सुबह हुसैनाबाद छतरपुर मार्ग को जाम कर दिया गया है। जाम से दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई है। पलामू में रोड एक्सीडेंट को लेकर स्थानीय लोगों ने बताया कि बालू लदी हाइवा

हुसैनाबाद की ओर से आ रही थी। जबकि बाइक पर सवार होकर युवक अपने मामा सुशीगंज के घर से अपने घर गोठा गांव जा रहा था। इसी बीच हुसैनाबाद छतरपुर पथ पर हाइवा की चपेट में आने से युवक की मौत घटनास्थल पर हो गई। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने हुसैनाबाद छतरपुर मार्ग को जाम कर दिया व पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने और हाइवा की रफ्तार पर लगाम लगाने की मांग की। मामले में छतरपुर पुलिस ने बताया कि इस घटना में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ बताया जा सकता है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

सीएम की पहल : जमशेदपुर में देश के पहले हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की होगी स्थापना

354.28 करोड़ का होगा निवेश

हाइड्रोजन ईंधन से प्रदूषण हो सकेगा नियंत्रित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जमशेदपुर में देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की स्थापना के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री के इस पहल के बाद अब देश में पेट्रोल, डीजल और बैटरी साथ जल्द हाइड्रोजन ईंधन से भी वाहन चलेंगे। इसको लेकर मुख्यमंत्री ने निवेश के प्रस्ताव पर मैसर्स टीजीईएसपीएल के साथ एमओयू हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। मेसर्स टाटा मोटर्स लिमिटेड एवं मैसर्स कमिंस इंक., यूएसए के संयुक्त उपक्रम मेसर्स टीसीपीएल ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (टीजीईएसपीएल) द्वारा जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम में हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन, ईंधन-अज्ञेयवादी इंजन, एडवांस केमिस्ट्री तथा एच2 ईंधन वितरण प्रणाली के निर्माण/उत्पादन के लिए ईकाई की स्थापना के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस कमेटि एवं हाई पावर कमेटी की स्वीकृति की प्रत्याशा में निवेश के प्रस्ताव पर

सहमति दे दी है।

एमओयू के उपरांत जमशेदपुर में देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग के स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। इस कार्य में हाइड्रोजन इंजन बनने की नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिसका लाभ आने वाले समय में पूरे देश को होगा।

झारखंड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति 2021 के वर्गीकृत क्षेत्रवार मेगा परियोजनाएं के अनुसार उपर्युक्त परियोजना निर्माण से संबंध रखती है। ईकाई से प्राप्त निवेश तथा प्रत्यक्ष नियोजन के आधार पर ईकाई का वर्गीकरण मेगा श्रेणी के अंतर्गत किया गया है। इस ईकाई की प्रस्तावित क्षमता 4000 हाइड्रोजन आईसी इंजन/ईंधन अज्ञेयवादी इंजन और 10,000 बैटरी प्रणाली है। इसके लिए प्रस्तावित निवेश 354.28 करोड़ रुपये है। एक अनुमान के अनुसार ईकाई 310 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लोगों का नियोजन सुनिश्चित हो सकेगा।

हाइड्रोजन ईंधन के फायदे

हाइड्रोजन ऐसा ईंधन है, जिसकी क्षमता अन्य ईंधनों के अपेक्षा अधिक होती है। इसका एनर्जी लेबल अधिक होता है। यह सस्ता और हल्का होता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल के बीच इसे एक बेहतर विकल्प माना जा सकता है। हाइड्रोजन ईंधन से प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। भारतीय बाजार और विश्व स्तर पर हाइड्रोजन इंजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए 4000 हाइड्रोजन आईसी इंजन-ईंधन एग्नोस्टिक इंजन और 10,000 बैटरी सिस्टम की उत्पादन क्षमता के निर्माण आवश्यक जरूरतों की आपूर्ति और नई सहायक इकाइयों की स्थापना के लिए स्थानीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा।

बोकारो : हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से 4 की मौत, सात की हालत गंभीर

नवीन मेल संवाददाता

बोकारो। बोकारो थर्मल के बेरमो अनुमंडल के पेटरवार थानांतर्गत खेतको में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया जिसमें चार लोगों की जान चली गई। दुर्घटना में 7 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ताजिया उठाने के क्रम में ऊपर से गुजर रहे 11 हजार के हाइटेंशन लाइन के संपर्क में आ गया। जिससे जुलूस में रखी बैट्री ब्लास्ट कर गयी। इस दौरान 13 लोग संपर्क में आ गए। जिसमें चार लोगों की मौत हो गई, वहीं सात लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मरने वालों में आसिफ रजा (21), एनामुल रब (35), गुलाम हुसैन (18), साजिद अंसारी (18) शामिल हैं। घटना के बाद तत्काल सभी घायलों को डीवीसी बोकारो थर्मल अस्पताल लाया गया। अस्पताल में एम्बुलेंस मौजूद नहीं रहने को लेकर लोगों ने काफी हंगामा किया। घायलों में तीन की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद बोकारो भेजा गया है।

बिजली विभाग को नहीं दी गई थी जानकारी: बिजली विभाग, तेनुघाट के कार्यपालक अभियंता समीर कुमार का दावा है कि खेतको गांव के लोगों ने ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

मुख्यमंत्री, स्पीकर व मंत्री पर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने को लेकर थाने में शिकायत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो और मंत्री मिथिलेश ठाकुर के बारे में (सोशल मीडिया) यूट्यूब पर आपत्तिजनक और अनर्गल भाषा का प्रयोग करने के आरोप में अरगोड़ा थाना में लिखित शिकायत की गई है। इस संबंध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने अरगोड़ा थाना में शनिवार को लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि यह

वीडियो भोकाल नामक यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया गया था। मुख्यमंत्री , स्पीकर और मंत्री के बारे में यूट्यूब पर आपत्तिजनक, अनर्गल और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए एक विडियो अपलोड किया गया है, जो किसी टीवी के नाम के चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है। इस वीडियो में ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

ब्लैकमेल से परेशान होकर महिला ने दी जान

थाना के ड्राइवर पर शोषण का आरोप, इलाके में तनाव

रांची। रांची के खलारी थाना क्षेत्र मे एक रहने वाली महिला के द्वारा आत्महत्या करने की वजह से इलाके में तनाव हो गया है। परिजनों का आरोप है कि खलारी थाने के ड्राइवर इरशाद के द्वारा यौन शोषण कर महिला को ब्लैकमेल किया जा रहा था ,इसी से तंग आकर उसने अपनी जान दे दी।

क्या है पूरा मामला : खलारी थाना क्षेत्र के जी टाइप क्वार्टर में रहने वाली एक शादीशुदा 32 वर्षीय महिला ने शनिवार को अपने ही घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।महिला के देवर का आरोप है कि उसकी भाभी के साथ खलारी थाने के प्राइवेट ड्राइवर इरशाद ने दुष्कर्म कर उसका वीडियो बना लिया था।वीडियो के जरिये ही वह महिला को लगातार ब्लैकमेल करते हुए उसका यौन शोषण कर रहा था।महिला लोक लाज के भय से किसी को कोई जानकारी भी नही दे पा रही थी।वह कई बार ड्राइवर इरसाद से वीडियो डिलीट करने की गुजारिश कर चुकी थी ,लेकिन इरशाद हर बार उसके साथ वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करता रहा।जब महिला को लगा कि वह बदनाम हो जाएगी तब उसने अपने घर मे ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा : महिला के द्वारा आत्महत्या की खबर सुनकर खलारी में हिंदू संगठनों के लोग जुटने लगे और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। आक्रोशित भीड़ ने बाजार में दुकानों को बंद करना शुरू कर दिया। इसी बीच कुछ दुकानदारों ने जब दुकान बंद करने का विरोध किया तो उनके साथ भी उनकी हाथापाई हो गई जिसमें एक दुकानदार का सिर फट गया। देखते ही देखते खलारी बाजार रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। दोनों पक्षों के द्वारा एक-दूसरे पर जमकर पत्थरबाजी की गई। मामले की जानकारी मिलते ही खलारी डीएसपी अनिमेष ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

कवायद : आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर पदाधिकारियों की सूची जारी

नड्डा की नई टीम, चुनावी राज्यों के नेताओं को तरजीह

13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महामंत्री, 1 राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन), 1 राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 सह-कोषाध्यक्ष और 13 राष्ट्रीय सचिव के नाम की घोषणा

-ब्यूरो

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के संगठन इंडिया से लड़ने के लिए एनडीए की सूत्रधार भाजपा ने जो चाक चौबंदी शुरू की है और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से जो नई टीम बनवाई गई है, उसमें आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर पदाधिकारियों की 38 नामों वाली जो सूची जारी हुई है, उसमें कई झोल भी नजर आ रहे हैं। बीते शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों के साथ लगभग चार घंटे चली बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव, एनडीए की बैठक, मतदाताओं तक पहुंचने की रणनीति और पांच राज्यों में चुनावी लड़ाई के मुद्दे पर चर्चा की। जिसमें राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, राष्ट्रीय संयुक्त संगठन सचिव वी. सतीश समेत महासचिव अरुण सिंह, सुनील बंसल और अन्य शामिल थे। लेकिन इसके पहले वह केंद्रीय सत्ता के सर्वोच्च द्वय के साथ राय बात व दिशा निर्देश ले चुके थे।

तो इस बैठक के बाद शनिवार 29 जुलाई को भाजपा की जो नई टीम घोषित की गई इसमें 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महामंत्री, 1 राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन), 1 राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 सह-कोषाध्यक्ष और 13 राष्ट्रीय सचिव के नाम की घोषणा की गई । इस सूची में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया(जिनको किनारे करने की कोशिश हो रही थी , लेकिन उल्टा पड़ जाने के डर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बनाए रखा गया), छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और मध्य प्रदेश से आने वाले सौदान सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा कैलाश विजयवर्गीय, अरुण सिंह और तरुण चुग को महामंत्री बनाया गया है। बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन), शिव प्रकाश (लखनऊ) को राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री, राजेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) को कोषाध्यक्ष और नरेश बंसल (उत्तराखंड) को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जिन राज्यों में विस चुनाव हैं, वहां के नेताओं को तरजीह

मध्य प्रदेश : यहां के 3 नेताओं- कैलाश विजयवर्गीय, सौदान सिंह और ओमप्रकाश धुर्वे को मौका मिला है। शाह के प्रिय कैलाश विजयवर्गीय को तीसरी बार महामंत्री बनाया है। विजयवर्गीय को 2015 में भाजपा का राष्ट्रीय महासचिव और साथ ही पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाया गया था। विदिशा के रहने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता सौदान सिंह को भी फिर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। सौदान सिंह पहले भोपाल संभाग के संगठन महामंत्री रह चुके हैं। उनको राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री बनाकर छत्तीसगढ़ का प्रभार दिया गया था। उनके पास लंबे समय तक छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी रही। पिछली बार राष्ट्रीय टीम में उनको उपाध्यक्ष बनाया गया था। उनको उसी पद पर कायम रखा गया है। संघ से जुड़े होने के कारण उनका देश के कई राज्यों में संगठन के कार्यों का अनुभव है। डिंडौरी जिले से पूर्व विधायक ओमप्रकाश धुर्वे भी राष्ट्रीय सचिव पद पर बरकरार हैं। धुर्वे अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं। धुर्वे ने उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान की सरकारों में कई मंत्रालयों में काम किया है। 2016 में उन्हें खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण, श्रम मंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान के कैबिनेट मंत्रालय में शामिल किया गया था। 2018 में वह अपना चुनाव हार गए थे।

राजस्थान : राजस्थान से 3 नेताओं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सुनील बंसल और डॉ. अल्का गुर्जर को शामिल किया गया है। वसुंधरा ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

ओमान में फंसे झारखंड के छह प्रवासी मजदूरों ने वतन वापसी की लगाई गुहार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। गिरिडीह, बोकारो और हजारीबाग के छह प्रवासी मजदूर मुस्लिम देश ओमान में एक प्राइवेट कंपनी में पिछले कुछ महीनों से बंधक बने हुए हैं। इन मजदूरों के परिजनों ने इस मामले की जानकारी मिलने के बाद अब राज्य व केंद्र सरकार से उन्हें वापस लाने की गुहार लगाई है। प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने भी राज्य सरकार से अपील की है कि ओमान देश की राजधानी मस्कट में एक प्राइवेट कंपनी में फंसे इन मजदूरों की स्वदेश वापसी की व्यवस्था राज्य सरकार करे। जानकारी के अनुसार गिरिडीह के बगोदर के महूरी गांव निवासी किशोर महतो, बोकारो के पेक निवासी युगल महतो और हजारीबाग के नेरकी गांव के संजय महतो के अलावा अलग अलग गांव के दिनेश महतो, अर्जुन महतो शामिल हैं। छह मजदूर जिस निजी कंपनी में नजरबंद है। उस कंपनी में सारे मजदूर पिछले साल दिसंबर में मोबाइल टावर लगाने गए थे। इसके बाद से इन ही मजदूरों को कंपनी ने बंधुआ मजदूर बनाते हुए इनका पासपोर्ट जब्त कर लिया। मजदूरों को पांच माह से वेतन भी नही दिया गया है। इन मजदूरों ने कंपनी में कार्यरत दूसरे कर्मियों के मोबाइल से एक वीडियो भेजकर मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी और भारत वापसी की गुहार भारत सरकार और राज्य सरकार से लगाई है।

NEWS इन ब्रीफ

पूर्व सीएम को कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

सतबरवा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के द्वारा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व श्रीमती आशा लकड़ा को राष्ट्रीय सचिव बनाये जाने पर भाजपा कार्यकताओं ने हार्दिक बधाई दी। सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कुमार सिन्हा ने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व आशा लकड़ा को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने से भाजपा झारखंड के साथ पूरे देश में मजबूत होगी। बधाई देने वालों में जिप सदस्य सुधा कुमारी, मेदनीनगर विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा, पांकी विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह चेरो, धावाडीह मुखिय रिंकी यादव , सेना के अशोक यादव,अजय उरांव,अजय सोनी, संदीप यादव, मदन साहू , रविंद्र यादव, सिकंदर भुईयां , चंचल यादव , अरुण यादव मुख्य रूप से मौजूद थे।

इटको में लगा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

विश्रामपुर। इटको में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया ।शिविर में चिकित्सको द्वारा विभिन्न रोगों से ग्रसित 191 मरीजो का जांचोपरांत इलाज किया गया ।इसके अलावा सभी मरीजों के बीच मुफ्त दवा का भी वितरण किया गया ।शिविर का आयोजन नावाडीह कला स्थित लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा किया गया ।चिकित्सको ने बताया कि क्षेत्र के सभी जगहों पर हर रोज शिविर का आयोजन कर मरोजो का मुफ्त इलाज किया जा रहा है ।शिविर का आयोजन अभी लगातार जारी रहेगा ।मरोजो का इलाज डॉ सूरज कुमार व डॉ उज्वल कुमार के टीम द्वारा किया गया।

छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर में किया पौध रोपण

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद में जवाहर नवोदय विद्यालय जपला टू के विद्यार्थियों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने नवनिर्माण हो रहे नये जवाहर नवोदय विद्यालय जपला टू के मुरली पहाड़ी लंगरकोट स्थित पंहुचकर 100 से अधिक छायादार व फलदार वृक्ष लगाये। इस दौरान विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकेत्तरकर्मी नये विद्यालय भवन का अवलोकन किये। बच्चों ने पहाड़ियों के मनोरम दृश्य में पूरी तरह से आधुनिक भवनों में घूम घूम कर खूब लुफ्त उठाया। इस दौरान निर्माण कर रही कंपनी ने सभी बच्चों को वृक्ष लगाने के उपलक्ष्य में

मिठाई खिलाकर स्वागत किया। मौके पर प्राचार्य की धर्मपत्नी श्रीमती राणा तब्बसुम ने अपने अनुभव शेयर करते हुए कहा कि हमलोग जल्द से जल्द इस विद्यालय में आना चाहते है,यहां का प्राकृतिक दृश्य मनमोहक हैं। उन्होंने निर्माण कर रही भारत सरकार की कम्पनी एचसीएल एवं ओएसएस के द्वारा गुणवत्तापूर्ण निर्माण व मॉडल तैयार करने की प्रशंसा भी की। मौके पर विद्यालय परिवार के शालिनी तिग्गा, सुनील वर्मा, नितिन पाण्डे, सुनील, मनिता कुमारी, भरत प्रसाद के अलावा निर्माण कर रही एचसीएल के यूनिट हेड अधिकारी कुमरेश पाल, प्रोजेक्ट इंजीनियर कुमार राजेश, ओएसएस के प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कुमार सिन्हा, कृष्णा प्रसाद, मनोरंजन कुमार सहित विद्यालय के छात्र- छात्राएं व शिक्षक मौजूद थे।

मुहर्रम इंतजामिया कमेटी ने विधायक सहित कई लोगों को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। विश्रामपुर मुहर्रम इंतजामिया कमेटी ने पूर्व मंत्री सह स्थानीय विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी, एसडीपीओ सुरजीत कुमार, बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव, रेहला थाना प्रभारी नेमधारी रजक, बिश्रामपुर थाना प्रभारी शशि रंजन, मॉडर्न संत पॉल कानवेंट स्कूल के निदेशक राहुल जैकब, प्रथम नप अध्यक्ष देवनारायण सिंह, विजय कुमार रवि, विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय, संजय पांडेय, मनीष कुमार, बबन राम सहित कई गणमान्य लोगों को पगड़ी बांध कर सम्मानित किया।

बिजली की लचर व्यवस्था के खिलाफ होगा आन्दोलन : पूर्व विधायक

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में बिजली की लचर व्यवस्था और भ्रष्टाचार के खिलाफ पूर्व विधायक सह आजसू के केंद्रीय उपाध्यक्ष कुशवाहा शिवपूजन मेहता हरिहरगंज में 5 अगस्त को धरना प्रदर्शन करेंगे। जबकि 6 अगस्त से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू करेंगे। इस आशय की जानकारी उन्होंने शनिवार को हरिहरगंज स्थित अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरिहरगंज पिपरा सहित हुसैनाबाद विधानसभा में महज 5 घंटे भी बिजली नही मिल पा रहा है। यहां के स्थानीय जनप्रतिनिधि मौन साधे हुए हैं। जबकि मेरे कार्यकाल में बिजली की अच्छी व्यवस्था थी। उन्होंने कहा कि कृषि कार्य के लिए अलग से फीडर का निर्माण किया जाय। इसके साथ ही उन्होंने प्रखंड व अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार का मसला भी उठाया। उन्होंने कहा कि हरिहरगंज में 2 साल पहले 842 शहरी पीएम आवास के लिए लाभुकों को चयन किया गया था। जिसमें कई लाभुकों को प्रथम किस्त की राशि दी गयी है। परंतु पक्का का मकान बता कर दूसरी किस्त अभी तक नहीं दी गयी है। उन्होंने कहा कि प्रखंड सह अंचल कार्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। इससे आम आवाम को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि उक्त मामले को लेकर राज्यपाल से मिलेंगे। विधानसभा के द्वार पर धरना दिया जायेगा। प्रेस वार्ता में आजसू के जिला अध्यक्ष दिलीप चौधरी, जिला सचिव रामजी पासवान, प्रखंड अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, मुखिया जितेंद्र पासवान, इश्तेखार आलम शामिल थे।

बरसात में भी सूखे पड़े हैं पानी को श्रोत

पानी की तलाश में भटकते हुए कुएं में गिरी नीलगाय

ग्रामीण व वन कर्मियों की सहयोग से बचायी जा सकी जान

नवीन मेल संवाददाता

नावा बजार। पलामू जिला स्थित बरिगावां गांव में पानी की तलाश में भटककर बस्ती में आई एक नीलगाय रात कुएं में गिर गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे वन कर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से नीलगाय को बाहर निकालकर छोड़ा। क्षेत्र के अधिसंख्य जल स्रोत सहित कुआं आदि बरसात के मौसम में भी सूखे पड़े हैं। प्यास से भटक रहे वन्यजीव पानी की खोज में रिहायशी इलाके में पहुंच रहे हैं। जहां जहां दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। बरिगावां गांव सहित आसपास से पहुंचे ग्रामीणों के द्वारा उसे बाहर निकालने का हर संभव प्रयास किया गया। लेकिन सफलता नहीं मिली। तत्काल ग्रामीणों के द्वारा वन विभाग को इसकी सूचना दी। इसे गंभीरता से लेते हुए वन विभाग के अभिषेक कुमार पांडेय सहित वनकर्मी मुकेश कुमार, जितेन्द्र

कुमार, गौरव कुमार के साथ स्थल पर पहुंचे। जहां वन कर्मियों व ग्रामीणों के सहयोग से नीलगाय को बाहर निकला गया। कुएं की गहराई कम होने के कारण नीलगाय को सही सलामत बचने से ग्रामीणों के साथ वनकर्मियों ने भी राहत की सांस ली।

लालगढ़ यूनियन बैंक ने छात्रा को लिया गोद

शैक्षणिक कार्य में होने वाले खर्च को करेगा वहन

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। विश्रामपुर प्रखंड के लालगढ़ गांव स्थित यूनियन बैंक के द्वारा छात्रा नैंसी कुमारी को गोद लिया गया है। साथ ही शैक्षणिक कार्यों के लिए लालगढ़ यूनियन बैंक के शाखा प्रबंधक शशिकांत मित्तल के द्वारा नगद दो हजार रुपए का सहयोग प्रदान किया गया। जो आगे भी जारी रहेगा। शाखा प्रबंधक श्री मित्तल ने बताया कि नैंसी कुमारी लालगढ़ मध्य विद्यालय की छात्रा है। इसकी माता पिता गरीब परिवार से संबंध रखते हैं। छात्रा पढ़ने लिखने में काफी तेजतर्रार है। ऐसे में और भी बेहतर के लिए प्रोत्साहित करने को लेकर छात्रा को बैंक के द्वारा गोद लिया गया है। छात्रा की जरूरत समझ बैंक के द्वारा हर संभव सहयोग किया जाएगा। इस कार्य में विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद पांडेय की ओर से भी सहयोग प्रदान की गई है। बैंक कर्मी दिनेश कुमार पाठक ने बताया कि लालगढ़ स्थित यूनियन बैंक की शाखा की ओर से क्षेत्र में कई उत्कृष्ट कार्य किए जाते रहे हैं। कोरोना काल में भ्रमण कर जरूरतमंदों की बीच खाद्यान्न सामग्री का वितरण सहित मास्क व सेनीटाइजर वितरित की गई थी। लालगढ़ मध्य विद्यालय की छात्रा नैंसी कुमारी को बैंक के द्वारा गोद लेकर एक अनुकरणीय कार्य किया गया है जो औरों के लिए भी प्रेरणा देती है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद पांडेय ने कहा कि बैंक के द्वारा छात्रा को गोद लिया जाना एक सराहनीय पहल है। विद्यालय में बच्चों की शैक्षणिक कार्य को लेकर सभी तरह का सरकारी सहयोग की जाती रही है।

जर्जर सड़क की उड़ती धूल से निजात नहीं मिली तो होगा उग्र आंदोलन : संदीप

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। पिपरा प्रखंड क्षेत्र में दुबटिया मोड़ से होलेया तक सड़क अत्यंत जर्जर हो गई है। इस सड़क से प्रतिदिन सैंकड़ों छोटे बड़े वाहनों का परिचालन होता है ।जर्जर सड़क से उड़ रही धुल से लोगों का सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। इस संबंध में विधायक प्रतिनिधि संदीप पासवान ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा पूर्व में भी क ?ई बार इसकी मरम्मत कराने की मांग की ग ?ई है। परंतु अभी तक मरम्मत नहीं किया गया है। वहीं धूलकण से बचाव के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। खासकर उक्त सड़क पर चलने वाले दुपहिया वाहन चालकों के लिए हमेशा दुर्घटना की संभावनाऐं बनी रहती है। इस समस्या से प्रखंड क्षेत्र के लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दो दिनों के अंदर सड़क की धूलकण से निजात नहीं दिलाई जाती है तो एनसीपी उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।

मुहर्रम के मेले में उमड़ा जन सैलाब हिंदू भाइयों ने बांटे मेले में शरबत पानी

सगालीम। पांकी प्रखंड के आसेहार में मुहर्रम के मेले में उमड़े जन सेलेब वहीं ग्राम पंचायत विकास कमिटी आसेहार के सदस्यों के द्वारा आसेहार में लगने वाले मोहर्रम के मेले में शरबत पानी की व्यवस्था कर लोगों के बीच पिलाया। कमेटी के अध्यक्ष व आम आदमी पार्टी के नेता कौशल किशोर बच्चन के नेतृत्व में मेले में सरबत पानी का आयोजन किया गया। कौशल किशोर बच्चन ने कहा कोई भी पर्व त्यौहार आपसी भाईचारे व प्रेम का त्यौहार होता है। हम सभी को मिलजुल कर आपसी भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। इस बार बारिश नहीं होने के कारण बेतहाशा धूप वह गर्मी बढ़ गई है, इसको देखते हुए मेले में शरबत और पानी का इंतजाम किया गया। कुछ लोगों द्वारा आपसी मतभेद को बढ़ाने के लिए गलत अफवाह फैलाई जाती है, इन सब चीजों पर हमें ध्यान ना देकर बस हमें एक चीज याद रखना चाहिए हिंदुस्तान में हर जाति वर्ग के लोगों को एक साथ मिलजुल कर रहने का पैगाम हमेशा से हम सभी देशवासी एक दूसरे को देते आए हैं। हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई हम सभी लोग आपस में भाईचारे के साथ रहते आ रहे हैं। सरबत-पानी पिलाने का मकसद प्यासे को पानी पिलाना और आपसी भाईचारे की मिठास को बढ़ाना है। जब तक जिएंगे लोगों की सेवा में हमारा जीवन समर्पित रहेगा। बता दें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आसेहार मुखिया देवसागर राम, व पंचायत समिति सदस्य बालकेश्वर राम के द्वारा ताजिया , सिपड़ फस्ट सेकेंड व थर्ड को पुरुस्कृत किया गया। मौके पर मुखिया देवसागर राम ने मेले को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत खुशी के बात है की आसेहार में हर वर्ष हिंदू मुस्लिम दोनो भाई मिल जुल कर किसी भी त्योहार को मानते आ रहे है चाहे वह मुहर्रम हो या रामनवमी,इसी तरह से आप सभी हमेशा पंचायत के विकाश पर भी साथ दें आप सभी के साथ से ही पंचायत का विकाश संभव है । हम हरेक प्रस्थिति में आप सभी के साथ है और रहेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी राजा कुमार , नवीन कुमार, गणेश प्रजापति,राजादेव रवि, कैलाश विश्वकर्मा, दिनेश यादव, सत्यम बॉस ,सनी कुमार, मछंदर यादव ,लड्डू कुमार, आदर्श सिंह, अमरेश यादव, वीरेंद्र यादव, हर्ष वर्मा, साहिल कुमार ,अक्षय वर्मा ,सनी सिंह, सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मानगढ किले में तरहसी, पांकी व लेस्लीगंज के ताजिया का मिलन

सगालीम। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड सह अंचल कार्यालय से सटे राजा मानगढ के किले में तरहसी, पांकी और लेस्लीगंज के ताजिया का मिलन हुआ। जब सारी ताजियां यहां पहुंची तो लोगों की भारी भीड़ उमड़ी नजर आई। मेला जैसा दृश्य नजर आया। पूरा मैदान पटा हुआ था। या अली या हुसैन के नारे लगाए जा रहे थे। बता दें कि राजा मानगढ के किले में तरहसी, पांकी और लेस्लीगंज क्षेत्र के एक दर्जन गांव के ताजिया मिलन की परंपरा काफी पुरानी है। पुरानी परंपरा के अनुसार मुस्लिम धर्मावलंबी शनिवार को मुहर्रम पर पहलाम का जुलूस निकाला और जयघोष करते निर्धारित रूट से किला परिसर में पहुंचे। यहां तरहसी-पदमा मुख्य पथ से होकर गोगदा, तिरौंधा, घारो पुल के रास्ते ताजिया काजी पकरी पहुंचा और मिलान हुआ। इसी तरह तरहसी-किशुनपुर सड़क से होकर छकनाडीह, टरिया की ताजिया यहां पहुंची। पांकी के रामसागर, हुरलौंग, भरी, आसेहार की ताजिया अमानत नदी ब्रिज पार करके यहां पहुंची। सिकनी, अरका, सुग्गी के अलावा ग्रामीण क्षेत्र की ताजिया का भी यहां मिलन हुआ ।जुलूस को लेकर प्रखंड प्रशासन मुस्तैद नजर आया। पूरे मामले पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सचिदानंद महतो नजर बनाए हुए थे। उनके साथ थाना प्रभारी जयप्रकाश पासवान भी थे। उपस्थित मुख्य अतिथि बिट्टू सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रमुख प्रिया कुमारी प्रखंड विकास पदाधिकारी सचिदानन्द महतो, थाना प्रभारी जयप्रकाश पासवान।

मुहर्रम

कर्बला दूर है..जाना जरूर है,या हसन-या हुसैन से गूंजा क्षेत्र

जिले में विभिन्न जगहो पर निकला जुलूस

जुलूस के दौरान युवाओं ने शान से तिरंगा झंडा लहराया

हजरत इमाम हुसैन ने सच्चाई के लिए कुर्बानी दी थी

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। नगर परिषद व आंचलिक क्षेत्र में मुहर्रम का जुलूस शनिवार को निकला ।जुलूस में शामिल लोग 'कर्बला दूर है..जाना जरूर है' का नारा लगा रहे थे। मुहर्रम जुलूस के दौरान या हसन- या हुसैन से पूरा क्षेत्र गूंज गया ।विश्रामपुर में जुलूस की शुरूआत बस स्टैंड से हुयी ।डांक बंगला परिसर में ताजिया-सिपड़ का मिलान हुआ। इसके बाद जुलूस विश्रामपुरगढ़ होते हुये कर्बला चला गया। यहां के जुलूस मेंकोशियार, डीहरिया, झगरुआ, पांडेपुर, उरसुला, कविलासी, निमिटाड़ी विश्रामपुर दर्जी मुहल्ला सहित कई गांवों के जुलूस का मिलान हुआ। जुलूस में शामिल युवको ने हसन-हुसैन की सहादत पर मातम मनाया। जुलूस के दौरान कलाकारों ने कई करतब भी दिखाये। कमेटी ने जुलूस पूरी तैयारी के साथ परंपरागत तरीके से निकला। मौके पर बसपा नेता नईमुद्दीन अंसारी, सलीमुदिम अंसारी,शमशेर आलम,आजम खान,मशीर खलीफा, एकराम अंसारी,पूर्व प्रमुख संतोष चौबे, विजय कुमार रवि, आगम दास, बबन राम, शिवबंश मिश्रा, संतोष राम, नगर इंतजामिया कमेटी के सदर मुंसफीर आलम कादरी, सेक्रेटरी महबूब आलम ,अनीस अंसारी, मो फिरोज, असमान अंसारी, इदरीस अंसारी, अलाउद्दीन अंसारी, एकरामुदीन अंसारी, मुस्तकिम अंसारी, सकील अहमद, मुनीर आलम, युनुस अंसारी, राहुल जैकब, सोनू खलीफा सहित कई लोग मौजूद थे।

वहीं हरिहरगंज। थाना क्षेत्र में मुस्लिम धर्मावलम्बियों ने शहादत और गम का त्योहार मुहर्रम के अवसर पर शनिवार को कई कमेटी की ओर से ताजियों के साथ जुलूश निकाला गया। जहां इलाके के अररूआ खुर्द, बेलौदर, बंजारी, सतगांवा, सियरभूका, अंसारी बिगहा आदि गांवों से दर्जनों छोटी बड़ी ताजिये के साथ मुस्लिम धर्मावलम्बियों ने भाग लिया। इस अवसर पर समाजसेवियों ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने सच्चाई के लिए कुरबानी दी थी। जरूरत है सच्चाई की राह पर अमन चैन की जिंदगी जीने की। उन्होंने जुलूस में शामिल लोगों को भाईचारगी के साथ पर्व बनाने की अपील की। उपस्थित समाजसेवियों ने मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर हिन्दू मुस्लिम एकता आपसी भाईचारा व सौहार्द का संदेश देते हुए, त्योहार की मुबारकवाद भी दी। मौके पर मो. असलम, इसरार आलम, शमशाद अंसारी, मो. एजाज, पथरा पिकेट प्रभारी नीतीश कुमार, एएसआई संजय कुमार सिंह, महताब शाहिल, मो. डायमंड अली सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल थे।

जबकि पाटन में मुहर्रम का भव्य जुलूस के साथ पाटन, नावाजयपुर क्षेत्रो में निकाला गया। हजरत इमाम ए हसन की याद में मुस्लिम धर्मावलबियो ने गाजे बाजे के साथ आकर्षक ताजिया -सिपड निकाल कर ताजिया का मस्जिद के प्रारूप दिया। जुलूस के दौरान विभिन्न शस्त्रों का परिचालन किया। तथा हाय हुसैन की सबंधित नारे लगाये। ताजिया में भारतीय ध्वज तिरंगा लहर रहे थे। जुलूस में ज्यादा संख्या में हिंदुओं के संख्या था जो जुलूस के दौरान अहम भूमिका में थे। मुहर्रम दौरान विधि से संधारण एवं सौहार्द बनाये रखने के ध्यान में रखते हुये पाटन थाना प्रभारी गुलशन कुमार, बीडीओ मनोज तिवारी, सीओ लाल बाबू, नावाजयपुर थाना प्रभारी संजय रजक, ओपी किशुनपुर प्रभारी नीरज सिंह प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट एवं शस्त्र बलो के साथ सवेदनशील क्षेत्रो में नजर रखे हुये थे । तथा सभी अखाड़ा के प्रतिनिधि से पल पल खबर लेते रहे।

उधर हुसैनाबाद में दसवीं मुहर्रम को अकिददमंदों ने शहीद -ए-कर्बला की याद में शनिवार को अलम के साथ जुलूस निकाला। वक्फ वासला बेगम सदर इमाम बारगाह से मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सदर इमामबारगा से जुलूस अजा निकालकर मुख्य बाजार ,गांधी चौक होते हुए कर्बला की ओर रवाना हुए ।वहीं गांधी चौक पहुंच कर जुलूस सभा में बदल गया। संचालन अर्शी हुसैन ने किया। इस जुलूस का नेतृत्व मुतवल्ली सैयद हसनैन जैदी कर रहे थे ।इस जूलूस में शोक गीत (मार्सिया) तनवीर हुसैन, मिर्जा आमीन, सैयद मोहमद राजा, सैयद राजा इमाम, नैयर रजा, बाकर हुसैन कर रहे थे। कर्बला पहुंचकर लोगों ने पहलाम की रस्म अदा किया। लोगों ने अपनी नम आंखों से हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम तथा शहीद-ए- कर्बला को श्रद्धांजलि दिया। दिल में एक दर्द लेकर की ज़िंदगी रही तो, फिर अगले बरस रोने को आऊंगा मौला.. हुसैन ।

वही नावा बजार। पलामू जिला स्थित पंचायत भंडार में मोहर्रम के अवसर पर मुस्लिम समुदायो के लोगों के द्वारा ताजिया मिलान को लेकर कारीगरों के द्वारा निर्मित की गई सुंदर एवं आकर्षक ताजिया बाजे गाजे के साथ निकाली गई। जहां पुराने निश्चित जगह पर ग्राम टोना मंडार का ताजिया मिलान हुआ। इसे देखने के लिए इलाके से काफी संख्या में हर एक समुदाय के लोग काफी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित अब्दुल गफूर यीशुफ सीदकी रहमान मियां मोहम्मद मुस्ताफ रज्जी अहमद मियां कमरूदीन मियां ईकबाल शीदकी मजीद सीदकी रफी सीदकी इसरार अंसारी सदीक अंसारी इस्लाम अंसारी सलीम अंसारी खुर्शीद आलम नसीम अंसारी काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पलामू के दोनों आलाधिकारियों के कार्यकाल को अविनाशदेव ने सराहा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के दोनों आलाधिकारियों का तबादला हो गया। अविनाशदेव दोनों महोदय से मिल उन्हे मोमेंटो दिये। उन्होने कहा कि एक की जवाबदेही विकास की थी दूसरे अपराध को देखते थे। इक्का दुक्का मामले छोड़ वो पब्लिक के बीच काफी सराहनीय थे। दोनों का काम करने का तरीका अलहदा था। उपायुक्त ए डोडे ने जनता दरबार लगाकर मिलने के तरीकों को अपनाया जो गरीबगुरबों के दिल को जीत लिया। सुदुर गांव जाकर वंचित वर्ग से बेखौफ मिलना आनेवाले पदाधिकारियों को यह संदेश दे गए की जनता के लिए जनता के द्वार जाना होगा क्यों कि आपकी सेवा ही जनता के लिए है। चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के चरण स्पर्श कर उपायुक्त महोदय ने अपने संस्कार का परिचय दिए व लोगों के दिल जीत लिए। यह संस्कार से पलामू वासी प्रेरणा लेते कभी नहीं भूलेंगे। पुलिस अधीक्षक महोदय ने अपराधियों पर जो शिकंजा कसा उससे सब को पिल्ही छटक गया। बेहतरीन सेवा देकर जाना बीते पल से आदमी भावुक हो जाता है।

पलामू में मुहर्रम को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मुहर्रम पर्व को लेकर पलामू में जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मुड़ में है

ड्रोन कैमरे से हो रही निगरानी

। जिले विभिन्न इलाकों में सुबह से ही ताजिया जुलूस निकाला जा रहा है। जिसको लेकर सभी इलाको में चौक चौराहे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं शहरी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से ताजिया निकल कर बाजार क्षेत्र पहुंचकर विराम दे रहे हैं। सुरक्षा को लेकर पलामू एसपी रिशमी रमेशन,

एसडीओ राजेश कुमार शाह, डीएसपी ऋषभ गर्ग, शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा, ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह, टीओपी प्रभारी रेवा शंकर राणा समेत कई पुलिसकर्मी शहर में भ्रमणशील होकर सुरक्षा का जायजा ले रहे थे। मोहर्रम पर्व में सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक न हो। इसको लेकर पुलिस प्रशासन सभी ताजिया जुलूसों की निगरानी ड्रोन कैमरे से कर रही थी। साथ ही एक हजार से ज्यादा पुलिस बल के साथ अधिकारी व मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई थी। एसपी रिश्मा रमेशन ने बताया कि मुहर्रम पर्व को लेकर सुरक्षा का पुख्ता इंतेजाम किया गया है। सभी इलाको में मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल तैनात किये गये हैं। क्यूआरटी दस टीम पूरे इलाके में घूम-घूम कर निगरानी कर रही है। साथ ही पलामू में लगे कंट्रोल एंड कमांड के जरिए सीसीटीवी से सभी इलाकों के जुलूसों पर पैनी नजर रखी जा रही है। साथ ही पुलिस सोशल मीडिया की भी निगरानी कर रही है। अफवाह फैलाने वाले पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। थाने के कोशिआर गांव में एक 18 वषीर्या युवती ने अपने ही कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। परिजन उसे तत्काल फांसी के फंदे से उतारकर विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।उसकी स्थिति को देखते हुए जांच के बाद ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मेदिनीनगर एमआरएमसीएच भेज दिया। जहां जांचोपरांत चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार कोशिआर के इदरीश अंसारी की 18 वषीर्या बेटी तस्लीमा खातून ने घर मे किसी बात से नाराज होकर अपने ही कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर के सभी लोग विश्रामपुर गए हुए थे। थानाप्रभारी शशिरंजन ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि फांसी लगाने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पूरी जानकारी ली जा रही है। सभी बिंदुओं पर जांच होगी।

विभिन्न जगहों पर पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के करतब दिखाये गये

या अली या हुसैन नारे के साथ निकला मुहर्रम का जुलूस

शहर के कई जगहों पर देग फातेहा का आयोजन किया गया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर व आसपास के इलाके में या अली या हुसैन के नारों के साथ शनिवार को मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। इसमें अखाड़ियों ने गोल बनाकर विभिन्न जगहों पर पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के करतब दिखाए। मुहर्रम जुलूस में गौसिया मुहल्ला, मुस्लिमनगर, कुंड मुहल्ला, शाह मुहल्ला, धोबी मुहल्ला, नावाटोली राईन मुहल्ला, बैरिया चौक, भट्टी मुहल्ला आदि केअखाड़े शामिल हुए। शनिवार को छह मुहान, कन्नीराम चौक, सत्तार सेठ चौक, चावल पट्टी, पंचमुहान पर गोल का आयोजन किया गया। शहर के कई जगहों पर देग फातेहा का आयोजन किया गया। वहीं छह मुहान चौक के पास मुस्लिम समाज के कई लोगों ने शरबत पानी तबर्ररूक आम लोगों के बीच बांटे। मुहर्रम पर्व में बड़ी संख्या में लोग

शामिल हुए। इस मौके पर सुन्नी समुदाय के लोग कर्बला के शहीदों की याद में डूबे रहे, वहीं शिया लोगों ने मातम कर हुसैन के प्रति अपनी श्रद्धा का इजहार किया। मोहर्रम के दिन परंपरा के अनुसार शहर में ताजिया के जुलूस निकले। जिसे देखने के लिए अकीदतमंदों की भीड़ पूरी रात सड़कों पर जमी रही। इस्लामिक नव वर्ष की दसवीं तारीख के मौके पर मोमिनों ने गमगीन माहौल में मोहर्रम का पर्व मनाते हुए हुसैन की शहादत को याद किया। मान्यता है कि हुसैन व उनके बहत्तर साथियों ने इस्लाम के लिए यजीद से जंग कर अपनी शहादत दी थी। मोहर्रम उसी कुबार्नी को याद करने का पर्व है। ताजियों के साथ अकीदतमंदों के निकलने का सिलसिला 10 बजे के करीब शुरू हुआ। तरह-तरह के आकार के भव्य ताजियों के विभिन्न अखाड़ों के लोग करतब दिखाते चल रहे थे। कुछ युवा तो ऐसे-ऐसे करतब दिखा रहे थे कि लोगों को आश्चर्य चकित कर दे रहे थे। जुलूस में बैंडबाजे और शहनाई की मातमी धुन इमाम हुसैन की शहादत की लगातार याद दिला रही थी। सड़कों पर अशूरा घूम रहे थे, जो ताजिया देख दौड़कर पहुंच रहे थे और मोर पंख झलकर श्रद्धा व्यक्त कर रहे थे। ताजिया दफन करने के बाद जुलूस वापस अपने-अपने इमाम चौक तक पहुंचा। जहां उसके समाप्ति का एलान हो रहा था। सभी जुलूसों का नेतृत्व इमामबाड़ों के मुतवल्ली कर रहे थे। इस दौरान गरीबों में खाना, शर्बत, खिचड़ी भी बांटे गये। इससे पहले अकीदतमंदों ने गुस्ल किया और खुदा की इबादत की। तिलावत-ए-कलाम पाक किया गया और मजलिस लगी। इसमें इमाम हुसैन की कुबार्नी पर प्रकाश डाला गया। मोहर्रम का जुलूस शाम को अपने-अपने चौक पर पहुंचकर संपन्न हो गया।

भाजपा नेता ने पूर्व एसपी के कार्यकाल को सराहा

मेदिनीनगर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष ज्योति पांडे ने आज पूर्व पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा से मिलकर उनके बेहतर कार्यकाल के लिए अंगवस्त्र देकर उनको सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर श्री पांडे ने कहा कि पलामू पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा के कार्यकाल में पलामू में अपराधिक गतिविधियां काफी कम हुई और कोई भी आपराधिक घटना होती थी तो अपराधियों पर कार्रवाई करते हुए तुरंत उन्हें पकड़कर कांड का उद्भेदन किया जाता था। कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधीक्षक की कमी पलामू वासियों को निश्चित रूप से खलेगी पुलिस अधीक्षक के द्वारा सामाजिक कार्यों में भी रुचि लेते हुए कई जरूरतमंदों को रक्त मुहैया कराने का भी कार्य किया गया। कई छोटी बच्चियों जिन्हें पढ़ने में समस्या आ रही थी उन्हें भी पुलिस अधीक्षक के द्वारा सहयोग किया गया।

जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा है मोहर्रम : दीपक

मेदिनीनगर। हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 शहीदों की शहादत में मोहर्रम की दसवीं तारीख को मनाया जाने वाले मातम का दृश्य पलामू में देखने को मिला। उनकी याद में ताजिया जुलूस निकाला गया, जिसमें हुसैन की शहादत को नम आंखों से सलाम किया गया। सदर प्रखंड के चियांकी, सुआ, कौड़िया समेत दर्जनों जुलुस में झामुमो नेता दीपक तिवारी एवं सदर थाना प्रभारी गौतम कुमार मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। वहीं गोल में गदका खेलकर एक दूसरे के पर्व में शामिल होकर भाईचारगी का संदेश दिया। मौके पर सदर थाना प्रभारी गौतम कुमार ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन साहब की शहादत को सलाम कर लोग अच्छाई को अपनाने व बुराई को मिटाने की प्रेरणा देते हैं।

घायल से मिलने सदर अस्पताल पहुंचे अमित चंदेल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हाइवा के धक्के से हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के निवासी सतीश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा उन्हें इलाज के लिए मेदनीनगर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के बाद भी उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। जब इस बात की जानकारी समाजसेवी अमित चंदेल को मिली तो वह सदर अस्पताल पहुंचकर घायल से मिलकर उसे हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। उन्होंने अतीश कुमार के परिजनों से कहा कि यदि अस्पताल में किसी भी तरह की मदद की जरूरत हो तो बेहिचक हमसे बात करें। इसके बाद उन्होंने चिकित्सकों से मिलकर अतीश कुमार के इलाज पर विशेष ध्यान देना को कहा है। बताते चलें कि अमित चंदेल आज कई वर्षों से असहाय व गरीब लोगों की मदद करते आ रहे हैं।

NEWS इन ब्रीफ

पद्मा हुसैनी कमेटी ग्रुप ने समाजसेवी का किया स्वागत

मनातू। मुहर्रम का महीना मुसलमानों के लिए धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों महत्व से भरा हुआ है। मौके पर अनिल साहू ने शनिवार को मनातू में मुहर्रम के दौरान विभिन्न तजिये जूलूस का भ्रमण करते हुए कहा कि न केवल यह महीना अल्लाह द्वारा पवित्र माना गया है, बल्कि यह इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना है, जो मुसलमानों के मदीना में हजरत (प्रवास) और 622 ईस्वी में पहले इस्लामी राज्य की स्थापना का प्रतीक है। श्री साहू का विभिन्न मुहर्रम कमेटी ने इस दौरान गर्मजोशी से स्वागत करते हुए पगड़ी व तलवार देकर सम्मानित किया। श्री साहू ने भी विभिन्न मुहर्रम कमेटी के सदस्यों का माल्यार्पण करते हुए कहा कि पलामू की संस्कृति व सभ्यता में भाईचारा कायम है और आज की पीढ़ी इसको लेकर आगे बढ़ रही है।

अन्याय के खिलाफ शहादत का प्रतीक है मुहर्रम : त्रिपाठी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर । मुहर्रम का पर्व अन्याय के खिलाफ शहादत का प्रतीक है ।आज से करीब चौदह सौ वर्ष पहले अतीक ने आतंक व अन्याय का माहौल कायम किया था। इसके खिलाफ मोहम्मद साहब के दो शाहजादों ने लड़ाई लड़ी थीऔर कर्बला के मैदान में अन्याय के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हुए थे। यही कारण है कि इस्लाम में उनका नाम पुरे अकीदत के साथ लिया जाता है। उक्त बातें झारखण्ड सरकार के पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी ने कही ।वे आज चैनपुर व नेउरा समेत अन्य आधा दर्जन से अधिक गावों में स्थानीय मुहर्रम इन्तेजामिया कमेटियों द्वारा आयोजित मिलन समारोह में शिरकत कर रहे थे। इस अवसर पर श्री त्रिपाठी ने कहा कि मुहर्रम का पर्व न्याय के मार्ग पर चलने कि सीख देता है। यह पर्व हसन व हुसैन के शहादत की याद में मनाया जाता है।उन्होंने कहा कि पुरे जिले में आज यह पर्व आपसी मिल्लत के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सत्य व न्याय के मार्ग

पर चलने का जो रास्ता हसन,हुसैन ने दिखाया है उस पर चलने का प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि भारत में दो भाइयों के आपस में लड़ने से पड़ोसी देश इसका फायदा उठाने के चक्कर में है, इसलिए हमें आपस में एकजुटता बनाए रखना है। अगर भारत को मजबूत बनाना है तो आपसी भेदभाव को भूलना होगा। जाति और धर्म के नाम पर बांटने वालों को चिन्हित करना होगा। हमेशा एक दूसरे को गले लगा कर चलना होगा ।इस दौरान चैनपुर राज परिवार के विवेक भवानी सिंह ने कहा कि कई वर्षों से वे कार्यक्रम में शरीक होते आ रहे हैं,लेकिन इस वर्ष हिंदू- मुस्लिम एकता देखकर प्रसन्न हैं । इस दौरान इंतजामिया कमेटी की ओर से महावीर नवयुवक दल जेनरल के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। मौके पर मोहर्रम समिति के सदर सलामुद्दीन खान, पूर्व सदर डब्लू खान, लाडले खान,कमाल खान, सेक्रेटरी आलम जफीर, खजांची अशरफुल, प्रखंड 20सूत्री अध्यक्ष रंजन दुबे, सदर मोहम्मद फारूक, अब्दुल्ला खान, हेमचंद प्रसाद, निरंजन प्रसाद, अब्दुल हरेरा, विजय प्रसाद, विनोद प्रसाद, मिथिलेश गुप्ता, दिलीप कश्यप, अमित सिंह, विजय बैठा, कंकारी सदर खुर्शीद अंसारी, अदनिया सदर जुबेर खान व डूमरी के सदर तबरेज अंसारी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

समारोह | आईजी सहित अन्य पदाधिकारीयों की मौजूदगी में

पुलिस कप्तानों की विदाई व स्वागत समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के जेल हाता चौक स्थित रमाडा होटल में शुक्रवार की शाम एसपी चंदन सिन्हा का विदाई समारोह और पलामू की नइग एसपी रिशमा रमेशन के स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों के द्वारा निवर्तमान एसपी चंदन कुमार सिन्हा को भावभीनी विदाई दी गई। वहीं नई एसपी रिशमा रमेशन का जोरदार स्वागत किया गया।मौके पर उपस्थित आईजी राजकुमार लकड़ा ने कहा कि एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने अपने कार्यकाल में जिले के किसी भी स्थिति को अपने स्तर से बड़ा चलकर काम किया है जो काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि जब किसी भी चीज को आसानी से कर लेना संभव नहीं होता है, बावजूद उन्होंने आसानी से हर कामों को करके दिखाया है। वहीं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ऋषभ गर्ग ने कहा

कि पुलिस अधीक्षक के पद रहते हुए भी चंदन सर ने कभी भी किसी के साथ मतभेद नहीं रखा। जब तक किसी भी मामले का पदार्फाश नहीं होता था तब तक वह नेतृत्व करते रहते थे। हमें इनसे काफी चीज सीखने को मिली है जो समय पर काम आएगी। वहीं एसपी चंदन सिन्हा ने कहा कि आप सभी पुलिस पदाधिकारियों के अंदर जो जुनून और हौसला है, उसे मैंने केवल जगाने का काम किया है। उन्होंने पलामू के समस्त थाना प्रभारियों से कहा कि आप लोग जितना लोगों से वार्ता और प्यार करेंगे वह आपके लिए फायदेमंद होगा। मौके पर पलामू उपायुक्त शशि रंजन, आईजी राजकुमार लकड़ा , डीडीसी रवि आंनद ,सीआरपीएफ डीआईजी पंकज कुमार, सीआरपीएफ 134 कमांडेंट सुदेश कुमार, पलामू एसपी रिशमी रमेशन, डीएसपी ऋषभ गर्ग, डीएसपी सुरजीत कुमार, हुसैनाबाद डीएसपी, छतरपुर डीएसपी, लेस्लीगंज डीएसपी, शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा, चैनपुर थाना प्रभारी रूपेश कुमार दुबे, सदर थाना प्रभारी गौतम कुमार, पड़वा थाना प्रभारी नकुल शाह, नावा जयपुर थाना प्रभारी संजय कुमार रजक, लेस्लीगंज थाना प्रभारी गौतम कुमार राय, नावाजार थाना प्रभारी दीपक कुमार दास, नौडीहा बाजार थाना प्रभारी अमन कुमार,महिला थाना प्रभारी किरण कक्षप,टीओपी वन प्रभारी रेवा शंकर राणा, टीओपी टू प्रभारी रूद्रानंद सरस, टीओपी तीन प्रभारी मंतुस्त महतो, ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

डेंगू रोधी माह

(जुलाई 2023)

डेंगू/चिकनगुनिया संक्रमित एडिस मच्छर के काटने से होता है

याद रखें- प्रत्येक रविवार दिन में 10 बजे, 20 मिनट- अपने घर एवं आस पास मच्छरों के प्रजनन को रोकने हेतु आवश्यक उपाय करें।

क्या करें
- डेंगू/चिकनगुनिया फैलाने वाले एडिस मच्छर साफ पानी में ही पनपते हैं, इसलिए पानी के बर्तनों, पानी की टंकी आदि को ढक कर रखें। घर के आस-पास सफाई रखें।
- जब भी सोयें, मच्छरदानी के अंदर ही सोयें।
- एडिस मच्छर हमेशा दिन के समय काटते हैं, इसलिए पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें।
- डेंगू/चिकनगुनिया बुखार के उपचार के लिए कोई विशेष दवा नहीं है। अगर डेंगू/चिकनगुनिया के लक्षण दिखाई दे, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।
- मच्छरों से बचाव के लिए घर की खिड़की तथा दरवाजे पर जाली लगवायें

क्या नहीं करें
- घर के आस-पास या छत पर प्रयोग में न आने वाले बर्तन, टायर आदि न रखें एवं घर में कूलर, बाल्टी, फूलदान, फ्रिज ट्रे में पानी जमा नहीं होने दें।
- टूटे हुए बर्तन, प्रयोग में नहीं आने वाली बोतलें, टिन, बेकार के टायरों को जमा न रखें, क्योंकि बारिश के मौसम में इन्हीं में पानी जमा होता है, जिसमें एडिस मच्छर पनपते हैं।
- बिना मच्छरदानी के नहीं सोयें।
- शरीर को पूरी तरह न ढकने वाले कपड़ों का प्रयोग नहीं करें।
- बुखार होने पर उसे अनदेखा नहीं करें।
- बगैर जाली लगे खिड़की तथा दरवाजे शाम एवं सुबह में खुले न रखें, क्योंकि इस समय मच्छरों का प्रकोप अधिक रहता है।

तेज बुखार, जोड़ों एवं मांसपेशियों में दर्द को अनदेखा न करें, यह डेंगू/चिकनगुनिया हो सकता है।

ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। 104

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 303550 (Health Med Edu and Family Welfare) 2023-24

मानव कल्याण का सहज उपाय प्रभु का स्मरण : जीयर स्वामी

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। प्रखंड के पाल्हे जतपुरा ग्राम में चल रहे प्रवचन में श्री श्री जीयर स्वामी महाराज ने कहा कि श्री शुकदेवजी महाराज ने राजा परीक्षित को मानव कल्याण के लिए सबसे सहज और सरल उपाय परमात्मा के श्रीचरणों में चिन्तन बताया। जिस व्यवस्था में रहे प्रभु का स्मरण, चिन्तन एवं ध्यान निरन्तर करते रहना चाहिये। शास्त्र में बताया गया है कि दान, तप और ध्यान आत्मा के उद्धार व कल्याण का प्रमुख साधन है। मनुष्य को अपनी मृत्यु को याद करते हुये बचपन, जवानी एवं बुढ़ापा में भगवान का चिन्तन मनन और उनके गुणों का श्रवण हर पल हर क्षण करते रहना चाहिए। शास्त्र में कहा गया है साधक को संकट आने पर, मृत्यु निकट आने पर या अन्त समय आने पर घबराना नहीं चाहिए। भगवान प्रभु नारायण के नाम या (ॐ) जप करते हुये शेष जीवन को बिताए एवं स्मरण करें। उन्होंने कहा कि भगवान के स्वरुप का स्मरण करे। वेद शास्त्र में बताया गया है कि भगवान के श्रेष्ठ स्वरूप में (चतुर्भुज) स्वरूप एक है। स्वामी जी ने इस गूढ़ रहस्य को बताया कि चतुर्भुज का मतलब चार भुजा वाला स्वरूप जिसमें (शंख, चक्र, गदा, पद्म) ऐसे स्वरूप वाले प्रभु को अपने दिल दिमाग में बैठाकर जप, तप, ध्यान एवं पूजन करना चाहिये। यही मावन जीवन के कल्याणका सबसे सरल और सुगम साधन बताया। प्रायश्चित द्वारा हमारा समाधान हो ही जाएगा यह कोई जरूरी नहीं है, हो भी सकता है, नहीं भी हो सकता है। जिंदगी भर उल्टा पुल्टा काम किया और चार धाम का यात्रा करने से हो जाएगा। केवल यज्ञ से, पूजा से, दान से, तप से व्यक्ति को धार्मिक नहीं माना जाएगा। धर्म के 8 खम्भे होते हैं, यज्ञ, अध्ययन, तप, दान. 8 खंभों में से चार खंभा साझी है। उसे अच्छे लोग भी करते हैं। बुरे लोग भी करते हैं। और चार धर्म का जो खंभा है वह केवल अच्छे लोग ही करते हैं। यज्ञ बाबा विश्वामित्र, वशिष्ठ जैसे अच्छे लोग भी करते हैं और यज्ञ पापी रावण कुम्भकरण जैसे लोग भी करते हैं। अच्छे लोग इसलिए करते हैं कि हमारे पास कुछ बल आ जाए कि उपकार करें। बुरे लोग इसलिए करते हैं कि दूसरे को सताएं। अन्य चार धर्म का जो खंभा है वह केवल अच्छे लोग में ही पाया जाता है। धैर्य, क्षमा, संतोष, अलोभ, साबुन, सर्फ, जल से कपड़ा की गंदगी साफ हो जाती है। परंतु और गंदगी साफ नही होती है। जो व्यक्ति धर्म करता है वह धार्मिक है। जो हठ करके धर्म करता है वह धमार्भास है।

मुहर्रम का त्योहार सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

मेराल (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्र में हजरत इमाम हसन हुसैन के शहादत की याद में मुहर्रम त्योहार का जुलूस 10 मुहर्रम दिन शनिवार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। जुलूस में या हसन या हुसैन के नारे लगाए गए। इस जुलुस मे ताजिया, सिफड़ इस्लामी झंडा निकाली गई। प्रखंड क्षेत्र में मुख्यालय सहित कुल 62 जगहों पर मोहर्रम इंतजामियां कमेटी के द्वारा जुलूस निकालकर मुहर्रम त्योहार इमाम हसन हुसैन की याद में मनाई गई। जिसमें मेराल,चामा, दुलदुलवा, तीसरटेटुका, खुटैलिया, गेरुआ, हासनदाग, बाना, गोंदा, लोवादाग, दलेली, बिख्याम, ओखरगाड़ा, पचफेड़ी, खोरीडीह इत्यादि सहित गांव के नाम शामिल हैं। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी नीतीश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी क्षेत्र में सौहार्द पूर्ण वातावरण को बनाए रखने के लिए लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सभी जगह पर नजर बनाए हुए थे। जुलूस के दौरान इंतजामियां कमेटी के द्वारा जगह-जगह पर शरबत पानी की भी व्यवस्था की गई थी। हासनदाग मिलनी चौक पर मोहरम इंतजामियां कमेटी के लोगो ने पुरानी परंपराओं को कायम रखते हुए लाठी-डंडे का खेल दिखाया। ताजिया कलाकारो द्वारा एक से बढ़कर एक ताजिया बनाया गया था। जिसकी तारीफ मुख्य अतिथियों ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हम लोगों के हिंदू मुस्लिम एकता बराबर बरकरार रहे हम एक दूसरे से कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए ताकि हमारे क्षेत्र में आपसी भाईचारा बनी रहे हम सभी को एक दूसरे के प्रति भेदभाव बुलाकर इस शहादत दिवस पर्व को शांतिपूर्ण मनाने की आवश्यकता है। इस बीच दोनों पंचायत के मुखिया फुलमंती देवी, अनिल चौधरी ने दोनों पंचायत के मोहरम इंतजामियां कमेटी के सदस्यों को शांति वातावरण में त्योहार को संपन्न कराने के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर झामुमो के अनुमंडल अध्यक्ष सह मुखिया पति हरेंद्र चौधरी, बीडीसी नंदू चौधरी, उप मुखिया अविनाश कुमार चौबे, समाजसेवी कोमल चौधरी, मानदेव रजक मोहर्रम इंतजामियां कमेटी के सदस्य सद्दाम अंसारी, मंसूर अंसारी, एएच अख्तर महफूज अंसारी, कौसर अंसारी, मुजम्मिल अंसारी, नैमुद्दीन अंसारी, सद्दाब अंसारी, दाऊद अंसारी, मनान अंसारी, मुजाहिद अंसारी, शमशाद अंसारी, मोदसिर अंसारी, हबीब अंसारी, असफाक अंसारी, समसेर अंसारी इत्यादि लोगों ने इस जुलूस में अहम भूमिका निभाई।

प्रखंड क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मना मुहर्रम का पर्व

नवीन मेल संवाददाता

डंडई (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ शनिवार को मोहर्रम का पर्व मनाया गया। हसन हुसैन की याद में मनाए गए सहादत दिवस के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा एक से बढ़कर एक तजेया व रंग बिरंग डिजाइनों के आकार में घोड़ों का भी निर्माण किया गया। प्रखंड के विभिन्न गांव में बनाए गए ताजिया के साथ-साथ घोड़ों को डंडाई लवाही सिवान स्थित मिलनी स्थल पर सभी को एक साथ आपस में मिलान कराने का काम किया गया। इस दौरान रारो व डंडाई गांव के मुस्लिम टोला पर बनाए गए ताजिए का ग्रामीणों के द्वारा खूब प्रशंसा किया गया। कार्यक्रम के दौरान बीडीओ सोमा उरांव, सीओ चुनाराम हेंब्रम व थाना प्रभारी शाबाज अंसारी दल बल के साथ मौजूद रहे। थाना प्रभारी के द्वारा बेहतर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलग-अलग कई टुकड़ों में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। मौके पर रारो निवासी मंसूर अंसारी ने बताया कि हसन और हुसैन दोनों भाइयों की शहादत के अवसर पर हम सभी मोहर्रम का पर्व मनाते हैं। उसी दिन अलग-अलग आकार में हम सभी ताजिये का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विभिन्न गांव में बनाए गए ताजिए को डंडाई लवाही मिलनी स्थल पर एक साथ हमसभी आपस में मिलान कराने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि मिलनी के लिए चिन्हित स्थान बहुत ही पुराना है। वर्षो से हम लोग ही नहीं बल्कि हमसभी के पूर्वज भी उक्त स्थल पर ताजिये को आपस में मिलान करते आये हैं।

क्षेत्र में मुहर्रम त्योहार का जुलूस आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण निकला

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। अनुमंडल मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मुहर्रम त्योहार पहलाम का जुलूस आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण तरीके व हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। प्रखंड क्षेत्र के विशुनपुर, नगर उंटारी, कधवन, कोलझिकि, नरही, हुलहुला खुर्द, कुशदण्ड, जंगीपुर, सोनबरसा, बरडीहा, बम्बा सहित अन्य गांव में मोहर्रम की छोटी चौकी का जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल लोगों ने हजरत इमाम-हुसैन की शहादत को याद किया। जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के द्वारा या अली या हुसैन कर्बला दूर है। जाना जरूर है सहित अन्य नारे लगा रहे थे। जगह जगह पर फातिहाखानी पढ़ा गया। जुलूस में पूर्व विधायक अनन्त प्रताप देव, जिप अध्यक्ष शांति देवी, झामुमो वरिष्ठ नेता ताहीर अंसारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओबेदुल्लाहक अंसारी मुख्य रूप शामिल थे। श्री बंशीधर नगर अनुमंडल मुख्यालय में विभिन्न गांव से आकर्षक ताजिया के साथ जुलूस जुलूस निकाला गया। झामुमो वरिष्ठ नेता ताहिर अंसारी ने कहा कि हसन हुसैन की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम त्याग और बलिदान का पर्व है। उन्होंने कहा कि अमन और एकता का नजारा पेश करते हुए हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग जुलूस में शिरकत किया और आपसी प्रेमभाव और सौहार्द का संदेश दिया। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद कुमार केशरी, पुलिस निरीक्षक रत्न कुमार सिंह, थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह के द्वारा लगातार क्षेत्र में भ्रमण किया गया। एसडीपीओ प्रमोद कुमार केशरी ने कहा कि मोहर्रम पर को शांति तरीके से संपन्न कराने को लेकर ड्रोन के माध्यम से नजर रखा जा रहा है। मौके अंजुमन कमेटी सदर तौहिद खान, मोहर्रम इंतजामिया कमेटी सदर मुराद खान, खजांची लालबाबू खान, पूर्व सदर सलाहूदिन खान, तस्लीम खान, सरपरस्त शमीम खान, समाजसेवी आमीन खान, नरही सदर नसीर अंसारी, नायब सदर शमीम खान, इरफान खान, नेपाली खान, मेराजुद्दीन खान, तौकीर आलम, हैदर खान, अंसार खान, खुर्सीद खान, फेराजूल खान, मनउवर खान, तौवाब खान, नसरुल्लाह खान, अजहरुल खान, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। इधर बरडीहा गांव में मोहर्रम इंतजामिया कमेटी सदर राकिब अनवर, सरपरस्त वकील अहमद, नायब सदर फिरोज अहमद, सेक्रेटरी डॉ रिजवान अहमद, खुर्सीद आलम, अफरोज अहमद सदर मुश्ताक अहमद अहमद, डॉ ताहीर हुसैन, राहत हुसैन, मसउवर अंसारी, उस्मान अंसारी, डॉ सुलेमान अंसारी, रईस अंसारी, साजिद रजा, दिलशाद अहमद, रागिब, इंतजार, मकसूद, गुलाम, नवाब, नौसाद, असलम, रासिब, खालिद, सुमंत, समसिर अजीजी, सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

खरौंधी प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न

खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्र में कुबार्नी का पर्व मुहर्रम का त्योहार शांति व अकीदत के साथ मनाई गयी। शनिवार को प्रखंड के विभिन्न कर्बला के मैदान में ताजिया व आलम का पहलाम सपन्न हुआ। मझिगांवा, खरौंधी, करिवाडीह, सिसरी पंचायत सहित विभिन्न पंचायतों में ताजिया का पहलाम किया गया। सभी जगहों पर ताजिया व आलम का मिलनी सम्पन्न हो गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ताजिया मिलन के अवसर पर एक से एक करतब दिखाए। लाठी भांजना, रंगबिरंगे घोड़े से खेल आदि खेल से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मन मोह लिया। ताजिया मिलन के दौरान खेल का आयोजन किया गया। खरौंधी प्रखंड में मुस्लिम हिन्दू एकता का परिचय मुहर्रम पर्व के दौरान दिखा। मोहर्रम पर्व के अवसर पर सुरक्षा के चाकचौबंद व्यवस्था की गई थी। थाना प्रभारी अभय कुमार खुद मोर्चा संभाले हुए थे। खरौंधी प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। ताजिया मिलन कार्यक्रम में बीडीओ गणेश महतो जिपस धर्मराज पासवान प्रमुख आभा रानी, बिससूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक, उपप्रमुख देवदत्त प्रसाद आर्य, विधायक प्रतिनिधि जितेन्द्र प्रसाद यादव, उपेंद्र दास, झामुमों के प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत किशोरझामुमो जिला उपाध्यक्ष हिफाजत अंसारी, विनोद यादव, चन्दनी मुखिया रामगहन मेहता, कूपा पंचायत के मुखिया प्रमोद राम, बीडीसी कृष्णा राम, विकास सिंह, पूर्व उपप्रमुख गोरखनाथ चौधरी, समाजसेवी कृष्णा गुप्ता, संध्याकर विश्वकर्मा, अशोक ठाकुर, रवि हुसैन, समसुद्दीन अंसारी, सतीश राम, संतोष कुमार सिंह, जाकिर हुसैन, अरविंद पासवान, अजीत यादव, सतेंद्र राम, महेंद्र मोची, राकेश उरांव सहित बड़ी संख्या में महिला ,बच्चे व पुरुष उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया मुहर्रम त्योहार, गणमान्य लोगों को किया गया सम्मानित

माझिआंव (गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हर्षोल्लास सौहार्दपूर्ण भाईचारा एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया मुहर्रम त्योहार। मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ताजिया सिपहड़ के साथ जुलुस निकाला। प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न गांव से मोहर्रम का जुलूस मुख्य बाजार में शामिल हुए एवं मिलान किया। जुलूस के दौरान मुस्लिम धर्मावलंबियों ने या अली, या हुसैन, जा हुसैन नारों के साथ उद्घोष किया। वहीं युवा समाजसेवी सोनी ने मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर मुहर्रम का मुबारकबाद दिया। वहीं मुहर्रम जुलूस के दौरान स्थानीय प्रशासन चुस्त-दुरुस्त देखी गई। स्थानीय प्रशासन दल बल के साथ जगह-जगह तैनात की गई। वहीं मुस्लिम भाइयों ने वश अस्त्र-शस्त्र से कलाओं का प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष ललित राम, कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष आनंद कुमार यादव, मीडिया प्रभारी शाहबाज आलम तथा सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

मुहर्रम पर्व चिनिया प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

चिनिया (गढ़वा)। प्रखंड मुख्यालय सहित विभिन्न पंचायतों में शनिवार को मुहर्रम पर्व सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई है। जहां शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए चीनिया पुलिस पूरी तरीके से मुस्तैद दिखी तथा मजिस्ट्रेट के रूप में दुनिया प्रखंड विकास पदाधिकारी कालिदास मुंडा खुद जुलूस के दौरान मौजूद रहे। वहीं मुस्लिम धर्मावलंबियों ने शनिवार की सुबह ताजिए एवं शिपहड के साथ जुलूस निकाला। जहां जुलूस के दौरान या अली या हुसैन के नारों से इलाका गूंज उठा वहीं मोहर्रम इंतजाम या कमेटी के द्वारा मिलनी दामर अनहारी दह में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न तरह के खेल का आयोजन किया गया। बताया गया है कि मुहर्रम के महीने की 10वीं तारीख को कर्बला की जंग में पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। इस्लाम की रक्षा के लिए उन्होंने खुद को कुर्बान कर दिया था। इस जंग में उनके साथ उनके 72 साथी भी शहीद हुए थे। लेकिन बातिल के आगे अपना सिर नहीं झुकाया। कर्बला के प्यासे शहीदों की याद में मोहर्रम का पर्व मनाया जाता है। वहीं मौके पर चिनीयां थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी कालिदास मुंडा व झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अरविंद यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए मोहर्रम पर्व की शुभकामनाएं दी, अंत में मुहर्रम इंतजाम या कमेटी की ओर से पहुंचे सभी गणमान्य लोगों को शॉल एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। मौके पर राजद नेता सह सदर मोहम्मद फरीद, गांधी मेमोरियल पूछ विद्यालय के प्राचार्य मोहम्मद यासीन मलिक, मनोज प्रसाद, सीताराम यादव, नौशाद मंसूरी, बेलाल मंसूरी, मोहम्मद फारुख, आरजू हसन, जन्नत हुसैन, महमूद अंसारी, श्याम बिहारी राम, रामवृक्ष सिंह सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

पैगंबर हजरत इमाम हुसैन की याद में ताजिया का जुलूस निकाला गया

बड़गड़ (गढ़वा)। प्रखण्ड क्षेत्र में मोहर्रम की 10वीं तारीख को ताजियादारों ने पैगंबर हजरत इमाम हुसैन की याद में शनिवार को ताजिया का जुलूस निकाला। जुलूस उगरा गांव से बाजेगाजे के साथ निकल कर मुख्य बाजार बड़गड़ में महुआटिकर गांव के जुलूस से मिलान की। तत्पश्चात जूलूस बैंक मोड़ होते हुये महाबीर चौक से गुजरते हुये गोठानी से कलाखजुरी पहुंच कर परसवार, बोडरी व टेहरी की जुलूस से मिलान किया। कालाखजुरी अखाड़े में मुस्लिम समुदाय के द्वारा डंडे, तलवार, भाले आदि परंपरागत शस्त्रों के साथ करतब दिखलाया। मौलाना लतीफ अंसारी ने बताया कि इमाम हुसैन कर्बला के मैदान में मानवता व इस्लाम की हिफाजत के लिये शहीद हो गये। इमाम हुसैन से सारी दुनिया मोहब्बत करती है। इस मौके पर मुस्लिम समुदाय के विभिन्न गांवों के सदरों को पगड़ी पोशी कर सम्मानित किया गया। वहीं इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी संजय खाखा, बड़गड़ पिकेट प्रभारी गंगा राम, तियू पुलिस बल के साथ जुलूस को शान्ति पूर्ण रुप से संचालन करने एवं किसी भी प्रकार से अशांति फैलाने वाले से निपटने के लिये तत्पर दिखे। इस अवसर पर अमानत अंसारी, इकबाल अंसारी, मकबुल अंसारी, जहिर आलम, सद्दाम हुसैन, बीसमिल्लाह अंसारी, अजीज अंसारी, नुरुल हक, रुस्तम अंसारी, गुड्डन हक, नेजाम अंसारी, शौकत अंसारी आदी सक्रिय दिखे।

दो मोटरसाइकिल की टक्कर में चार लोग गंभीर

गढ़वा। नगर उंटारी बिशुनपुरा मार्ग पर वईनी कधवन गांव के पास दो मोटरसाइकिल की टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक मोटरसाइकिल सवार विशनपुरा थाना क्षेत्र के पिपरी गांव निवासी रामश्रय चंद्रवंशी किया। पुत्र पंकज कुमार चंद्रवंशी संजय बियार का पुत्र बजरंगी कुमार बियार, आमिरक बियार का पुत्र विमलेश कुमार बियार दूसरी मोटरसाइकिल सवार पतिहारी गांव निवासी मतलूब अंसारी का पुत्र मकसूद अंसारी एवं एक अन्य व्यक्ति के नाम शामिल हैं। इनमें पंकज चंद्रवंशी वह मकसूद अंसारी को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मकसूद अंसारी को रिम्स रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में पंकज चंद्रवंशी ने बताया कि एक मोटरसाइकिल पर तीन लोग नगर उंटारी से सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में मोटरसाइकिल रोक कर आपस में बातचीत कर रहे थे।

सगमा व नगर उंटारी के बीडीओ पर भ्रष्टाचार के आरोप

जनता के साथ अभद्र व्यवहार व भष्ट्राचार के अनेकों दास्तान : पूर्व मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। जिले के सगमा प्रखंड के बीडीओ सत्यम कुमार व नगर उंटारी प्रखंड के बीडीओ श्रवण राम द्वारा भारी भष्ट्राचार, लूट व दोनों के क्रिया कलाप बराबर उजागर होते रहता है। उक्त दोनों बीडीओ द्वारा जनता के साथ किये गये अभद्र व्यवहार, भारी भष्ट्राचार आदि के अनेकों दास्तान हैं। इसके बाद भी कुछ अधिकारी इन दोनों को बचाना चाहते हैं। उक्त बातें पूर्व मंत्री सह भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य रामचन्द्र केशरी ने शनिवार को चेचरिया स्थित अपने आवासीय कार्यालय में प्रेसवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के पत्र संख्या 492 दिनांक17 अप्रैल 2023 व पत्र संख्या 555 दिनांक 16 मई 2023 द्वारा अलग-अलग गठित जांच टीम के बाद भी स्थल जांच नहीं हुआ। जबकि ये दोनों बीडीओ जिन-जिन प्रखंडों में पहले थे वहां-वहां के जिलाधिकारियों ने निलंबित कर कार्रवाई किया। उन्होंने कहा कि सगमा प्रखंड में 22 और 30 अप्रैल की घटना को देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सगमा प्रखंड मुख्यालय में अधिकारियों द्वारा कहा जाता है कि कुछ हुआ ही नहीं है, लेकिन उसी तिथि को घटना के बाद आंदोलन क्यो हुआ? थाना प्रभारी वहां जाकर मांग पत्र क्यों लिये। बीडीओ वहां से क्यो भागे। बीडीओ का कार्यालय एक सप्ताह तक क्यों बन्द रहा। उन्होंने कहा कि नगर उंटारी बीडीओ के बारे में भारी भष्ट्राचार से सम्बंधित जिला से गठित जांच टीम द्वारा जांच नहीं किया गया। अधिकारी बचाते रहे। जबकि इस प्रखंड से पहले यही बीडीओ चतरा जिला के कुंदा प्रखंड में कार्यरत होने के बाद इनके द्वारा जो भरष्टाचार किया गया। उसमे चतरा जिलाधिकारी ने निलंबित कर कार्रवाई किया था। उन्होंने कहा कि मैं जिलाधिकारी से मांग करता हूं कि जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में गठित जांच दल के आलोक में सभी शिकायतकर्ताओं को जांच के पूर्व सूचना देकर उच्च स्तरीय जांच कराया जाय। साथ ही मुकेश कुमार यादव और कलावती देवी आदि 4 व्यक्ति, ग्राम घघरी से सगमा प्रमुख व बीडीओ द्वारा उक्त चारो लाभुकों से शेड देने के नाम पर 52 हजार रुपये लिया गया तथा ग्राम चैनपुर व घघरी के चौदह ग्रामीणों का आवेदन पर भी जांच कर कार्रवाई किया जाय। प्रेसवार्ता में मथुरा पासवान, अश्विनी कुमार, सोबराती खां, राम कुमार कुशवाहा व उपेन्द्र कुशवाहा उपस्थित थे।

रमुना में ताजिया व सिपहड़ के साथ जुलूस निकाला

नवीन मेल संवाददाता

रमुना (गढ़वा)। प्रखण्ड मुख्यालय सहित आस-पास के क्षेत्रों में मुहर्रम का त्योहार शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। मुहर्रम इंतजामिया कमेटी रमुना के तत्वावधान में शनिवार की सुबह ताजिया एवं सिपहड़ के साथ जुलूस निकाला गया। जूजूस विभिन्न चौक-चौराहो से होते हुए मड़वनिया पंचायत भवन पहुंचा। जहां मड़वनिया, जुड़वनिया एवं कबिसा से आये हुए ताजिया का मिलान किया गया। इस अवसर पर लोगों ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाये। इस दौरान या अली, या हुसैन के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया था। इधर मिलनी स्थल पर आयोजित लंगरखाने का उद्घाटन पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, जिप अध्यक्ष शांति देवी, प्रमुख करुणा सोनी, सीओ सतीश कुमार सिन्हा एवं मुखिया स्वीटी वर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक ने कहा कि इंतजामिया कमेटी ने इस कर्यक्रम के माध्यम से पूरे क्षेत्र में शांति और भाईचारे का पैगाम देने का काम किया है। इसके पूर्व सभी अतिथियों को पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रभात कुमार, पूर्व प्रमुख मृत्युंजय सिंह, पूर्व मुखिया अखिलेश्वर पांडेय, एसडी खान, प्रदीप सिंह, रोहित वर्मा, अनुज कुमार, रमेश रवानी, सोनू सिंह, हरिचन्द यादव सहित बड़ी संख्या में दोनों समुदाय के लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अनवर अंसारी, खुर्शीद अंसारी, सूबेदार अंसारी, लबरेज अंसारी, अलीमुद्दीन अंसारी, जाकिर अंसारी, कुतुबुद्दीन अंसारी, आलमगीर आलम, हसनु अंसारी, नेजाम अंसारी, हैदर एवं हारून की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इधर बहियार, बुलका, गम्हरिया, टंडवा एवं भागोडीह में भी मुहर्रम का त्योहार शांति पूर्वक मनाया गया। मुहर्रम को लेकर थाना प्रभारी केके कुशवाहा के नेतृत्व में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद देखी गयी।

13 वर्षों से डंडई पंचायत में जल सहिया का चुनाव लंबित

मुखिया ने कहा पदाधिकारियों से जानकारी हासिल कर अभिलंब चुनाव कराने की होगी पहल

नवीन मेल संवाददाता

डंडई (गढ़वा)। प्रखंड के डंडाई पंचायत में जल सहिया का चुनाव अब तक एक पहेली बन कर रह गया है। 13 वर्ष पहले गांव की सरकार के पहला कार्यकाल में उक्त पद के लिए जो चुनाव हुआ उसके बाद आज तक दुबारा उसका चुनाव नहीं हो सका है। वर्ष 2011 में अपने-अपने पदों पर काबिज हुए पंचायत के कई जलसहिया वर्ष 2023 तक भी अपने-अपने पद पर बने हुए हैं। उसके बाद पंचायत के किसी योग्य व्यक्तियों को उक्त पद का लाभ नहीं मिल सका है। जबकि हर 3 या 5 वर्षों की अवधि के बीच किसी भी पद के लिए चुनाव होना संवैधानिक प्रावधान है। इतनी लंबी अवधि बीत जाने के बाद भी अब तक उक्त पद के लिए दुबारा चुनाव नहीं होना समझ से परे हो गया है। मामले में पदाधिकारियों की निष्क्रियता मानी जाए या निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की कहना बड़ी मुश्किल है। काश ये सभी सजग होते तो निश्चित तौर पर अब तक उक्त पद के लिए चुनाव हो गया रहता। मालूम हो की गांव की सरकार में पंचायत की पहली मुखिया बनी मोहतरमा खैरुन निशा की अध्यक्षता में जल सहिया के पद पर वर्ष 2011 में चुनाव हुआ था। उसके बाद गांव की सरकार के दूसरे कार्यकाल में पंचायत की मुखिया बनी फुलवंती देवी का कार्यकाल लगभग 7 वर्षो का रहा। साथ ही गांव की सरकार के तीसरे कार्यकाल में पंचायत की मुखिया बनी धनवंती के द्वारा अपने पद का निर्वहन किया जा रहा है। उन्हें भी मुखिया बने लगभग 2 वर्षों का समय बीत गया। निर्वाचित सभी जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल अगर जोड़ दिया जाए तो वह 13 वर्षों की अवधि तक पहुंच जाता है। ऐसे में 13 वर्षों के कालखंड के बीच उक्त पद के लिए दुबारा चुनाव नहीं होना गांव घर में चर्चा का विषय बन गया है। जानकार लोगों का कहना है कि सरकार किसी भी पद के लिए 3 वर्ष और नहीं तो अधिकतम 5 वर्षों का अवधि मानकर चलती है। इसी बीच उक्त पद के लिए चुनाव कराना जरूरी हो जाता है। उन्होंने कहा कि 13 वर्षों की अवधि बीत जाने के बाद भी अब तक जलसहिया के पद पर दुबारा चुनाव नहीं होना एक खिलवाड़ से कम नहीं है। बताया जाता है कि मुखिया और जलसहिया का बैंक में एक संयुक्त खाता होता है। वहीं सरकार की ओर से प्राप्त हो रही राशि के आलोक में उनके द्वारा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से संबंधित पंचायत अंतर्गत कार्यों को करने का काम किया जाता है।

मामले में पंचायत की मुखिया धनवंती देवी ने कहा की जल सहिया का चुनाव इतने दिनों से लंबित रहना उचित नहीं है। पदाधिकारियों से जानकारी हासिल कर अभिलंब चुनाव कराने की की जाएगी मांग।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक की मौत

गढ़वा। भवनाथपुर थाना क्षेत्र के मकरी गांव निवासी लखन विश्वकर्मा का पुत्र अशोक विश्वकर्मा 40 वर्ष मोटरसाइकिल दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया गया कि अशोक विश्वकर्मा अपने घर से मोटरसाइकिल लेकर निकला था। वापस लौटने के दौरान शराब के नशे में मोटरसाइकिल को एक पेड़ से टक्कर हो गया। घटना कि जानकारी परिजन को मिलने के बाद उसे भवनाथपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी स्थिति काफी बिगड़ गई। इसके बाद चिकित्सकों ने उसे गढ़वा सदर अस्पताल से रिम्स के लिए रेफर कर दिया। परिजन द्वारा उसे रिम्स ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन पुनः उसे सदर अस्पताल ले आया घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए उसे भेज दिया।

लोगों ने एक से बढ़कर एक खेल व कर्तब दिखाए

शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया मुहर्रम

नवीन मेल संवाददाता।
चतरा/इटखोरी/मयूरहंड/टंडवा: शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में जिला मुख्यालय के अलावे इटखोरी, टंडवा, गिद्धौर, सिमरिया, मयूरहंड, प्रतापपुर आदि प्रखंडों में शनिवार को मुहर्रम का त्योहार मनाया गया। शहर के मुस्लिम बहुल मुहल्लों में चौकठ तजिया निकाली गई। चौकठे व तजिया में मुस्लिम भाईयों ने अपना-अपना लाठी तलवार, आदि अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन किया। पर्व को लेकर अहले सुबह नमाज के साथ ही विभिन्न इमामबाड़ों में लोगों की भीड़ जुटने लगी। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न इमामबाड़ों को सजाया गया था। बताया जाता है कि इस्लामी साल के 10 वीं तारीख को ही वर्षो पूर्व से सच्चाई को साथ देने वाले इमाम हुसैन साहब को अपनी शहादत देनी पड़ी थी। उस दिन की याद ताजा करने के लिए ही मुहर्रम मनाया जाता है। गम के माहौल में मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर हर तरफ चौकसी बरती जाती है। गिद्धौर (चतरा) प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में मोहर्रम त्योहार को लेकर मुस्लिम समुदाय के कमिटियों के द्वारा शनिवार को ताजिया के साथ जुलूस निकाला गया। इस दौरान जुलूस कर्बला पहुंचा। जहां मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक से बढ़कर एक खेल व कर्तब दिखाए। साथ ही प्रखंड के गिद्धौर, किरकिरा, केंदुआ, बरटा, तरी घटेरी, सिन्दूवारी खुर्द सहित अन्य गांवों में ताजिया के साथ जुलूस निकाला गया। ताजिया व जुलूस को ले बीडीओ संजीत कुमार सिंह, सीओ जयशंकर पाठक व थाना प्रभारी कन्हैया कुमार यादव पूरे प्रखंड के भ्रमण कर जानकारी जुटाते रहे। वहीं मोहर्रम त्योहार शांति संपन कराने को लेकर मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ दंडाधीकारी की तैनाती की गई थी। वहीं मयूरहंड(चतरा) थाना क्षेत्र में मोहर्रम का पर्व शांति व सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मोहर्रम पर्व के अवसर पर थाना क्षेत्र में विभिन्न अखाडों द्वारा तजिया के साथ जुलूस निकाला गया। ढोढी दुर्गा मंदिर मैदान में मंझगावां, महेशा ढोढी समेत अन्य अखाडों द्वारा निकाला गया तजिया जुलूस का मिलान हुआ। जहां विभिन्न अखाडों के युवाओं द्वारा एक से बढकर एक करतब दिखाया गया। इसके अलावा बन्हा, बेलखोरी, चोरहा, सेवाल, परांसी समेत अन्य स्थानों पर भी तजिया जुलूस निकाला गया। थाना क्षेत्र का भ्रमण कर बीडीओ साकेत कुमार सिन्हा व थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह विधि व्यवस्था का जायजा लेते रहे। सोकी में हिन्दू परिवारों द्वारा भी तजिया उठाया गया जो समाजिक सदभावना को बढावा देने का संदेश है। इस मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार सिंह, समाजसेवी सर्जन दांगी के अलावा सशस्त्र बल जवान शामिल थे।

दो किलो अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। चतरा
नशे के सौदागरों के विरुद्ध पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर शिला ओपी क्षेत्र बिरहू चौक के समीप से वाहन चेकिंग के दौरान स्कूटी से तस्करी कर ले जा रहे अफीम की खेप के साथ दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार तस्करों के पास से 2 किलो अफीम, अफीम फाड़ने में प्रयुक्त 500 ग्राम सफेद पाउडर व एक मोबाईल फोन के आलावे तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को बरामद किया गया है। एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी ने बताया कि तस्कर अफीम खूंटी से ला रहे थे। छापेमारी अभियान में ओपी प्रभारी रामदेव पासवान थे।

नेहरू युवा केंद्र के जिला स्तरीय युवा उत्सव में प्रतियोगिता आयोजित

युवा ही देश और समाज में ला सकते हैं सार्थक बदलाव: प्राचार्य

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार
नेहरू युवा केंद्र (एनवाईके) के तत्वावधान में शुक्रवार को शहर के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य अजय मिश्रा, जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव, सांसद प्रतिनिधि विवेक चंद्रवंशी व एनवाईके की जिला युवा अधिकारी कंचन कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर तथा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पाजंलि कर किया. प्राचार्य अजय मिश्रा ने कहा कि युवाओं को अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझना होगा. उन्होंने कहा कि युवा ही देश व समाज में बदलाव ला सकते हैं. युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगानी चाहिए. नेहरू युवा केंद्र, लातेहार की जिला युवा अधिकारी कंचन कुमारी ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावनाओं का संचार करना है. देश की समृद्ध आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत, संस्कृति और राष्ट्र के मूल्यों को लोगों के बीच लाना एवं उनमें उत्साह उत्पन्न करना है. इसके अलावा युवाओं की प्रतिभाओं को जमीनी स्तर से राष्ट्र स्तर पर निखारने का मौका देना है. उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित प्रथम तीन प्रतिभागियों को नगद राशि एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया. भाषण एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एवं शेष सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा.

कई प्रतिभाओं ने मारी बाजी

जिला स्तरीय युवा उत्सव में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रायना खान, द्वितीय स्थान आयुष चौधरी तथा तृतीय स्थान मुस्कान कुमारी ने प्राप्त किया. कविता लेखन में सोनम कुमारी, जीतेन्द्र उरांव तथा प्रवीण कुमार, चित्रकला प्रतियोगिता में रोशनी कुमारी, कशिश मनोज सिंह, आसिम रजा, फोटोग्राफी प्रतियोगिता में राहुल कुमार, लक्ष्मी कुमारी तथा दिनेश कुमार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विश्रामपुर की टीम, एनएसएस बनवारी साहू कॉलेज व जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया. प्रतियोगिता में निर्णायक मंडली में सेवानिवृत्त प्राचार्य अर्जुन प्रसाद, आशीष टैगोर, ज्योति चौधरी, धर्मेन्द्र जयसवाल, शिक्षिका बबली कुमारी, संतोष पासवान व दशरथ सिंह शामिल थे.

सीआरपीएफ ने लगायी प्रदर्शनी

युवा उत्सव कार्यक्रम में कई विभागों ने प्रदर्शनी लगायी. केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 11 वीं बटालियन ने हथियारों का प्रदर्शन किया. उन्होंने युवाओं को सेना में शामिल होने की प्रक्रियाओं की जानकारी दी. कौशल विकास एवं कृषि विभाग द्वारा भी प्रदर्शनी लगाई गई. कार्यक्रम का मंच संचालन रंजीत यादव ने किया. मौके पर नेहरू युवा केंद्र लातेहार के लेखा एवं कार्यक्रम सहायक रामाशीष चौधरी, रामविलास सिंह, राकेश कुमार, संजय उरांव, मनीष गौतम, रौशन सिंह, अनिल सिंह व राकेश कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस मनाने के लिए कमेटी का हुआ विस्तार

बालूमाथ। आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाने के लिए बालूमाथ प्रखंड के पचपेड़ी ग्राम में बालूमाथ बारियातू और हेरहंझ तीनो प्रखंड के आदिवासी समाज के बुद्धिजीवी लोग बैठक में उपस्थित हुवे। बैठक का संबोधन करते हुवे प्रभु दयाल उराँव, ऐश्वर्य उराँव ,लालजी उराँव सहित कई बुद्धिजीवी लोगों ने अपने मंतव्यों में कहा कि आज आदिवासी समाज का जगह जगह पर शोषण हो रहा है । इसका मुख्य कारण है हम लोगों में जागरूकता की कमी है हम लोग एकजुट नहीं हैं। मौके पर आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाने के लिए सर्वसम्मति से कमेटी के विस्तार की गई ।जिसमें अध्यक्ष -ऐश्वर्य उरांव,सचिव -राजु राम वृक्ष लोहरा कोषाध्यक्ष -रामलाल भगत, उपाध्यक्ष -प्रेम भोक्ता,उपसचिव -रीना उरांव, उपकोषाध्यक्ष लालदेव गंझू, संरक्षण तीनों प्रखंड के सभी मुखिया सहित लालजी उरांव, संदीप उरांव, तेतरा उरांव ,प्रभु दयाल उरांव, किशोर लोहरा निर्मल उरांव, माधो सिंह, प्रेम भोग्ता,शान्तु उरांव को बनाया गया।

संक्षिप्त

जीप उपाध्यक्ष ने नवपदस्थापित उपायुक्त को बुके देकर स्वागत किया

बालूमाथ। लातेहार जीप उपाध्यक्ष अनीता देवी नवनियुक्त लातेहार जिला उपायुक्त हिमांशु मोहन से मिल उन्हें बुके देकर स्वागत किया। शिष्टाचार मुलाकात कर लातेहार जिला का विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया एवं टीम वर्क के रूप में विकास कार्यों का निष्पादन करने की अनुरोध की ।उपायुक्त ने हर संभव कदम से कदम मिलाकर क्षेत्र के विकास करने का आश्वासन दिया।

सर्पदंश से आठ वर्षीय मासूम की मौत, डॉक्टर पर लापरवाही आरोप

कुंदा(चतरा): कुंदा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नवादा पंचायत के कोयता गांव निवासी संतोष यादव के आठ वर्षीय मासूम पुत्र पीयूष कुमार की मौत फनीक सांप के काटने से हो गई। परिजनों के अनुसार मासूम घर के समीप बने चबूतरे पर बैठा था, इसी दौरान विषैले फनिक सांप ने डस लिया, आनन-फानन में प्रतापपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉक्टर पंचम घांसी द्वारा इलाज के दौरान परिजन व पंचायत के मुखिया भरत यादव ने आरोप लगाया है की डॉक्टर द्वारा जब बच्चे की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी गई तो अभद्र व्यवहार के साथ पेश हुए। वही ईलाज के दौरान दो घंटे बीत जाने के बाद जब बच्चे की हालात नाजुक हो गई तो सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां मासूम की मौत हो गई। परिजन पिंटू यादव, कैलाश यादव, गणेश यादव, एवं मुखिया भरत यादव ने उपायुक्त से उक्त मामले की जांच कर डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं जब उक्त मामले को लेकर डॉक्टर घासी से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

रेल ट्रैक के किनारे गड्ढे से वृद्ध व्यक्ति का शव बरामद

चंदवा। थाना क्षेत्र के माल्हन पंचायत अंतर्गत बरकाकाना-बरवाडीह रेल मार्ग के किनारे एक गड्ढे से लगभग पैंसठ वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। शनिवार की अहले सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने शव को गड्ढे में देखा गया इसके बाद सूचना चंदवा पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में कर मृतक का पहचान करने का प्रयास किया पहचान नहीं हो पाने की स्थिति में शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया।

महुआडांड़ में निकाला गया मुहर्रम का जुलूस

महुआडांड़। मोहर्रम इंत्तजामिया कमिटी के जनरल खलीफा लाडले खान और नायब खलीफा शाहजद आलम के नेतृत्व मे शनिवार को पूरे प्रखंड में मोहर्रम का जुलूस शान के साथ निकाला गया। यह जुलूस जरहाटोली से शुरू होकर गुरगुटोली, अम्बोवाटोली, डीपाटोली, महुआडांड़ बिरसा चौक, फुलवार बगीचा, बिरसा मुंडा चौक, रामपुर चौक होते हुए दीपाटोली पहुंची और फिर उसी रास्ते से वापस जरहाटोली पहुंची। जुलूस के दौरान पूरा प्रखंड या अली या हुसैन के नारे से गूंज उठा। इस दौरान जिस ओर से जुलूस गुजर रहा था वहां के स्थानीय लोगों के द्वारा जुलूस के लिए शरबत पानी नाश्ता वगैरह का इंतजाम किया गया था इस मौके पर सभी लोगों को अंजुमन कमेटी व मोहर्रम कमेटी के और से बधाई एवं धन्यवाद दिया गया। जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसडीपीओ राजेश कुजूर के निदेर्शानुसार थाना प्रभारी रत्न टुडू के नेतृत्व में पुलिस बल सभी संवेदनशील चौक चौराहों पर पुलिस बल तैनात थी। मौके पर सदर इमरान खान,सेक्रेट्री मजहर खान, इफ्तेखार अहमद, आजाद अहमद समेत बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी मौजूद थे।

मनिका में निकाला गया मोहर्रम का जुलूस

मनिका: हजरत इमाम हुसैन की शहादत याद में मुस्लिम समुदायों के द्वारा मनाया जाने वाला मोहर्रम शांति, सौहार्द्र व भाईचारे के बीच शनिवार को मनाया गया। प्रखंड क्षेत्र इलाकों से आए हुए हैं जुलूस में काफी संख्या में महिला पुरुष बच्चों के साथ बुजुर्ग लोगों की भी भागीदारी रही। बताते चलें इंतजामिया कमेटी के जेनरल सेक्रेटरी हसीब आलम ने कहा अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को हौसला बढ़ाने के प्रखंड में पहली बार खिलाड़ियों व अच्छे ताजिया बनाने वाले को पुरस्कार वितरण किया जा रहा है। वही सबसे अच्छा ताजिया बनाने वाले को प्रथम पुरस्कार मस्जिद मोहल्ला नामुदाग दूसरा पुरस्कार बाड़ी मस्जिद तीसरा पुरस्कार बरवाडीह सामूहिक तरीके से प्रतिनिधियों के द्वारा प्राइज देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे उपस्थित आरजेडी के भावी प्रत्याशी गिरजानंद सिंह चेरो, जिला परिषद सदस्य बलवंत कुमार सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिमा देवी, पूर्व उप प्रमुख उमेश यादव, जितेंद्र यादव, आरजेडी के वरिष्ठ कार्यकर्ता सतीश यादव, आरजेडी प्रखंड अध्यक्ष रुपेश यादव, पूर्व मुखिया संजय सिंह, जनेरल इमाम अमानुल्लाह अंसारी, कयूम अंसारी, मुनतजीर आलम, सद्दाम अंसारी, रियाज अंसारी, वारिस अंसारी, मेराज अंसारी जेनरल सेक्रेटरी हंसीब आलम, कौशल मियां, इमरान अंसारी, , नजीब अंसारीआदि लोग उपस्थित थे।

बालूमाथ में पिकअप वैन से चोरी के सोलर प्लेट ले जा रहे दो तस्कर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ
पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। एक पिकअप वैन से चोरी के अट्ठारह सोलर प्लेट व 20 प्लास्टिक पाइप समेत दो तस्करों को गिरफ्तार की है। थाना प्रभारी प्रशांत आनंद ने प्रेस वार्ता कर बताया की गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि सोलर प्लेट लदा हुआ पिकअप वैन मुरपा के रास्ते राँची की तरफ जा रही है। सूचना का सत्यापन के लिए एक छापामारी दल का गठन किया गया। जिसमें स्वंय थाना प्रभारी, मुरपा पीकेट प्रभारी मनोज मुर्मू, पारसनाथ प्रसाद, बालूमाथ थाना के एएसआई संजय चौधरी एवं मुरपा पिकेट के जवान शामिल थे। मांरगलोईया के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के क्रम में एक पिकअप वन जेएच 02 एएन को रुकने का इशारा किया गया। पिकअप वैन का ड्राइवर गाड़ी को खड़ी कर भागने लगा। गाड़ी में सवार अन्य चार व्यक्ति भी गाड़ी से उतरकर भागने लगे। पुलिस ने दौड़ाकर 2 लोगों को पकड़ने में सफलता पाई। पिकअप के तलाशी के क्रम में 18 पीस सोलर प्लेट तथा सफेद रंग का 20 प्लास्टिक पाइप बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने बरामद सामान बरही जलमीनार से अवैध तरीके से चोरी कर बेचने के बारे में बताया। गिरफ्तार अभियुक्तों में प्रभु कुमार, उम्र 20 वर्ष, पत्थलगड़ा, चतरा व कोमल गंझू, उम्र 22 वर्ष, सिमरिया, चतरा हैं। फरार अभियुक्तों के नाम और पता सत्यापन कर छापामारी की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि बालूमाथ थाना में कांड संख्या 104/2023, धारा 379,414,34 (आईपीसी) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में थाना प्रभारी के अतिरिक्त एसआई कैलाश बाड़ा, धीरज कुमार, कुबेर साव, नीतीश कुमार मौजूद थे।

जीएम ने किया बरवाडीह रेलवे डिपो का निरीक्षण, दिये निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह
हाजीपुर रेल जोन के जीएम अनुपम शर्मा शनिवार को बरवाडीह रेलवे डिपो के एक दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम को पहुंचे जहां उनकी अगुवाई धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा के द्वारा किया गया . हाजीपुर रेल जोन के जीएम अपने तय कार्यक्रम के तहत बरवाडीह पहुंचे। जहां उनका स्वागत डीआरएम समेत रेलवे के आला अधिकारी और स्टेशन प्रबंधक अनिल कुमार द्विवेदी किया गया . जीएम द्वारा बरवाडीह आरओएच शेड के साथ रनिंग रूम के निरीक्षण किया गया, आरओएच की कुछ खामियों के देख नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को फटकार भी लगाई। साथ ही सुधार करने का निर्देश दिया. इस दौरान उन्होंने आर ओ एच के साथ-साथ रनिंग रूम में काम कर रहे कर्मियों से उनके कार्य और समस्याओं को भी जाना और उसको लेकर कई निर्देश दिये. इस दौरान मौके पर सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता विकास शुक्ला, चोपन के पावर एडीएमई विजय कुमार , आरओएच इंचार्ज जुगनू दास , आरपीएफ इंस्पेक्टर ओम प्रकाश ठाकुर , थार्ड लाइन कंस्ट्रक्शन कंपनी के पीएम सुधीर शुक्ला ,राहुल कुमार बिट्टू , अशोक कुमार पात्र , अभिमान श्रीवास्तव समेत काफी संख्या में हाजीपुर जोन और धनबाद रेल मंडल के अधिकारी मौजूद थे। हाजीपुर रेल जोन के जीएम के निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रखंड के जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर ने मुलाकात की और जीएम का पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया इस दौरान जिप सदस्य के द्वारा जीएम को बरवाडीह प्रखंड से जुड़ी 10 सूत्री मांगों को लेकर मांग पत्र सौंपा गया. जीएम मांग पर कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया।

आस्था | मुस्लिम धर्मावलंबियों ने निकाला भव्य जुलूस

त्याग व बलिदान का त्योहार मुहर्रम संपन्न

चंदवा। प्रतिनिधि
प्रखंड क्षेत्र में त्याग व बलिदान का त्योहार मुहर्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। मुहर्रम के अवसर पर मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा भव्य जुलूस निकाला गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगो ने भाग लिया ।जुलूस में शामिल लोग हाथों में तिरंगा झंडा भी लहराते नजर आए। तिलैयाटाँड़, कामता, शुक्रबाजार,बेलवाही,कुजरी,बोदा आदि जगहों से ताजिया,अखाड़ा, निशान लेकर विभिन्न अखाड़े हरैया स्थित श्रीराम चौक पहुंचे वहाँ से फिर सभी सुभाष चौक मेन रोड होते हुए इंदिरा गांधी चौक पहुंचे जहां विभिन्न अखाड़ो के द्वारा ताजिया के समीप नियाज फातिहा की रश्म अदा की गई ।जुलूस में शामिल लोग या हसन या हुसैन,पत्ता पत्ता फुल फुल या रसूल या रसुल, चमन चमन कली कली या अली या अली,इस्लाम जिंदाबाद आदि नारे लगा रहे थे। लोगों के द्वारा जगह जगह खेल का हैरतअंगेज करतब दिखाया जा रहा था। थाना परिसर में विभिन्न अखाड़ों को किया गया सम्मानित थाना परिसर में पुनि सह थाना प्रभारी बबलु कुमार,बीडीओ सह अंचलाधिकारी विजय कुमार के नेतृत्व में बेहतरीन कारीगरी कर तैयार किये गए ताजियों को पुरुस्कार देकर सम्मानित करने का काम किया गया ।सम्मान समाहरोह में अंजुमन कमिटी शुक्रबाजार की ताजिया को प्रथम पुरस्कार,कामता की ताजिया को द्वितीय पुरुस्कार,मजीद खान शुक्रबाजार के ताजिया को तृतीय पुरुस्कार से नवाजा गया ।मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी रामयश पाठक,वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र वैध, दीपु कुमार सिंहा,कामता पंसस अयुब खान,मोफिल खान,बिनोद कुमार गुड्डु,कॉंग्रेस प्रखंड अध्यक्ष असगर खान,निर्मल भारती,बाबर खान,नौशाद आलम,नसीम स्टार,आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे। मुहर्रम जुलूस के दौरान मुस्तैद दिखी चंदवा पुलिस प्रखंड में मुहर्रम का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पुलिस इंस्पेक्टर बबलु कुमार के नेतृत्व में चंदवा पुलिस मुस्तैद दिखी।

खेल से होता है शारीरिक व मानसिक विकास : शितमोहन

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा
प्रखंड के जमीरा पंचायत के महुआमिलान स्थित देवी मंडप खेल मैदान में शनिवार को फुटबॉल टूनामेंट का उद्घाटन किया गया।

फुटबॉल टूनामेंट के मुख्य अतिथि झामुमो जिला उपाध्यक्ष सितमोहन मुंडा ने फुटबॉल को किक मारकर मैच का उद्धघाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शितमोहन मुंडा ने कहा कि खेल से मानसिक व शारिरिक विकास होता है युवा खेल में भी बेहतर प्रदर्शन कर अपना भविष्य बना सकते हैं।आज सैकड़ों ऐसे खिलाड़ी हैं जो छोटे छोटे गांव से निकलकर आज विश्व स्तर पर अपना और देश का नाम रौशन कर रहे हैं। मौके पर समाजसेवी सह युवा नेता ब्रह्मदेव प्रजापति,बरन भोक्ता,जयप्रकाश कुमार आयोजक समिति के अध्यक्ष सुनील ठाकुर,राजेश यादव, आशीष सिंह,देवकुमार सिंह,रविंदर यादव,अमृत प्रजापति,बालक यादव,मोहन यादव,रविंदर यादव,कुश कुमार समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

त्याग व बलिदान का त्योहार मुहर्रम पर हुआ मेला का आयोजन

मुस्लिम धर्मावलम्बियों ने ताजिया एवं बाजे गाजे के साथ निकाला मुहर्रम का जुलूस

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा-लोहरदगा
त्याग और बलिदान का पर्व मोहर्रम को लेकर सेन्हा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित हुआ मेला शनिवार को ताजिया व बाजे गाजे के साथ निकाला गया जुलूस. सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के भड़गांव,उगरा एवं डांडू में मुहर्रम त्यौहार को लेकर मेला का आयोजन किया गया.जहां सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस प्रशासन दण्डधिकारी के साथ तैनात रहे। विदित हो कि त्याग और बलिदान का त्यौहार मुहर्रम के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में ताजिया के साथ जुलूस निकाला गया।

इस दौरान या अली या हुसैन के नारों से इलाका गूंज उठा मुहर्रम जुलूस में इस्लाम धर्मावलंबियों के साथ साथ विभिन्न धर्म के लोग भी शामिल हुए.जबकि मेला स्थल पर जुलूस पहुंचते ही बने अखाड़ा में लोगो ने तलवार, भाला, गड़ासा,लाठी सहित विभिन प्रकार के पारम्परिक हथियार से कई तरह का खेल करतब दिखाया और वही बताया जाता है. कि हजरत इमाम हुसैन अपने परिवार के साथ कर्बला के मैदान में शहीद हो गए थे. लेकिन झूठ के आगे अपने सिर नहीं झुकाया इस्लाम को मानने वाले लोग हजरत इमाम हुसैन के याद में जुलूस के साथ मैदान-ए-जंग का दृश्य बड़े ही आकर्षक और अनोखे अंदाज में पेश किया.सभी अखाड़ा कमेटियों का मिलन भड़गांव मेला मैदान में हुआ.आयोजित मेला के दौरान बच्चों में काफी उत्साह देखा गया. जो झूला,मिठाई गुब्बारे खरीद अपनी खुशी का इजहार कर रहा था.जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक इंतजाम थाना प्रभारी अभिनव कुमार द्वारा डीएसपी परमेश्वर प्रसाद पुलिस इंस्पेक्टर बनारसी प्रसाद एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा के नेतृत्व में किया गया था. जबकि गस्ती के दौरान एस आई गणेश कुमार यादव एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी शस्त्र बल के साथ शांति व्यवस्था बनाने में लगे हुए थे.वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी मेला स्थल पर तैनात हो पुलिस पदाधिकारी को दिशा निर्देश एवं जायजा लेते नजर आए।

लोहरदगा में धूमधाम से निकली मुहर्रमी जुलूस, सुरक्षा का रहा ठोस प्रबंध

नवीन मेल संवाददाता ।लोहरदगा
जिले में शनिवार को अंजुमन इस्लामियां व सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के अगुवाई में मुहर्रम की दशमी पर जोशोखरोश के साथ जुलूस निकाली गई। इससे पूर्व बीते कई दिनों से मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा अपने अपने अखाड़ों में ढोल ताशे बजाए जा रहे थे। सप्तमी से ही अलग अलग जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे। इस वर्ष परंपरानुसार विभिन्न मुहर्रमी अखाड़े अपने अपने अखाड़ों से ताजिया और इस्लामी झंडो के साथ परंपरागत हथियारों के खेल की नुमाईस करते भी दिखे। इस क्रम में नारे तकबीर अल्लाह हू अकबर, या अली, या हुसैन के नारे बुलंद किए गए। जुलूस में विभिन्न अखाड़ों के सदस्य ढोल ताशा भी बजाते नजर आए। इस क्रम में अंजुमन के सदर हाजी अफसर कुरैशी, सेक्रेट्री सफदर आलम सहित अन्य पदाधिकारी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। वहीं दूसरी ओर त्योहार को लेकर जिला प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक दिन पूर्व से ही जगह-जगह पर तैनात दिख रहे थे। जुलूस शहर के

थाना चौकी स्थित जामा मस्जिद से शुरू होकर चंद्रशेखर आजाद चौक, गुदरी बाजार, शास्त्री चौक, थाना चौक, महात्मा गांधी रोड, न्यू रोड, सुभाष चौक होते हुए सोमवार बाजार पहुंचा। जहां अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इससे पूर्व बनाए गए बड़ी ताजिया को शांतिपूर्वक ढंग से नवमी पर बीती रात थाना टोली से चंद्रशेखर आजाद चौक स्थित इमामबाड़ा ले जाया गया। यहां ताजिया रखने के बाद फातिया ख्वानी भी की गई। इधर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह, नगर परिषद पदाधिकारी देवेंद्र कुमार, सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव, एसआई सनी कुमार, अली अख्तर, संतोष यादव सहित अन्य गस्ती लगाते रहे। इसके अलावा भी सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरा और ड्रोन के माध्यम से भीड़ पर नजर रखी गई।

अली या हुसैन के नारों के बीच कुडू में शांतिपूर्ण वातावरण में मुहर्रम संपन्न

नवीन मेल संवाददाता। कुडू-लोहरदगा
त्याग, बलिदान, मातम और सच्चाई का पर्व मुहर्रम कुडू सहित प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर शनिवार की देर शाम अमन चैन के साथ संपन्न हो गया। कुडू प्रखंड के क्षेत्र के पंडरा, लावागाई, जिमा, चंडू, चिरी सहित दर्जनों गांव के लोगों द्वारा जुलूस निकाला गया जो अपने-अपने गांवों में घूमकर खेल प्रदर्शन किया। प्रखंड के विभिन्न गांव से आये हुए मुहर्रम जुलुश का मिलन कुडू ब्लाक मोड़ में किया गया। इस दौरान पूरा क्षेत्र या अली या हुसैन के नारो से गूंजता रहा। मिलन के बाद सभी अखाड़े के सदस्यों ने कुडू इंदिरा गाँधी चौक

पहुँच लाठी-डंडे और पारंपरिक हथियार के साथ हैरतअंगेज खेल का प्रदर्शन किया। सफल रहे प्रतिभागियों को सीओ प्रवीण कुमार सिंह, बीडीओ मनोरंजन कुमार, थाना प्रभारी विश्वजित कुमार सिंह, सद्भावना मंच के सलीम अमीर, आजसू जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भारती, स्थानीय संवाददाता ओमप्रकाश साहू, रवि कुमार, नंदलाल तिवारी आदि ने पुरुष्कार देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व कमिट की ओर से सभी अतिथियों की पगडिपोषी की गई। पुलिस प्रशासन ने अंजुमन इस्लामिया कुडू के लोगों को शांतिपूर्ण वातावरण में मुहर्रम का त्यौहार संपन्न कराने के लिए धन्यवाद दिया। ततपश्चात सभी अखाड़े पंडरा और चंडू कर्बला के लिए रवाना हुए। प्रखंड के पंडरा, चंडू आदि स्थानों पर पर मेले का आयोजन हुआ। जिसमें बच्चें के अलावा युवक, युवतियां, बड़े, बूढे आदि शरीक हुए। मुहर्रम में शांति व्यवस्था के मद्देनजर दंडाधिकारियों के साथ भारी संख्या में पुलिस बल व पुलिस पदाधिकारी तैनात रहे। इंदिरा गाँधी चौक में पुरुष्कार वितरण के मौके पर इस्माइल खलीफा, आसिफ अमीर मन्नू, सब्बीर अंसारी, अरशद खान, कलाम खान, आरजू खान, शाहरुख खान, तफसीर आलम, दानिश अहमद लाला, साजिद अहमद सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एक दिवसीय कराटे बेल्ट सर्टिफिकेट वितरण समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
एस.एस स्पोट्र्स कराटे एसोसिएशन एवं लोहरदगा जिला कराटे संघ के तत्वाधान में स्काई अप पब्लिक स्कूल कुम्हरिया भंडरा में एक दिवसीय बेल्ट सर्टिफिकेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें रेंसी श्रवण साहू ब्लैक बेस्ट छठवीं डॉन एवं सेंसी सूर्यावती देवी ब्लैक बेल्ट तृतीय डॉन के द्वारा कराटे कारों को बेल्ट और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया इनका ग्रेडिंग 2 जुलाई को लिया गया था. जिसमें सफल कराटे कारों को यह सर्टिफिकेट और बेल्ट दिया गया जिसमें ग्रीन से ब्लू बेल्ट किरण उरांव ,नैना कुमारी ,रूबी कुमारी ,प्रिया कुमारी, साक्षी उरांव ,संजीत उरांव ऑरेंज ग्रीन बेल्ट लक्ष्य कुमार मोदी ,अनुज कुमार साहू, प्रियांशी कुमारी ,सृष्टि कुमारी ,अंजली

कुमारी,एलौ ऑरेंज बेल्ट पूनम कुमारी, ध्रुव कुमार मोदी, नैतिक कुमार साहू, रोशन साहू, वाइट से यलौ बेल्ट दीपिका रानी, कंचन रानी ,जयकरण साहू ,अंशु कुमारी, तनु कुमारी ,प्रीति कुमारी ,शिव कुमार साहू, प्रिंस कुमार, आयुश राज, औरओम प्रकाश साहू इस मौके पर विशेष रूप से विद्यालय के प्रिंसिपल पारसनाथ मिश्रा शिक्षक सुनील उरांव प्रभात उरांव संध्या कुमारी, सुमन केरकेट्टा, डिंपी कुमारी , बिंदुरा सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

संक्षिप्त

झारखण्डी जनता के जन भावना को छलने का काम कर रही हेमंत सरकारः राजू गुप्ता

लोहरदगा। आजसू केंद्रीय सदस्य राजू गुप्ता ने बयान जारी कर कहा कि विधान सभा सत्र मे महामहिम राज्यपाल के द्वारा त्रुटिपूर्ण खतियान आधारित नियोजन, स्थानीय निती व पिछड़ी जाति को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के बिधेयक को पुनः हेमंत सोरेन सरकार सत्र में लाने की तैयारी कर रही है। सच्चाई यही है कि सरकार चाहती ही नहीं है कि विधेयक राज्य में लागू हो। सबसे पहले राजभवन से वापस विधेयक को सर्वदलीय बैठक बुलाकर व महाधिवक्ता से सलाह ले कर त्रुटियों को सुधार कर बिधान सभा सत्र मे जनहित मामले को चर्चा में लाये। मगर इन्हें ये विधेयकों को स्वीकृत कराना ही नही हैं। केवल नौटंकी ड्रामा कर जनता को गुमराह करने व बरगलाने के अलावा कुछ भी नहीं है। सरकार का अन्तिम समय चल रहा है। इसी मुद्दे पर सवार होकर चुनावी बैतरनी पार करने की दिवा स्वप्न देख रहे है। जनता को मुर्ख बहुत बनाया। कभी 60-40 का मुद्दा बनाया, कभी खतियान अधारित नियोजन निती बन ही नहीं सकता, कभी आरक्षण का मुद्दा, कभी सरना धर्म कोड, कभी साढ़े तीन लाख का आवास, कभी डिजल पेट्रोल मे सब्सिडी, कभी 100 युनिट तक बिजली मुफ्त, मॉव लिचींग के लिए कठोर कानून। अपने चुनावी घोषणा पत्र का एक भी घोषणा को अपने अन्तिम समय तक लागू नहीं किया। झारखंडी जनता इनके असली चेहरा को पहचान गयी है। अगामी लोक सभा व विधानसभा चुनाव में हेमन्त सरकार को सबक सिखाने का मन बना लिया है ।लुट झुठ भ्रष्टाचार मे संलिप्त युपीए सरकार पुनः सत्ता में वापसी करने का सपना देखना बन्द कर दे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बालक की मौत, परिजनों की पिटाई से चालक की मौत

किस्को/लोहरदगाः बगडू थाना क्षेत्र के अरेया गांव में खेत में हल चला रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक बच्चे की मौत हो गई है। वहीं आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक की पीट पीट कर हत्या कर दी है। घटना स्थल पर पहुंच कर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार 15 वर्षीय नाबालिग ट्रैक्टर चालक विशाल कुमार लक्ष्मण साहू का खेत जोत रहा था। इसी दौरान वहां मौजूद नीरज कुमार का तीन वर्षीय बेटा श्रेयांश ट्रैक्टर के हल की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूत्रों की माने तो घटना से आक्रोशित मृत बालक के परिजनों व स्थानीय लोगों द्वारा ट्रैक्टर चालक विशाल की जमकर धुनाई कर दी गई और मौत हो जाने पर उसे ट्रैक्टर के रोटावेटर के नीचे डाल कर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई है। घटनास्थल पर पहुंचे बगडू थाना प्रभारी पंकज कुमार शर्मा पूरी मामले की पड़ताल व कार्रवाई मे जूट गए हैं।

कार के पलटने से दो महिलाएं हुई घायल

चैनपुर। थाना क्षेत्र के डहुडड़गांव के समीप एक कार गाड़ी जेएच 01 बीआर 1623 अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें सवार रांची निवासी डॉ नेहा केशरी एवं आभा केशरी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना शनिवार लगभग बारह बजे की है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी में कुल चार लोग रांची से बाबा टांगीनाथ धाम दर्शन के लिए जा रहे थे तभी डहुडड़गांव नहर के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें दो महिलाएं घायल हो गई। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही चैनपुर एस डी ओ रवि जैन बीडीओ डा शिशिर कुमार सिंह एवं सीओ गौतम कुमार सहित चैनपुर पुलिस मौके पर पंहुच कर दोनों घायल महिलाओं को चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंहुचाया जहां उनका इलाज जारी है।

नाबालिग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

चैनपुर। थाना क्षेत्र के किरतो टोली में एक नाबालिग लड़का गौतम बाड़ा पिता स्वर्गीय बाबुलाल बाड़ा उम्र 17 वर्ष ने अपने घर में दुप्पटे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना शनिवार की है इधर घटना के संबंध में मृतक के भाई अमोद बाड़ा ने बताया कि उसके एक बड़े भाई की कुछ महीने पहले हो गई थी जिसके बाद से वो डिप्रेशन में चला गया था और मानसिक रूप से बीमार रहने लगा था।
वहीं मृतक की मां ने बताया वह सुबह अपने कमरे में आराम कर रहा था और मैं घर के पीछे कपड़ा धो रही थी जब मैं वापस लौटी तो देखा कि घर में लगे कोरो में उसने दुपट्टा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है इधर घटना के बाद थाने को सूचना दी गई जिसके बाद चैनपुर थाना के एस आई मुकेश कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया और मामले की छानबीन में जुटी है.

पुलिस ने सामाजिक बुराईयों को लेकर चलाया जागरुकता अभियान

नवीन मेल संवाददाता। चैनपुर
पुलिस के द्वारा आरसी मध्य विद्यालय मालम नवाटोली में जोहार कोप के तहत स्कूली छात्राओं के बीच सामाजिक बुराईयों को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित चैनपुर थाना से एस आइ आलोक कुमार ने जोहार कोप के तहत सामुदायिक पुलिसिंग के रूप में उपस्थित छात्राओं को अंधविश्वास, नशापान,डायन बिसाही बाल विवाह ,मानव तस्करी जैसे कुरितीयो के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए जागरूक रहने की बात कही उन्होंने आगे बताया कि आप सभी लोग अपने शिक्षित होने का

फायदा उठाएं बुरी संगत में न रहे एवं अपने गांव घरों में लोगों को भी जागरूक करने का प्रयास करे। वहीं अभी बरसात का मौसम है बारिश के साथ साथ वज्रपात भी होती है इसलिए आप वज्रपात होने पर हमेशा सुरक्षित स्थानों पर रहे पेड़ के नीचे न रहे वहीं अभी बरसात के मौसम में सांपों का भी कहर जारी है अगर आपके आस पास के लोगों को अगर सांप काट लेता है तो आप उसे तुरंत अस्पताल ले जाए झाड़ फूंक जैसे अंधविश्वास पर बिल्कुल भी ध्यान न दें वही उन्होंने साइबर क्राईम में होने वाले फ्रोड के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई इस मौके पर मुख्य रूप से विधालय के शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित थे।

लोहरदगा उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई

दो अवैध शराब कारोबारी गिरफ्तार 15 लीटर अवैध देसी शराब जप्त

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
मोहर्रम त्यौहार और राजस्व बढ़ोतरी को लेकर जिला उत्पाद निरीक्षक अनिल कुमार शर्मा एवं पुलिस अवर निरीक्षक राजकुमार महतो की अगुवाई में शहरी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों पर सघन छापामारी अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 15 लीटर अवैध शराब जप्त कर दो आरोपियों की गिरफ्तारी की गयी। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस संदर्भ में जिला उत्पाद अधीक्षक अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि, छापामारी में होटल, बार, रेस्टोरेंट्स, ढाबा समेत

अन्य अवैध शराब बिकने वाले संभावित ठिकानों की तलाशी ली गयी। उत्पाद विभाग और पुलिस की टीम ने शहरी क्षेत्र के तिवारी दुरा इलाके से बबलू महतो को अवैध शराब के कारोबार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी के यहां से छापामारी में लगभग 10 लीटर अवैध देसी शराब जब किया गया। जबकि कृषि बाजार के निकट स्थित बंटी होटल में छापामारी करने पर लगभग 5 लीटर अवैध देसी शराब जब किया गया। होटल संचालक नीरज राम वर्मा को गिरफ्तार कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस संदर्भ में जिला उत्पाद अधीक्षक अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब का कारोबार करने की शिकायत मिल रही थी। अवैध शराब के कारण सरकार को होने वाले राजस्व की क्षति को रोकने के लिए उत्पाद विभाग लगातार छापामारी अभियान चला रहा है। कहा कि, लोहरदगा में अवैध शराब के कारोबारियों को किसी हाल पर बख्शा नहीं जाएगा।

संकट सुखाड़ का असर, टांड़ में की गयी खेती भी हो रही है बर्बाद

सूखे की मार ने बढ़ायी क्षेत्र के किसानों की परेशानी

कुलदीप कच्छप

भंडरा /लोहरदगा। मॉनसून की बेरुखी का असर क्षेत्र में पड़ने लगा है। किसान फसल की उपज की तरफ से उदास हो गए हैं। उन्हें अब ऐसा लग रहा है कि इस बार खेती से आमदनी होना नहीं है। सूखे की मार से टाड़ खेती भी बर्बाद हो रहा है। टाड़ खेतों में लगा मकई, मूंगफली, मडुवा सहित अन्य फसल भी खराब होने लगा है ।किसानों के अनुसार अभी तक धान रोपनी पूरा हो जाना चाहिए था। परंतु धान रोपनी के काम क्षेत्र में अभी 5 फिसदी भी नहीं हुआ है । जबकि बोए गए बीड़ा के अनुसार धान रोपने के समय समाप्त हो रहा है। किसान खेतों में बीड़ा डाल चुके थे ।परंतु डाले गए बीड़ा के समय

के अनुसार बारिश नहीं होने के कारण धान की रोपनी नहीं हो सकी । अब बीड़ा खराब होने लगा है। हाल के दिनों तक किसान धान की खेती से उपज होने की आशा रख रहे थे परंतु अब बारिश नहीं होने से टाड की खेती से भी किसानों को फसल मिलने की उम्मीद नहीं है। ऐसी परिस्थिति में किसानों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। किसान अपना घर का पूंजी एवं बैंक ऋण की पूंजी खेती में डाल चुके हैं। मानसून की बेरुखी के कारण उन्हें खेतों से उपज मिलना संभव नहीं लग रहा है।
मानसून की बेरुखी के कारण लोगों को अपना घर परिवार चलाना मुश्किल लग रहा है ।लोग घर छोड़कर पलायन की सोचने लगे। लोगों का मानना है कि किसानों को खेती से उपज नहीं मिली ऐसी परिस्थिति में उन्हें अब रोजगार के लिए पलायन करना ही पड़ेगा। मजदूरों को ईटा भट्ठा सहित अन्य कामों के लिए ले जाने वाले सरदार क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं।

सोयाबीन व धान का रकबा बढ़ा

अरहर, मूंगफली और कपास का घटा

एजेंसी। नई दिल्ली

सप्ताह खरीफ फसलों की बोआई पिछड़ गई। खरीफ फसलों की बोआई में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, जबकि पिछले सप्ताह तक इन फसलों का रकबा बढ़ा था। दलहन फसलों की बोआई कम होने के कारण बोआई पिछड़ रही है। इस सप्ताह तक दलहन फसलों का रकबा करीब 11 फीसदी घटा है। खरीफ सीजन की प्रमुख फसल धान के रकबा में बढोतरी दर्ज की गई। मोटे अनाज, तिलहन और गन्ने का रकबा भी बढ़ा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 28 जुलाई को समाप्त सप्ताह तक 830.31 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बोआई हो चुकी है, जो पिछली समान अवधि के 832.82 लाख हेक्टेयर से 0.30 फीसदी कम है। खरीफ सीजन की सबसे बड़ी फसल धान 237.58 लाख हेक्टेयर में बोई जा चुकी है, पिछली समान अवधि में यह आंकड़ा 233.25 लाख हेक्टेयर था। इस तरह धान की बोआई में करीब 2 फीसदी इजाफा हुआ है। गन्ने का रकबा 2.7 फीसदी बढ़कर 56 लाख हेक्टेयर,जबकि कपास का रकबा एक फीसदी गिरकर 116.75 लाख हेक्टेयर रहा। इस सप्ताह तक 96.84 लाख हेक्टेयर में दलहन फसलों की बोआई हो चुकी है, जो पिछली समान अवधि की बोआई 109.15 लाख हेक्टेयर से 11.3 फीसदी कम है। अरहर का रकबा 16 फीसदी घटकर 31.51 लाख हेक्टेयर, मूंग का रकबा 7.2 फीसदी घटकर 27.64 लाख हेक्टेयर और उड़द का रकबा 14.1 फीसदी घटकर 25.83 लाख हेक्टेयर रहा। इस सप्ताह तिलहन फसलों की बोआई ज्यादा हुई। 28 जुलाई तक 171.02 लाख हेक्टेयर में तिलहन फसलों की बोआई हो चुकी है, जो पिछली समान अवधि की 167.61 लाख हेक्टेयर में हुई बोआई से 2 फीसदी अधिक है। खरीफ सीजन की प्रमुख तिलहन फसल सोयाबीन का रकबा 3.7 फीसदी बढ़कर 119.91 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया। तिल की बोआई भी मामूली बढ़कर 10.7 लाख हेक्टेयर रही। हालांकि खरीफ सीजन की दूसरी प्रमुख तिलहन फसल मूंगफली का रकबा 2.6 फीसदी घटकर 37.58 लाख हेक्टेयर रह गया।

चीनी कंपनी हायर के दफ्तरों पर आयकर का छापा

प्रमोटरों के कई ठिकानों की भी तलाशी जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

चीन की होम अप्लायंसेज कंपनी हायर के कार्यालयों में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने छापेमारी की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के मुंबई, पुणे और नोएडा ऑफिस में छापेमारी चल रही है। इसके साथ ही कंपनी के प्रमोटरों के परिसरों की तलाशी भी ली जा रही है। कंपनी और इसके प्रमोटरों पर इनकम और रॉयल्टी पेमेंट की पूरी जानकारी नहीं देने और कर की चोरी करने का आरोप है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। एक अधिकारी ने बताया, 'यह छापेमारी आय कम बताने और रॉयल्टी भुगतान में गड़बड़ी से संबंधित है।' उन्होंने कहा कि 28 जुलाई को शुरू हुआ तलाशी अभियान खत्म होने के बाद

इस बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। सूत्रों ने बताया कि तलाशी अभियान देर शाम तक जारी रहा और टैक्स अधिकारी एक और दिन तक तलाशी जारी रख सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि टीम बुक्स की जांच कर रही है और आगे की जांच के लिए लैपटॉप और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड कलेक्ट किए हैं। टैक्स अधिकारी रॉयल्टी भुगतान के नाम पर टैक्स चोरी पर कड़ी नजर रख रहे हैं। खासकर चीनी कंपनियों पर नजर रखी जा रही है।

31 जुलाई तक भर दें इनकम टैक्स रिटर्न, नहीं तो होगा नुकसान

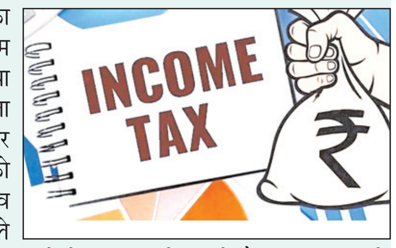

नई दिल्ली। जुलाई का महीना अब अपने अंतिम पड़ाव पर है और नया महीना अगस्त आने वाला है। दरअसल देश हर महीने की एक तारीख को कई नियमों में बदलाव होते हैं। ऐसे में आने वाले महीने अगस्त में भी कई नियमों में बदलाव हो सकते हैं। एक अगस्त से कई नियम बदल जाएंगे जिसका सीधा असर आम आदमी यानी आपकी जेब पर होगा। ऐसे आपके भी कुछ जरूरी काम बचे हैं तो उसे 31 जुलाई से निपटा लें। ऐसे न करने पर आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। ऐसे में अगर आपने अभी तक अपना आईटीआर फाइल नहीं किया है तो जल्द से अपना रिटर्न दाखिल कर लें। क्योंकि एक अगस्त से पेनाल्टी देकर ही आप इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। एक जुलाई से ट्रैफिक से जुड़े नियमों बड़ा बदलाव होना जा रहा है। एक जुलाई से ड्राइविंग लाइसेंस और इंश्योरेंस के बिना गाड़ी चलाने वालों को 5-5 हजार रुपये का जुमार्ना देना पड़ सकता है। वहीं ड्रंक एंड ड्राइव यानी नशे में गाड़ी चलाने वालों को जुमार्ने के साथ-साथ 6 महीने जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (रइक) की अमृत कलश स्कीम में निवेश करने की अंतिम तारीख 15 अगस्त 2023 है।

पावरग्रिड के निदेशक मंडल ने बॉन्ड के जरिए 5,700 करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल ने चालू वित्त वर्ष में बॉन्ड के जरिए विभिन्न किस्तों में 5,700 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने बयान में बताया कि जुटाए गए धन का उपयोग पूंजीगत व्यय, पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों/ संयुक्त उपक्रमों को कर्ज देने और आम कॉरपोरेट जरूरतों के लिए किया जाएगा। बयान के अनुसार यह मार्च 2034 तक चार परिचालन एसपीवी (विशेष प्रयोजन वाहन)- पावरग्रिड भुज ट्रांसमिशन, पावरग्रिड खेतड़ी ट्रांसमिशन सिस्टम, पावरग्रिड मेदिनीपुर जीरात ट्रांसमिशन सिस्टम और पावरग्रिड वाराणसी ट्रांसमिशन सिस्टम के नकदी प्रवाह के प्रतिभूतिकरण द्वारा किया जाएगा। कंपनी पहली किस्त में 500 करोड़ रुपए जुटाएगी और 'ग्रीन शू' विकल्प के तहत अतिरिक्त 1,400 करोड़ रुपए जुटा सकती है।

गैर-बासमती चावल के बाद अब चावल की भूसी पर भी बैन करेगी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने गैर-बासमती चावल के बाद अब तेल रहित चावल की भूसी पर भी बैन लगाने का फैसला किया है। सरकार ने यह रोक 30 नवंबर, 2023 तक के लिए लगाया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड के द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी दी गई है। ध्यान देने वाली बात ये है कि भारत विश्व में तेल रहित चावल की भूसी का निर्यात करने वाला बड़ा देश है। भारत हर साल 10 लाख टन से अधिक चारे को विदेशों में निर्यात करता है। ऐसे में सरकार के इस फैसले का असर दुनियाभर पर पड़ेगा। तेल रहित चावल की भूसी का इस्तेमाल आमतौर पर जानवरों के चारे के लिए किया जाता है। इसके अलावा इसका इस्तेमाल शराब बनाने के लिए और कई बीमारियों की दवाई जैसे कोलेस्ट्रॉल,दिल, मोटापे, उच्च रक्तचाप आदि के इलाज के लिए किया जाता है। गौरतलब है कि भारत में पिछले कुछ महीनों में दूध के दामों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है।

हिंडनबर्ग आरोपों की स्वतंत्र रूप से कोई जांच नहीं करेगी एसीसी

एजेंसी। नई दिल्ली

सीमेंट बनाने वाली कंपनी एसीसी लिमिटेड ने कहा कि वह अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों को लेकर स्वतंत्र रूप से कोई जांच नहीं करेगी। एसीसी अब अडानी समूह का हिस्सा है। एसीसी सीमेंट ने अपनी पहली तिमाही के परिणामों की घोषणा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अडाणी समूह पहले ही स्वतंत्र रूप से काम करने वाली विधि कंपनियों से समीक्षा करवा चुकी है। उनकी राय से स्पष्ट हो गया कि कंपनी लागू कानूनों व विनियमों का पालन कर रही है। कंपनी ने कहा, इसलिए नियामक जांच के आ चुके तथा लंबित परिणाम और संबंधित कार्यवाही को ध्यान में रखते हुए इसमें अलग से कोई स्वतंत्र जांच नहीं कराने का फैसला किया गया है। वित्तीय परिणामों में इस संबंध में कोई समायोजन नहीं किया गया है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अडानी पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी करने और खातों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। साथ ही अमेरिकी कंपनी ने फर्जी कंपनियों के जरिए धन के गुपु-चुप लेनदेन का भी आरोप लगाया था। रिपोर्ट आने के बाद समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्य सबसे निचले स्तर पर 150 अरब डॉलर से भी नीचे पहुंच गया था और अडानी को सबसे अमीर भारतीय होने का तमगा खोना पड़ा था।

'चिप डिजाइनिंग के लिए सात भारतीय स्टार्टअप को मंजूरी'

एजेंसी। बेंगलुरु

सरकार का लक्ष्य अगले 10 साल में वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में मजबूत और प्रतिस्पर्धी उपस्थिति दर्ज कराना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को बताया कि इस दिशा में पहल करते हुए अब तक सात चिप डिजाइन स्टार्टअप के लिए वित्त पोषण और सहायता मंजूर की गई है। 'सेमीकॉन इंडिया 2023' के दूसरे दिन अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, अब तक सात चिप

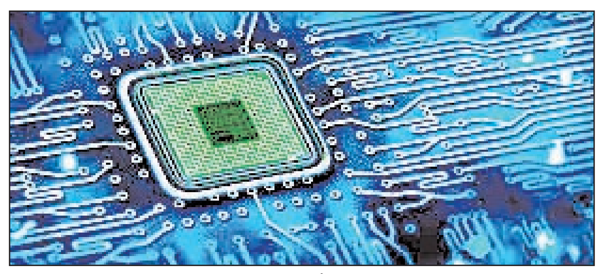

डिजाइन स्टार्टअप को उनके उत्पादों को विकसित करने में फंडिंग और सहायता के लिए मंजूरी दी गई है। यह पहल लगातार विश्वास और समर्थन प्राप्त कर रही है। यह स्टार्टअप के लिए गहरी तकनीक और सेमीकंडक्टर डिजाइन में उतरने का एक अपेक्षाकृत नया अवसर है। चंद्रशेखर ने कहा, सरकार ने एक डिजिटल इंडिया आरआईएससी-वी कार्यक्रम (डीआईआर-वी) लॉन्च किया है और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास बड़ी संख्या में स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन सेंटर आरआईएससी-वी के भविष्य और इसके द्वारा संचालित उपकरणों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सम्मेलन के दूसरे दिन, सीडीएसी ने आर्म फ्लेक्सिबल एक्सेस फॉर स्टार्टअप्स कार्यक्रम के माध्यम से देश में सेमीकंडक्टर स्टार्टअप को सशक्त बनाने के लिए दुनिया की अग्रणी सेमीकंडक्टर आईपी कंपनी आर्म के साथ साझेदारी की घोषणा की। आर्म इंडिया के अध्यक्ष गुरु गणेशन ने कहा, इनोवेटिव सिलिकॉन स्टार्टअप सेमीकंडक्टर उद्योग के भविष्य को आगे बढ़ाएंगे क्योंकि वे एआई से लेकर स्वायत्त वाहनों और आईओटी तक के क्षेत्रों में जीवन बदलने वाली नई तकनीक विकसित करेंगे।

विदेश

चांद की ओर बढ़ रहा भारत का स्पेसक्राफ्ट

वाशिंगटन। भारत का चंद्रयान-3 स्पेसक्राफ्ट चांद के अपने मिशन पर है। अभी तक चंद्रयान अपनी स्पीड को बढ़ाने के लिए पृथ्वी का चक्कर लगा रहा था। लेकिन अब यह चांद के अपने रास्ते पर सीधे जा रहा है। स्पेस से जुड़ी घटनाओं पर नजर रखने वाले लोग चंद्रयान-3 को ट्रैक कर रहे हैं। अंतरिक्ष यान अब 1 अगस्त को ट्रांसलूनर इंजेक्शन से गुजरने के लिए पूरी तरह तैयार है। लैंडर और रोवर के 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उतरने की उम्मीद है। वहीं, प्रपल्शन मॉड्यूल कम्युनिकेशन रिले के लिए चंद्रमा की कक्षा में रहेगा और पृथ्वी पर वापस डेटा भेजेगा। 20 जुलाई को चंद्रयान-3 ने अपना चौथा ऑर्बिट मैन्यूवर पूरा किया। इसके बाद जर्मनी स्थित अमेचर (शौकिया) रेडियो सैटेलाइट संगठन अटरअळ-उ्छ ने जेट प्रोप्लशन लेबोरेटरी होराइजन्स डेटा का उपयोग करके अंतरिक्ष यान को ट्रैक किया। स्कॉट टिली जो खुद को एक शौकिया खगोलशास्त्री बताते हैं का कहना है कि वह चंद्रयान को ट्रैक कर रहे हैं।

सावधान! धरती पर तेजी से गिर रहा ब्रिटेन का एयोलस सैटेलाइट

एजेंसी। लंदन

पृथ्वी पर ब्रिटेन का एक सैटेलाइट क्रैश होने वाला है। यह सैटेलाइट पहले ही पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर चुका है। अगले कुछ घंटों में यह सैटेलाइट पृथ्वी पर गिरकर नष्ट हो जाएगा। इसका नाम एयोलस बताया जा रहा है, जिसे यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने पांच साल पहले लॉन्च किया था। इस सैटेलाइट को जानबूझकर पृथ्वी पर गिराया जा रहा है, जिसकी हर पल की निगरानी की जा रही है। संभावना है कि यह सैटेलाइट अटलांटिक महासागर में गिरकर नष्ट हो जाएगा। एओलस सैटेलाइट ने 2018 से यूरोप भर के मौसम केंद्रों को जरूरी डेटा प्रदान किया है। अब यह सैटेलाइट बेकार हो चुका है। ऐसे में अंतरिक्ष कचरे

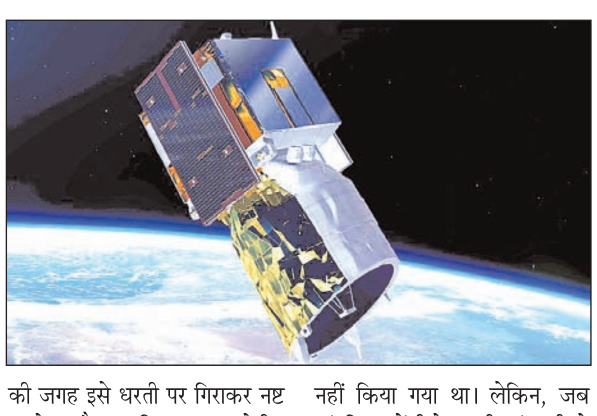

की जगह इसे धरती पर गिराकर नष्ट करने का फैसला किया गया। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष मलबा कार्यालय ने बताया कि एलोयस सैटेलाइट वायुमंडल में प्रवेश कर चुका है। एओलस को अपने मिशन के अंत में नियंत्रित तरीके से पृथ्वी पर गिरकर नष्ट करने के लिए डिजाइन नहीं किया गया था। लेकिन, जब अंतरिक्ष एजेंसी ने इसकी जांच की तो उसे सैटेलाइट में थोड़ा सा ईंधन बचा हुई मिला। वैज्ञानिकों ने इसी ईंधन का इस्तेमाल धरती की कक्षा में सैटेलाइट को फिर से प्रवेश कराने के लिए किया। इसके बाद बचा हुआ काम धरती के गुरुत्वाकर्षण ने कर दिया। हालांकि, इस बात का ध्यान रखा गया कि यह सैटेलाइट ऐसी जगह पर क्रैश हो, जहां कोई जनहानि न हो। सामान्य परिस्थितियों में एओलस उपग्रह का अधिकतर हिस्सा पृथ्वी के वायुमंडल में जलकर नष्ट हो जाएगा। बचा हुआ हिस्सा ही समुद्र में गिरेगा। इसे भविष्य के उपग्रहों के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के लिए डेटा इकट्ठा करने और अभ्यास करने के तौर पर भी देखा जा रहा है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में अग्रणी देश और दूसरे संगठन भी इसका अनुसरण करेंगे। शुक्रवार शाम को यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि जर्मनी में एयोलस मिशन कंट्रोल टीम एक हफ्ते के मुश्किल ऑपरेशन के बाद अब अपने अभियान का समापन कर रही है।

चीन में लाखों की नौकरी छोड़ रहे युवा, घर पर रहने के लिए मिल रहे पैसे

बीजिंग। दुनिया में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी से युवा पीढ़ी परेशान हैं। वर्ल्ड बैंक ने विश्व महामंदी की चेतावनी जारी की है लेकिन चीन के युवाओं को इस बात की कोई चिंता नहीं है। चीन के लाखों युवा नौकरी छोड़ घर पर बैठना पसंद कर रहे हैं। चीन में लेइंग फ्लैट कल्चर हावी हो रहा है जिसका मतलब है थका देने वाले काम से छुट्टी लेना। पेंकिंग यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर का कहना है कि पिछले हफ्ते 16 मिलियन युवा नौकरी छोड़कर घर पर बैठ गए हैं या पेरेंट्स पर आश्रित हो गए है। वहीं ये लोग सक्रिय रूप से नोकरी की तलाश भी नहीं कर रहे हैं. अगर देखा जाए तो मार्च में वास्तविक बेरोजगारी दर 46.5 प्रतिशत हो सकती है। चीन की 21 साल की ली जो एक बेहतरीन फोटोग्राफर अपना जॉब छोड़ घर पर रहना चाहती हैं इसलिए नौकरी को अलविदा कह दिया।

सऊदी को चीनी खेमे से निकालने का अमेरिकी महाप्लान

इजरायल बनेगा गेमचेंजर मानेंगे प्रिंस सलमान

एजेंसी। रियाद

सऊदी अरब के चीन के खेमे में जाने से अमेरिका बेचैन हो उठा है। बाइडन प्रशासन को डर सताने लगा है कि अगर जल्द ही कुछ नहीं किया गया तो पूरा मध्य-पूर्व उसकी हाथ से निकल सकता है। सऊदी अरब को खाड़ी देशों का नेता माना जाता है। खाड़ी के अधिकतर देश सऊदी की विदेश नीति को ही फॉलो करते हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने 'चाणक्य' जेक सुलिवन को सऊदी अरब भेजा है। जेक सुलिवन अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उन्होंने जेद्दा में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ लंबी बातचीत भी की है। दोनों नेताओं की मुलाकात को एक महत्वाकांक्षी और दूरगामी राजनयिक सफलता के लिए

चली गई चाल का हिस्सा बताया जा रहा है। व्हाइट हाउस ने बताया कि सुलिवन और प्रिंस सलमान ने गुरुवार को दुनिया से जुड़े अधिक शांतिपूर्ण, सुरक्षित, समृद्ध और स्थिर मध्य पूर्व क्षेत्र के लिए एक साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की पहल पर चर्चा की। इस मुलाकात पर न्यूयॉर्क टाइम्स के कॉलमिस्ट थॉमस फ्रीडमैन ने पिछले हफ्ते जो बाइडन के इंटरव्यू के आधार पर कहा कि उनका मानना है कि सुलिवन किसी प्रकार अमेरिका-सऊदी अरब- इजरायल-फिलिस्तीन समझौते की संभावना तलाशने के लिए जेद्दा गए थे।

अजूबा — जिंदा हो गया 46,000 साल पुराना कीड़ा

वज्ञानिकों ने कहा, नई तबाही का दस्तक तो नहीं

एजेंसी। मॉस्को

वैज्ञानिकों ने 46,000 साल पहले जमे हुए एक कीड़े को फिर से जीवित किया है। जब इस पृथ्वी पर वुली मैमथ, बड़े दांतों वाले बाघ और विशाल एल्क का राज था, तब यह कीड़े देखने को मिलते थे। मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर सेल बायोलॉजी एंड जेनेटिक्स में प्रोफेसर एमेरिटस टेयमुरास कुर्जचालिया का कहना है कि यह राउंडवर्म साइबेरियाई पर्माफ्रॉस्ट में सतह से 40 मीटर नीचे सुप्तावस्था में जीवित रहा। इसकी प्रजाति अज्ञात थी। यह जिस हिसाब से जिंदा रहा उसे क्रिप्टोबायोसिस के रूप में जाना जाता है। क्रिप्टोबायोटिक अवस्था में जीव पानी या ऑक्सीजन की पूर्ण अनुपस्थिति में रह सकते हैं। इसके अलावा बेहद ठंडे तापमान के साथ अत्यधिक नमकीन परिस्थितियों में जीवित रह सकते हैं। कुर्जचालिया का कहना है कि यह मृत्यु और जीवन के बीच की स्थिति होती है, जिसमें मेटाबोलिक एक्टिविटी इस

हद तक कम हो जाती है कि उसका पता लगाना ही मुश्किल हो जाता है। उन्होंने इसे एक प्रमुख खोज बताते हुए कहा कि कोई भी जीव इस स्थिति में अपना जीवन रोक सकता है और फिर उसे शुरू कर सकता है। उन्होंने आगे बताया कि जो जीव पहले इस तरह की स्थिति में मिले हैं वह हजारों साल पुराने होने की जगह कुछ सैकड़ों साल पहले के ही थे। पांच साल पहले रूस में मृदा विज्ञान में भौतिक रासायनिक और जैविक समस्या संस्थान के वैज्ञानिकों ने साइबेरियाई पर्माफ्रॉस्ट में दो राउंडवर्म प्रजातियों का पता लगाया था। इसके शोधकर्ताओं में से एक अनास्तासिया शातिलोविच ने कहा कि दो कीड़ों को केवल पानी से रिहाइड्रेट करके वापस जिंदा किया गया है। आगे के विश्लेषण के लिए 100 कीड़ों को जर्मनी ले जाया गया। इन वर्म को निकालने के बाद वैज्ञानिकों ने इसके समय का पता लगाने के लिए पर्माफ्रॉस्ट में मौजूद पौधों की सामग्री का रेडियोकार्बन विश्लेषण किया। इसमें पता चला कि यह लगभग 46,000 साल पुराने हैं। हालांकि तब तक वैज्ञानिकों को नहीं पता था कि यह वर्म एक ज्ञात प्रजाति है या नहीं। ड्रेसडेन और कोलोन में वैज्ञानिकों ने जब इस पर आनुवंशिक विश्लेषण किया तो पता चला कि यह एक नई प्रजाति है। शोधकताओं ने इसे पैनाग्रोलाईमस कोलीमेनिस नाम दिया।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयलाइंस हुई खस्ताहाल सभी बैंक खाते हुए फ्रीज

वाशिंगटन। पाकिस्तान की तरह ही उसकी प्रमुख एयरलाइन भी कंगाली की मार झेल रही है। फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू ने कथित तौर पर करों का भुगतान न करने के पर देश की प्रमुख एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के सभी बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार ढक्अ के प्रवक्ता अब्दुल्ला हफीज ने बताया कि एयरलाइन का प्रबंधन एफबीआर के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि खातों को अवरुद्ध करने के बावजूद, पीआईए की उड़ान संचालन और अन्य गतिविधियां हमेशा की तरह जारी रहीं। सूत्रों के मुताबिक ढक्अ पर एफबीआर का करीब 2.8 अरब रुपये टैक्स बकाया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि एयरलाइन का दावा है कि उसका बकाया लगभग 1.3 अरब रुपए है। यह पहली बार नहीं है कि पीआईए के खाते फ्रीज किए गए हैं। पिछले साल जनवरी में इसी मुद्दे पर 53 खाते फ्रीज कर दिए गए थे। बाद में करों की शीघ्र निकासी के लिए ढक्अ प्रशासन के आश्वासन के बाद बैंक खाते बहाल कर दिए गए थे।

पाक पीएम शहबाज के ऑफिसर ने कबूला

ड्रोन से भारत में ड्रग्स सप्लाई कर रहे पाकिस्तानी तस्कर

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के एक सीनियर ऑफिसर ने टीवी पर यह बात कबूल कर ली है कि ड्रोन की मदद से सीमा के उस पार भारत के पंजाब राज?य में ड्रग्स की सप्लाई होती है। अधिकारी का कबूलनामा यह बताने के लिए काफी है कि कैसे पाकिस्तानी तस्कर भारत में नशीले पदार्थ डालने के लिए हाई-टेक उपकरणों का प्रयोग कर रहे हैं। भारत के राज?य पंजाब में युवाओं के बीच बढ़ती नशे की आदत के लिए हमेशा पाकिस्तान को दोषी ठहराया गया है। लेकिन पाकिस्तान की सरकार ने हर बार इस बात को मानने से इनकार कर दिया। लेकिन अब पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष रक्षा सहायक मलिक मोहम्मद अहमद खान ने भारत के राज्य पंजाब सीमा से लगे कसूर शहर में पाकिस्तानी जर्नलिस्ट हामिद मीर को एक इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने यह बात मानी है कि ड्रोन से ड्रग्स की सप्लाई भारत में हो रही है। खान, कसूर से प्रांतीय विधानसभा के सदस्य हैं। हामिद मीर ने 17 जुलाई को एक वीडियो ट्वीट किया है। इस वीडियो में उन्होंने खान से कसूर में सीमा पार जारी नशीले पदार्थों की तस्करी पर एक सवाल पूछा है। इस पर खान सकारात्मक जवाब देते हैं। खान ने कहा, 'हां, और यह सच काफी डरावना है। हाल ही में दो घटनाएं हुई हैं जहां हर ड्रोन में 10 किलोग्राम हेरोइन बांधकर फेंक दी गई थी। एजेंसियां इसे रोकने की कोशिश कर रही हैं।' मीर ने इस वीडियो को जिस कैप्शन के साथ ट्वीट किया है, वह भी काफी सुरक्षात्मक है। मीर ने लिखा, 'पीएम के सलाहकार मलिक मोहम्मद अहमद खान द्वारा बड़ा खुलासा। तस्कर हेरोइन पहुंचाने के लिए पाकिस्तान-भारत सीमा के पास कसूर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिए विशेष पैकेज की मांग की, अन्यथा पीड़ित तस्करों से जुड़ जायेंगे।' बता दें कि कसूर

भारत के राज्य पंजाब के खेमकरण और फिरोजपुर के ठीक सामने है। जुलाई महीने की शुरूआत में पंजाब पुलिस की तरफ से बताया गया था कि अकेले फिरोजपुर जिले में जुलाई 2022 से 2023 तक एनडीपीएस अधिनियम के तहत 795 एफआईआर दर्ज की गईं। आंकड़ों से पता चलता है कि ज्यादातर दवाएं पंजाब के उन जिलों से जब्त की गईं जो पाकिस्तान की सीमा से लगे हैं। हामिद मीर ने भारतीय अखबार इंडियन एक्सप्रेस को बताया है कि खान की टिप्पणी पहला कबूलनामा है। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए ड्रग्सक की तस्करी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यही सच है और खान का कबूलनामा काफी महत्वपूर्ण है।

एक नजर इधर भी

जिस पर चर्चा के लिए हंगामा वही चर्चा से बाहर

मणिपुर मसले पर विपक्ष लोकसभा के नियम 267 के तहत बहस चाहता था और सत्तापक्ष इस पर 176 के अंतर्गत ही चर्चा का हिमायती बना रहा। पिछले कुछ सत्रों से हंगामे की रणनीति पर काम कर रहा विपक्ष इस बार भी उसी हथियार के साथ लड़ रहा है। मणिपुर पर प्रधानमंत्री से बयान दिलवाने की बात नहीं बनी तो विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव का 'ब्रह्मास्त्र' लेकर आया। विपक्ष की नजर में लगता है कि यह ब्रह्मास्त्र है। इस प्रस्ताव पर विपक्ष मणिपुर की चर्चा न करे, यह संभव नहीं। नियमानुसार बहस का जवाब प्रधानमंत्री को देना ही होता है। उधर, सरकार को चिंता नहीं है। सच भी यही है कि आमतौर पर अविश्वास प्रस्ताव सरकार को गिराने की मंशा के साथ लाया जाता है। ऐसे प्रस्ताव पर बहस के बाद मतदान हुआ करता है और संख्या बल के हिसाब से सरकार और विपक्ष की ताकत का पता चल जाता है। इस आंकड़े पर गौर करें कि वर्तमान लोकसभा में अकले भाजपा के पास 301 सांसद हैं। सम्पूर्ण राजग यानी सत्ताधारी गठबंधन को मिला लिया जाय तो यह संख्या 333 तक पहुंच जाती है। उधर, चट्टान की तरह सरकारी पक्ष के मुकाबले जरा विपक्ष का कमजोर व लचर-सा आंकड़ा देखिये कि उसकी पूरी ताकत सिर्फ 142 सांसदों की है। कमजोर के साथ अब शायद लचर नहीं कह सकते क्योंकि इस बीच आईएनडीआईए यानी 'इंडिया' पहले से अधिक एकजुट दिख रहा है। अलग बात है कि भाजपा ने तय किया है कि उनका कोई भी नेता विपक्ष के इस गठबंधन को इंडिया नहीं कहेगा। विपक्ष के ताजा गठबंधन के कारण जो कांग्रेस थोड़ी सम्भली हुई दिखाई दे रही है, इन 142 में उसके पास सिर्फ 50 सांसद हैं। लोकतांत्रिक देश में निर्वाचन ही सरकार चलाने का आदेश है। इसी बूते संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी संसद में प्रस्तुत विधेयकों पर चर्चा के बिना पास कराने का दम भरते हैं। वे कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी और आरएसपी के एनके रामचंद्रन के विधेयकों पर बहस कराने की मांग को खारिज कर देते हैं। कुल मिलाकर पहले मणिपुर पर चर्चा की मांग और बात नहीं बनी तो अविश्वास प्रस्ताव पर सभी काम रोककर चर्चा कराने की मांग पर हंगामे की स्थिति बनी हुई है। सरकार नियमों के हिसाब से ही चल रही है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा था कि वे सभी दलों से चर्चा कर इस पर बहस की तिथि तय करेंगे। लोकसभा सचिवालय की ओर से प्रकाशित प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम के 2014 (टी.ओ. संख्या 91) 'सरकारी विधेयक-विधायी प्रक्रिया' का संस्करण लेखक के सामने है। आखिर सदन तो उसी के हिसाब से चलेगा। इस पर कोई विवाद नहीं हो सकता, जो पहले से चला आ रहा है। नियम स्पष्ट करते हैं कि प्रस्ताव आने के 10 दिन के भीतर इस पर बहस और मतदान कराया जा सकता है। आमतौर पर दो दिन के बहस के बाद मतदान हुआ करता है। सरकार की रणनीति अपने सारे विधेयक पारित कराने के बाद अविश्वास प्रस्ताव पर बहस कराने की है। विपक्ष पहले बहस करा लेने में सफल हो तो उसकी रणनीति स्पष्ट होकर दिखेगी। अध्यक्ष सभी की सहमति, फिर अपने विवेक से फैसला करेंगे। नियमों के आगे लाचार विपक्ष परंपरागत उदाहरण देने लगा है। ताजा बयान में अधीर रंजन चौधरी 26 जुलाई, 1966 को तत्कालीन संसदीय कार्य मंत्री सत्येंद्र नारायण सिन्हा के बयान का हवाला देते हैं। तब मंत्री ने कहा था कि अविश्वास प्रस्ताव आने पर बाकी काम रोक देने चाहिए। यह नैतिकता का तकाजा है। बहरहाल, नैतिकता समय सापेक्ष हो गई है। चौधरी कहते हैं कि 1978 में भी ऐसा हुआ था। तब से देश की नदियों में पानी बहुत बह गया है। सरकारी कामकाज की प्राथमिकताएं भी हुआ करती हैं। अलग बात है कि मीडिया की प्राथमिकता में संसद का हंगामा है, उस मणिपुर पर मीडिया में चर्चा बहुत कम रह गई है, जिस पर सदन में चर्चा के लिए शोरशराबा है।
(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से जुड़े रहे।)

■ डॉ. प्रभात ओझा

लोकतंत्र में नेताओं की जन छवि का सवाल

भारतीय लोकतंत्र जागरूक और मजबूत है। यह सुखद और भविष्य के लिए अच्छी बात है। लेकिन हमारे राजतंत्र में राजनेताओं की स्थिति और छवि क्या बनती जा रही है, यह बड़ा सवाल है। लोकतंत्र को राजनेता नहीं जनता खुद धोखा दे रही है। जिसके हाथ में हम सत्ता सौंपने जा रहे हैं उसकी जन छवि क्या है। राजनीति में रहते हुए उसने कौन-सा विकास कार्य किया है। पांच साल के लिए जिस पर हमने भरोसा जताया वह हमारे लिए कितना खरा उतरा। समस्याओं का समाधान एवं चुनावी वायदों की गाड़ी कहां तक पहुंची, इसका खयाल हमें नहीं रहता। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की हालिया रिपोर्ट हमारे जनतंत्र का होश उड़ाने वाली है। लेकिन, वह हमारे लिए इतनी चिंता का विषय नहीं होगी। हमें सिर्फ शोर में जीने की आदत हो गई है। हम जमीन पर खड़े हैं कि नहीं यह आकलन भी हमें नहीं है। क्योंकि हम खुद अपनी चिंताओं में उलझे हैं कि देश और समाज की चिंता मुझे नहीं करनी है। क्या आपको पता है भारत की राज्य विधानसभाओं में जिन विधायकों को हमने चुनकर भेजा है उसमें 44 फीसदी का रिकॉर्ड आपराधिक बताया गया है। उन पर अपराध से सम्बंधित कोई न कोई मुकदमा दर्ज है। हम कैसे लोगों को चुनकर भेज रहे हैं? हालांकि अभी हम उन्हें अपराधी नहीं कह सकते, जब तक उनके खिलाफ अदालतों में चल रहे मुकदमों का फैसला नहीं हो जता। लेकिन ऐसे माननीयों पर क्रिमिनल केस दर्ज है, यह सच है। आपराधिक उपलब्धि के साथ-साथ इनके पास अकूत दौलत भी है। जिन विधायकों को हमने चुनकर भेजा है उनके पास औसतन 13.63 करोड़ की संपत्ति है। दो फीसदी विधायक अरबपति हैं। 4,001 माननीय में 88 अरबपति हैं। यह घोषणाएं चुनाव के दौरान माननीयों ने अपने शपथपत्र में खुद दिया है। फिर सोचें हम कैसे लोगों को चुन रहे हैं। एडीआर और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) डब्ल्यू की तरफ से किये गये सर्वेक्षण में दो केंद्र शासित प्रदेश और 28 राज्य विधानसभा में 4,033 माननीय में 4,001 का विश्लेषण शामिल है। 1,136 तकरीबन 28 फीसदी विधायकों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किये हैं। जिसमें हत्या, अपहरण, हत्या का प्रयास और महिलाओं के साथ अपराध शामिल है। केरल जैसे छोटे राज्य में 135 विधायकों में से 95 ने आपराधिक मुकदमों की घोषणा की है। आप सोचिए ऐसे लोगों को हम सत्ता का देवता मानते हैं। चुनाव के दौरान अपनी जान गंवा देते हैं। मंच पर उनका चरण पकड़ने और भारी-भरकम माला पहनाने की होड़ लगाते हैं। इन्हें शर्म न आए तो कम से कम हमें आनी चाहिए कि हम कैसे लोगों को लोकतंत्र के पवित्र मंदिर में भेज रहे हैं। यह स्थित किसी एक विधानसभा की नहीं है। देश की अधिकांश विधानसभाओं की यही हालत है। हमने राजनेता नहीं आपराधिक आरोपितों को भेजा है। फिर ऐसे लोगों से अच्छे आचरण और विकास की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। बिहार में 67 फीसदी, दिल्ली में 70, महाराष्ट्र में 62, तेलंगाना में 61 तमिलनाडु में 60 फीसदी माननीय अपने खिलाफ आपराधिक मुकदमों की घोषणा की है। बिहार में 242 विधायकों में से 161 जबकि महाराष्ट्र में 284 में से 175 के खिलाफ इस तरह के मुकदमे दर्ज है। भारत का दिल कहे जाने वाले मध्य प्रदेश की धड़कन क्या कहती है जरा देखिए। यहां 230 विधायकों में से 187 करोड़पति हैं। विधानसभा में पहुंचे 94 माननीयों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। एडीआर के विश्लेषण पर गौर करें तो यह स्थिति शर्मनाक और चिंताजनक है। देश की राजधानी दिल्ली में 70 विधायकों में से तकरीबन 37 यानी 53 फीसदी पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश विधानसभा में विधायकों की संख्या 403 है जिनमें करीब 38 फीसदी यानी 155 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। मंचों से ऐसे राजनेता जो महिला सुरक्षा की बात करते हैं, निजी तौर पर कितने गिरे हुए हैं इसका अंदाजा भी आप नहीं लगा सकते। महिलाओं के खिलाफ विभिन्न अपराधों को लेकर जो विश्लेषण सामने आया है वह बेहद चौंकाने वाला है। देश के 144 विधायकों ने महिलाओं से संबंधित अपराध की घोषणा की है। 14 विधायकों पर बलात्कार के आरोप में संगीन मुकदमे दर्ज हैं। संबंधित माननीय के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 में मामले पंजीकृत किये गये हैं। इस तरह की घोषणा ऐसे विधायकों ने खुद अपने चुनावी हलफनामे में किया है। राजनीति में आने के पहले ऐसे लोग जो जमीन पर थे, वे राजनेता चुने जाने के बाद बेशुमार दौलत के मालिक बन गये। विधानसभाओं में आदर्शवाद का प्रवचन देने वाले ऐसे माननीयों के पास इतनी संपत्ति कहां से आ गई। इनके खिलाफ ईडी और सीबीआई की जांच क्यों नहीं लगाई जाती। बेशुमार दौलत संग्रह करने वाले सत्ता की हां में हां मिलाने के बाद जांच से क्यों बच जाते हैं। ऐसे लोगों पर आर्थिक अपराध का मुकदमा क्यों नहीं चलता। भारत की राज्य विधानसभाओं में जिनको हमने चुन कर भेजा है उनमें प्रत्येक विधायकों की औसत संपत्ति 13.63 करोड़ है। जबकि जिन्होंने अपने खिलाफ आपराधिक मुकदमा का शपथ पत्र दिया है, उनकी औसत संपत्ति यानी एक विधायक के पास 16.36 करोड़ की संपत्ति है। जबकि जिन विधायकों के खिलाफ कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं है। ऐसे माननीय साफ-सुथरी छवि वाले हैं। उनके पास भी औसतन 11.45 करोड़ रुपए की संपत्ति है। दक्षिण भारत के राज्य कर्नाटक के माननीय मालामाल हैं। यहां 14 फीसदी विधायक अरबपति हैं। मतलब साफ है कि 223 विधायकों में 32 विधायक अरबपति हैं। इस तरह के हालत बेहद चिंताजनक है।

पांच साल के लिए जिस पर हमने भरोसा जताया वह हमारे लिए कितना खरा उतरा। समस्याओं का समाधान एवं चुनावी वायदों की गाड़ी कहां तक पहुंची, इसका खयाल हमें नहीं रहता। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की हालिया रिपोर्ट हमारे जनतंत्र का होश उड़ाने वाली है। लेकिन, वह हमारे लिए इतनी चिंता का विषय नहीं होगी।

इन दिनों

प्रभुनाथ शुक्ल

खोजें अपनी जिंदगी का उद्देश्य व सकारात्मक दिशायें

उतार-चढ़ाव, हर्ष-विषाद, सुख-दुःख हर इंसान के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, लेकिन फिर भी इन जटिलताओं के बीच एक सपना एवं जिजीविषा जरूर होनी चाहिए जो आपको हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहे। जीवन ऐसे जीना चाहिए जैसे जिंदगी का आखिरी दिन हो। भले ही हमारी जिंदगी उतार-चढ़ावों से भरी हो फिर भी हमें बढ़िया और नेक काम करते हुए जीवन के पल-पल को उत्साह एवं उमंग से जीना चाहिए। लेकिन हमारी बढ़िया या नेक काम करने की इच्छा अधूरी ही रहती है क्योंकि अक्सर जब हम जिंदगी के बुरे दौर से गुजरते हैं, तब उससे निकलने और जब अच्छे दौर में होते हैं, तब उस स्थिति को बरकरार रखने में जिन्दगी बिता देते है। हर इंसान के जीवन में निराशा एवं असंतुष्टि पसरी है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 70 फीसदी लोग अपनी मौजूदा नौकरी या काम से संतुष्ट नहीं हैं और करीब 53 फीसदी लोग किसी भी रूप में खुश नहीं हैं। यह एक चिंताजनक बात है। जब हम दिल से प्रसन्न नहीं होते तो हमारे अंदर से आगे बढ़ने की चाह खत्म होने लगती है। और फिर धीरे-धीरे तनाव बढ़ने लगता है, जो जीवन को नीरस और उबाऊ बना देता है। जिन्दगी तो सभी जीते हैं, लेकिन यहां बात यह मायने नहीं रखती कि आप कितना जीते हैं, बल्कि लोग इसी बात को ध्यान में रखते हैं कि आप किस तरह और कैसे जीते हैं। जीवन में आधा दुख तो इसलिए उठाते फिरते हैं कि हम समझ ही नहीं पाते हैं कि सच में हम क्या हैं? क्या हम वही है जो स्वयं को समझते हैं? या हम वो हैं जो लोग समझते हैं। हमारे संकल्प और हमारे आदर्श सांसारिक जीवन के बंधनों में बंधे रहने के बजाय उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बढ़ना चाहते हैं, लेकिन मन की इच्छाएं इसके विपरीत होती हैं। इन दोनों में लगातार संघर्ष चलता रहता है। इस संघर्ष में जीत अक्सर मन की इच्छाएं की ही होती है। इसका कारण यह है कि इच्छाओं की मांगें पूरी करने में मनुष्य को तुरंत सुख और आनंद मिलता है। इसके विपरीत आदर्श को जीने या आदर्श की अपेक्षाओं को पूरा करने में मनुष्य को शुरूआती दौर में अपने सुख और आनंद का बलिदान करना होता है। इसलिए लोग सामान्यतया ऐसा करने से बचते हैं। अगर यही स्थिति लंबे समय तक बनी रहे और आदर्श की अपेक्षाओं को दबाया जाता रहे, तो धीरे-धीरे आदर्श की उड़ान समाप्त होने लगती है। महान और आदर्श काम करने के लिए अक्ल से ज्यादा दिलेरी की जरूरत होती है और यह दिलेरी लुप्तप्राय होती जा रही है। आज लगभग देश और दुनिया इसी आदर्शहीनता के स्थिति से ही मुखातिब है। सीधे-सीधे आसान रास्तों पर चलते हुए भी कोई भटकता रह जाता है। कुछ भटकते हुए भी मंजिल की ओर ही कदम बढ़ा रहे होते हैं। दरअसल, जब भीतर और बाहर का मन एकरूप होता है तो भटकना बेचैन नहीं करता। भरोसे और भीतर की ऊर्जा से जुड़े कदम आप ही राह तलाश लेते हैं। ओशो कहते हैं, 'भटकता वही है, जो अपने भीतर की यात्रा करने से डरता है।' जब आपके अंदर किसी काम को लेकर जुनून होता है तो कभी-कभी वह जुनून ही जीवन के उद्देश्य में तब्दील होने लगता है। जीवन कभी एक सा नहीं चलता। इसलिए यह जरूरी भी नहीं कि बेहद प्रारंभिक अवस्था में ही आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल जाय। जीवन में अनेक पड़ाव आते हैं, जो अलग-अलग अनुभव देते हैं। इसलिए कभी एक बेहद तनाव वाले पड़ाव में लगे कि किसी तरीके का बदलाव आपके जीवन को सरल और खुशनुमा बना सकता है तो उसे आप अपना उद्देश्य बना लीजिए। लेकिन यह कोई ऐसा कार्य नहीं है, जिसके बारे में आप बैठकर अलग से मंथन करें। यह हमारा मन तय करता है कि उसे किस कार्य को करने से खुशी मिलती है। पर दिमाग के साथ दिल का तालमेल बिठाना न भूलें और जहां लगे कि दिल और दिमाग मिल गये हैं तो समझ जाएं कि आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल गया है। जिंदगी का कोई लम्हा मामूली नहीं होता, हर पल वह हमारे लिए कुछ-न-कुछ नया पेश करता रहता है- जब हमारी ऐसी सोच बनती है तभी हम अपने आप से रूबरू होते। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार के बिना हमारी लक्ष्य की तलाश और तैयारी दोनों अधूरी रह जाती है। स्वयं की शक्ति और ईश्वर की भक्ति भी नाकाम सिद्ध होती है और यही कारण है कि जीने की हर दिशा में हम औरों के मुहताज बनते हैं, औरों का हाथ थामते हैं, उनके पदचिन्ह खोजते हैं। अक्सर आधे-अधूरे मन और निष्ठा से हम कोई भी कार्य करते हैं तो उसमें सफलता संदिग्ध हो जाती है।

हर इंसान के जीवन में निराशा एवं असंतुष्टि पसरी है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 70 फीसदी लोग अपनी मौजूदा नौकरी या काम से संतुष्ट नहीं हैं और करीब 53 फीसदी लोग किसी भी रूप में खुश नहीं हैं। यह एक चिंताजनक बात है। जब हम दिल से प्रसन्न नहीं होते तो हमारे अंदर से आगे बढ़ने की चाह खत्म होने लगती है।

■ ललित गर्ग

है न विचित्र बात !

माता-पिता में बसते हैं समस्त तीर्थ

आज के युग में उन्नति का अर्थ केवल धनोपार्जन से लिया जा रहा है अर्थात जो व्यक्ति जितना अधिक धन अर्जित कर रहा है, वह उतना ही सफल माना जा रहा है। मनुष्य की उन्नति की इस परिभाषा ने पारिवारिक संबंधों से मान-सम्मान ही समाप्त कर दिया है। माता-पिता बड़े लाड़-प्यार से अपने बच्चों का लालन-पालन करते हैं। उन्हें उच्च शिक्षा दिलाने के लिए यथासंभव प्रयास करते हैं। बच्चे बड़े एवं शिक्षित होकर माता-पिता को छोड़कर दूर महानगरों अथवा विदेशों में जाकर रहने लगते हैं। ऐसी स्थिति में असहाय वृद्ध माता-पिता अकेले रह जाते हैं। ऐसे लोग भी बहुत हैं, जो एकल परिवार चाहते हैं। वे अपने वृद्ध माता-पिता को वृद्धाश्रम में डाल देते हैं। ऐसे समाचार भी सुनने को मिलते रहते हैं कि वृद्धों को उनके ही बच्चों द्वारा मारा पीटा जा रहा है। उन्हें भरपेट भोजन नहीं दिया जाता तथा अस्वस्थ होने पर उनका उपचार नहीं भी करवाया जाता। ऐसे में उनका जीवन नारकीय बन जाता है। देश में वृद्ध लोगों की संख्या तीव्र गति से बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की वृद्ध जनसंख्या वर्ष 2050 तक वर्तमान में लगभग 20 प्रतिशत होने का अनुमान है। वर्तमान में यह दर 8 प्रतिशत है। वर्ष 2050 तक वृद्धों की संख्या में 326 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि इनमें 80 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या में 700 प्रतिशत होने का अनुमान है। गैर सरकारी संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार लॉक डाउन की समयावधि में 73 प्रतिशत वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार किया गया, जबकि 35 वृद्धों को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा अर्थात उनके साथ उनके ही परिवार के सदस्यों ने मारपीट की। चिंता का विषय यह है कि जिस प्रकार वृद्धों की यह संख्या निरंतर बढ़ रही है तथा परिवारजनों द्वारा वृद्धों की अवहेलना की जा रही है, ऐसी स्थिति में उनका जीवन स्तर क्या होगा? ऐसे समाचार भी सुनने को मिलते रहते हैं कि अमुक व्यक्ति विदेश में रहता है तथा उसके अकेले रह रहे वृद्ध पिता या माता की मृत्यु हो गई। शव की दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। ये मामले बहुत ही अमानवीय हैं। माता-पिता अपने कई बच्चों को अकेले पाल लेते हैं, परंतु कई बच्चे मिलकर भी अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति क्यों है? उत्तर यही है कि उनके मन में माता-पिता के लिए मान-सम्मान एवं प्रेम नहीं है। इसका स्थान स्वार्थ ने ले लिया है। हमारी गौरवशाली प्राचीन भारतीय संस्कृति में परिवारजनों विशेषकर वृद्धजनों को बहुत मान-सम्मान दिया गया है। रामायण का उदाहरण देखें- भगवान राम ने अपने पिता के वचन को पूर्ण करने के लिए राजपाट त्याग कर चौदह वर्षों का वनवास सहर्ष स्वीकार कर लिया। सीताजी राजभवन का सुख त्याग कर अपने पति के साथ वनवास साथ गईं। लक्ष्मणजी ने भी अपने भाई की सेवा के लिए वनवास का चयन किया। भरत ने भी राजपाट का चयन न करके वनवासी जैसा जीवन व्यतीत किया। रामायण में कहा गया है-

यतः मूलम नरः पश्येत प्रादुर्भावम इह आत्मनः ।
कथम तस्मिन न वर्तेत प्रत्यक्षे सति दैवते ॥

अर्थात जब मनुष्य की स्वयं की उत्पत्ति के मूल में पिता हैं, तो वह पिता के रूप में विद्यमान साक्षात देवता को क्यों नहीं पूजता?
रामायण में यह भी कहा गया है-

सत्यं माता पिता ज्ञानं धर्मो भ्राता दया सखा।
शान्तिः पत्नी क्षमा पुत्रः षडेते मम बान्धवाः॥

अर्थात सत्य मेरी माता के समान है, ज्ञान मेरे पिता के समान है, धर्म मेरे भ्राता के समान है, दया मेरे मित्र के समान है तथा शांति मेरी पत्नी के समान है, क्षमाशीलता मेरे पुत्र के समान है। इस प्रकार ये छह गुण ही मेरे निकट संबंधी हैं।

■ डॉ. सौरभ मालवीय

समूचे राजनीतिक तंत्र को एकजुटता का संदेश देने की जरूरत

मणिपुर हिंसा पर विपक्ष का रवैया सकारात्मक नहीं है। सरकार की तरफ से विपक्ष को कई बार सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया। बीते मंगलवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को पत्र भी लिखा। शाह ने आग्रह किया कि मणिपुर की स्थिति पर गंभीरता से चर्चा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि, हम सबका कर्तव्य है। संसद से मणिपुर को संदेश दिये जाने की जरूरत है कि सभी राजनीतिक दल मणिपुर की समस्या के समाधान के लिए एक साथ हैं। विपक्ष ने इस अपील का भी तिरस्कार किया। शाह ने सदन में भी कहा कि नारेबाजी करने वाले सदस्यों की समस्या के समाधान में कोई रुचि नहीं है। शाह ने याद दिलाया कि जनता सबको देख रही है। लेकिन विपक्ष ने सत्ता पक्ष की किसी भी अपील की तरफ ध्यान नहीं दिया। मणिपुर की परिस्थिति चिंताजनक है। पूरा देश चिंतित है। यह घटनाओं की शुरूआत से ही ध्यान देने योग्य रही है। सदन में समस्या पर पहले ही दिन से गंभीर विमर्श की आवश्यकता थी लेकिन विपक्ष विशेषतया कांग्रेस ने इसकी उपेक्षा की। संसदीय परंपरा में विपक्ष का कर्तव्य महत्वपूर्ण होता है। ब्रिटिश संसदीय परिपाटी में विपक्ष को गर्वनमेंट इन वेटिंग कहा जाता है लेकिन कांग्रेस जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका के निर्वहन में असफल सिद्ध हुई है। दरअसल विपक्ष की भूमिका के निर्वहन में कांग्रेस अपने इतिहास में कभी भी प्रभावी नहीं रही। गैर जिम्मेदारी की बात 1969 से प्रारंभ होती है। तब कांग्रेस अपने ही अंतर्विरोधों से टूट गई थी। टूटे धड़े के नेता डॉ. राम सुभग सिंह 1969 से 1970 तक प्रतिपक्षी नेता रहे लेकिन विपक्ष की भूमिका शून्य रही। 1977 में कांग्रेस के नेता यशवंत राव चव्हाण विपक्षी नेता थे। तब भी कांग्रेस की प्रतिपक्षी भूमिका प्रभावी नहीं थी। जनता पार्टी की सरकार आंतरिक कलह में गिर गई। कांग्रेस ने चौधरी चरण सिंह को समर्थन दिया। कायदे से कांग्रेस चौधरी चरण सिंह की सरकार की समर्थक दल थी। लेकिन कांग्रेस ने विपक्ष के नेता का पद नहीं छोड़ा। 1989 में राजीव गाँधी नेता प्रतिपक्ष बने। कांग्रेस ने विपक्षी दल का दायित्व नहीं निभाया। उसने चंद्रशेखर को समर्थन दिया। समर्थक दल होने के बावजूद राजीव गाँधी ने नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं छोड़ा। लोकसभा अध्यक्ष ने भाजपा को प्रतिपक्ष माना। 1996 में जनता ने कांग्रेस को फिर से विपक्षी दायित्व सौंपा। कांग्रेस देवेगौड़ा की समर्थक बनी। फिर उसने गुजराल को समर्थन दिया। अटल सरकार के समय कारगिल घुसपैठ पर संसद में बहस हुई। कांग्रेस पाकिस्तान समर्थक मुद्रा में आई। इसी कांग्रेसी चरित्र का नतीजा है कि 2014 के जनादेश में जनता ने कांग्रेस सहित किसी भी दल को मुख्य विपक्ष के योग्य नहीं बनाया। संसद की कार्यवाही का असाधारण महत्व होता है। संविधान निर्माताओं ने संसद को अनेक दायित्व सौंपे हैं। विधि निर्माण और संविधान संशोधन के भी अधिकार संसद के पास हैं। संसदीय प्रणाली में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही महत्वपूर्ण होते हैं। दोनों को अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। लोकसभा सचिवालय द्वारा 2011 में प्रकाशित 'संसदीय पद्धति और प्रक्रिया' पठनीय है। इसके प्रारंभ में पं. जवाहरलाल नेहरू का उद्धरण है, संसदीय प्रणाली में न केवल सशक्त विरोधी पक्ष की आवश्यकता होती है, न केवल प्रभावोत्पादक ढंग से विचार व्यक्त करना जरूरी होता है बल्कि सरकार और विपक्ष के बीच सहयोग का आधार भी आवश्यक होता है। किसी एक विषय पर ही सहयोग काफी नहीं। बल्कि संसद के काम को बढ़ाने का आधार परस्पर सहयोग ही है।' कांग्रेस पं. नेहरू के इस विचार को नहीं मानती। इसी पुस्तक में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का प्राक्कथन है, संसद में अनुशासनहीनता और अव्यवस्था से मर्यादा क्षीण होती है। नागरिकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। आवश्यक है कि संसद लोगों की नजरों में अपनी अधिकाधिक विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए व्यवस्थित ढंग से काम करे।' लेकिन आज की कांग्रेस ऐसे महत्वपूर्ण वरिष्ठ नेताओं की बात पर भी ध्यान नहीं देती। संविधान के अनुसार सत्ता पक्ष संसद के सामने जवाबदेह है। जवाबदेही सुनिश्चित करना विपक्ष का कर्तव्य है। सरकार को जवाबदेह बनाने का काम सदन की सुचारू रूप से कार्यवाही द्वारा ही संभव है। चुनाव के समय आम जनता ही किसी दल या दल समूह को सरकार चलाने का अधिकार देती है। इसी तरह जनता ही किसी दल या समूह को विपक्ष की जिम्मेदारी सौंपती है। उसे सरकार को जवाबदेह बनाने का दायित्व सौंपती है। सरकार भी जनादेश से बनती है और विपक्ष भी। लेकिन कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। आदर्श राजनैतिक संस्कृति विकसित करने की जिम्मेदारी उसी की थी। लेकिन इसके बावजूद वह विपक्ष की मर्यादा का पालन नहीं करती। सीके जैन लोकसभा के महासचिव रहे हैं। जैन ने 'प्रिसाइडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस' पुस्तक के विवरण में यूरोपीय विद्वान वाल्टर लिपिमैन को उद्धृत किया है। लिखा है कि उच्च पदस्थ लोग संस्थाओं के प्रशासक मात्र नहीं हैं। वे अपने देश के राष्ट्रीय आर्दशों, विश्वासों और अभिलाषाओं के संरक्षक हैं। जिनके कारण देश लोगों का जोड़ नहीं एक राष्ट्र होता है।' उच्च पदस्थ महानुभावों की जिम्मेदारी ज्यादा है। कांग्रेस को परंपरा और मर्यादा का अनुपालन करना चाहिए। कांग्रेस मणिपुर के प्रश्न पर अपना दायित्व नहीं निभा पाई। उसने हठधर्मिता की। सदन की कार्यवाही पूरे सप्ताह बाधित हुई। सरकार की अपीलों पर भी ध्यान नहीं दिया गया। मणिपुर की चिंताजनक परिस्थितियों का राजनीतिकरण हुआ। कांग्रेस ने संसद जैसी पवित्र संस्था का भी इस्तेमाल अपने शक्ति प्रदर्शन के लिए ही किया है। इसी सब से आहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टिप्पणी की कि ऐसा गैरजिम्मेदार दिशाहीन विपक्ष आज तक नहीं देखा। संसद और संसदीय गरिमा में प्रधानमंत्री की आस्था सर्वविदित है। मणिपुर की घटना पर वे पहले ही दुख व्यक्त कर चुके हैं। गृह मंत्रालय मणिपुर की चुनौती के समाधान में जुटा हुआ है। लेकिन कांग्रेस अपनी राजनीति पर ही उतारू है। विपक्ष केन्द्र सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव दे चुका है।

संसद से मणिपुर को संदेश दिये जाने की जरूरत है कि सभी राजनीतिक दल मणिपुर की समस्या के समाधान के लिए एक साथ हैं। विपक्ष ने इस अपील का भी तिरस्कार किया। शाह ने सदन में भी कहा कि नारेबाजी करने वाले सदस्यों की समस्या के समाधान में कोई रुचि नहीं है। शाह ने याद दिलाया कि जनता सबको देख रही है।

■ हृदयनारायण दीक्षित

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

हिन्दी साहित्य में ना ही उनके जैसा कोई हुआ और ना ही कोई होगा

प्रेमचंद, जन्म धनपत राय श्रीवास्तव, को भारतीय साहित्य के इतिहास में सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली लेखकों में से एक माना जाता है। उनका जन्म 31 जुलाई, 1880 को भारत के उत्तर प्रदेश में वाराणसी के पास एक गांव लमही में हुआ था। इनका जन्म एक निम्न जाति के परिवार में हुआ था। उनके पिता, अजायब लाल, डाकघर में क्लर्क थे, और उनकी मां, आनंदी देवी, एक गृहिणी थीं। भाई-बहनों के परिवार में चौथे बच्चे थे, और उनका प्रारंभिक जीवन गरीबी और संघर्ष से चिह्नित था।प्रेमचंद ने अपनी शिक्षा सात साल की उम्र में पास के एक गांव के एक सरकारी स्कूल में शुरू की। बाद में वे हाई स्कूल में पढ़ने के लिए वाराणसी चले गए। अपने परिवार की आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद, उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।वो अपने जीवन के कई अदभूत कृतियां लिखी हैं। तब से लेकर आज तक हिन्दी साहित्य में ना ही उनके जैसा कोई हुआ है और ना ही कोई और होगा। अपने जीवन के अंतिम दिनों के एक वर्ष को छोड़कर उनका पूरा समय वाराणसी और लखनऊ में गुजरा, जहां उन्होंने अनेक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन किया और अपना साहित्य-सृजन करते रहे। 8 अक्टूबर, 1936 को जलोदर रोग से उनका देहावसान हुआ। भारतीय समाज, विशेषकर निचली जातियों और वंचित लोगों के व्यावहारिक और यथार्थवादी चित्रण के लिए जाना जाता है। हिंदी और उर्दू साहित्य में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है। गरीबी से लड़ते हुए प्रेमचंद ने अपनी पढ़ाई मैट्रिक तक पहुंचाई। जीवन के आरंभ में ही इन्हें गांव से दूर वाराणसी पढ़ने के लिए नंगे पांव जाना पड़ता था। इसी बीच में इनके पिता का देहान्त हो गया। प्रेमचंद को पढ़ने का शौक था, आगे चलकर वह वकील बनना चाहते थे, मगर गरीबी ने इन्हें तोड़ दिया। प्रेमचंद ने स्कूल आने-जाने के झंझट से बचने के लिए एक वकील साहब के यहां ट्यूशन ले लिया और उसी के घर में एक कमरा लेकर रहने लगे। इनको ट्यूशन का पांच रुपया मिलता था। पांच रुपए में से तीन रुपए घर वालों को और दो रुपए से प्रेमचंद अपनी जिन्दगी की गाड़ी को आगे बढ़ाते रहे। प्रेमचन्द महीना भर तंगी और अभाव का जीवन बिताते थे। इन्हीं जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रेमचन्द ने मैट्रिक पास किया। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य, पर्सियन और इतिहास विषयों से स्नातक की उपाधि द्वितीय श्रेणी में प्राप्त की थी। प्रेमचंद ने अपने जीवन के कई अदभूत कृतियां लिखी हैं। तब से लेकर आज तक हिन्दी साहित्य में ना ही उनके जैसा कोई हुआ है और ना ही कोई और होगा।

❖ ओम प्रकाश प्रजापति

प्रेमचंद हिन्दी साहित्य के गौरव

प्रेमचंद एक मेधावी छात्र थे और पढ़ने में उनकी गहरी रुचि थी। वह विशेष रूप से रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और रमेश चंद्र दत्ता जैसे लेखकों के कार्यों के प्रति आकर्षित थे। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव लमही में पूरी की, और बाद में अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए पास के शहर बनारस चले गए। 14 साल की उम्र में प्रेमचंद ने स्कूल छोड़ दिया और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए। प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक की नौकरी कर ली। इस समय के दौरान, उन्होंने नवाब राय उपनाम के तहत स्थानीय समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए कहानियां और लेख लिखना भी शुरू किया। उन्होंने सामाजिक मुद्दों से लेकर ऐतिहासिक घटनाओं तक कई विषयों पर लिखा और यहां तक कि विदेशी लेखकों की कुछ रचनाओं का हिंदी में अनुवाद भी किया। प्रेमचंद की लेखन शैली उनकी सरलता और प्रत्यक्षता से पहचानी जाती है। उन्होंने सरल और सीधी भाषा में लिखा जो पाठकों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए सुलभ थी। उनकी कहानियां और उपन्यास अक्सर निचली जातियों और गरीबों के संघर्षों से संबंधित होते हैं, और उन्होंने अपने लेखन का उपयोग भारतीय समाज में मौजूद सामाजिक अन्याय और असमानताओं को उजागर करने के लिए किया। मुंशी प्रेमचन्द की उत्कृष्ट रचनाओं के लिए यदि उन्हें उपन्यास सम्राट के स्थान पर साहित्य सम्राट की उपाधि दी जाये तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। मुंशी प्रेमचन्द के पात्रों के वर्ग प्रतिनिधित्व को सहजता से देखा जा सकता है। वे समाज का चित्रण इतने उत्कृष्ट ढंग से करते थे कि संपूर्ण यथार्थ सहजता से उभरकर मस्तिष्क पटल पर चित्रित होने लगता था। ऐसे महान उपन्यासकार नाटककार व साहित्यकार के लिए इससे बढ़कर और बड़ी श्रद्धांजलि क्या होगी कि उनकी मृत्यु के आठ दशकों बाद भी उनकी रचनाओं की प्रासंगिकता पूर्ववत बनी हुई है। हजारों की संख्या में लोग उनकी रचनाओं व शैली पर शोध कर रहे हैं। वह निःसंदेह हमारे हिन्दी साहित्य का गौरव थे, है और सदैव ही रहेंगे। मुंशी प्रेमचन्द की रचनाओं में समाज के सबसे उपेक्षित वर्ग की समस्याओं को यथार्थ के धरातल पर प्रस्तुत किया गया है। गोदान का पात्र होरी भारतीय किसानों की दुःख-सुख से भरी संपूर्ण जीवन यात्रा का आदर्श प्रतिनिधित्व करता है। प्रेमचंद तत्कालीन समाज की सभी समस्याओं उसके सभी पक्षों को छूने वाले समर्थ रचनाकार कहलाते हैं।

❖ कुमारी रिया

प्रेमचंद की ख्वाहिश वकील बनने की थी

हिंदी साहित्य के सबसे लोकप्रिय लेखक प्रेमचंद ने हिंदी में कहानी और उपन्यास को सुदृढ़ नींव प्रदान की और यथार्थवादी चित्रण से देशवासियों का दिल जीत लिया। प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट के नाम से सर्वप्रथम बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने संबोधित किया था। प्रेमचंद का असली नाम धनपत राय था। उनका जन्म 31 जुलाई, 1880 को बनारस शहर से चार मील दूर लमही नामक गांव में हुआ था। धनपत राय का विवाह 15-16 बरस में ही कर दिया गया, लेकिन ये विवाह उनको फला नहीं और कुछ समय बाद ही उनकी पत्नी का देहांत हो गया। कुछ समय बाद उन्होंने बनारस के बाद चुनार के स्कूल में शिक्षक की नौकरी की, बाद में उन्होंने एक बाल विधवा शिवरानी देवी से विवाह किया। जिन्होंने प्रेमचंद की जीवनी लिखी थी। वो अपने मित्र मुंशी दयानारायण निगम के सुझाव पर उन्होंने धनपत राय की बजाय प्रेमचंद उपनाम रख लिया। इनके पिता का नाम मुंशी अजायब लाल था, जो डाकघर में मुंशी का पद संभालते थे। प्रेमचंद्र का बचपन खेत खलिहानों में बीता था। उन दिनों उनके पास मात्र छः बीघा जमीन थी। परिवार बड़ा होने के कारण उनके घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। जीवन के अंतिम दिनों में वह जलोदर रोग से बुरी तरह से ग्रस्त हो गये थे। दिनांक 8 अक्टूबर 1936 को उनका देहांत हो गया। प्रेमचंद को पढ़ने का बहुत शौक था। उनकी ख्वाहिश वकील बनने की थी, लेकिन गरीबी के अभाव से जूझते हुए उन्होंने जैसे-तैसे मैट्रिक की पढ़ाई की। इसके लिए भी उन्हें प्रतिदिन कई मील नंगे पांव चलकर वाराणसी शहर आना पड़ता था। प्रतिदिन पैदल चलकर समय खराब करने के बजाय प्रेमचंद ने शहर में ही एक वकील के घर पर ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया। वहीं उन्हें एक छोटा सा कमरा भी मिल गया था। ट्यूशन से जो पांच रुपए मिलते थे, उसमें से तीन रुपये घरवालों को देते और शेष दो रुपये अपने खर्च के लिए रखते थे। मैट्रिक पूरा करने के पश्चात प्रेमचंद ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य, पर्सियन और इतिहास विषय के साथ ग्रेजुएशन पूरा किया। प्रेमचंद जब 6 वर्ष के थे, तब उन्हें लालगंज गांव में रहने वाले एक मौलवी के घर फारसी और उर्दू पढ़ने के लिए भेजा गया। वह जब बहुत ही छोटे थे, बीमारी के कारण इनकी मां का देहांत हो गया। उन्हें प्यार अपनी बड़ी बहन से मिला। बहन के विवाह के बाद वह अकेले हो गए। सुने घर में उन्होंने खुद को कहानियां पढ़ने में व्यस्त कर लिया। आगे चलकर वह स्वयं कहानियां लिखने लगे और महान कथाकार बन गये।

> प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट के नाम से सर्वप्रथम बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने संबोधित किया था। प्रेमचंद का असली नाम धनपत राय था। उनका जन्म 31 जुलाई, 1880 को बनारस शहर से चार मील दूर लमही नामक गांव में हुआ था।

❖ गुड्डू कुमार

हिंदी साहित्य जगत में प्रेमचंद का पर्दापण एक महत्वपूर्ण घटना

31 जुलाई 2023 को प्रेमचंद की 143 वी जयंती है। हिंदी साहित्य जगत में प्रेमचंद का पर्दापण एक विशेष महत्वपूर्ण घटना माना जाता है। मुंशी प्रेमचंद का जन्म 1880 में वाराणसी जिले के लमही गांव में हुआ। प्रेमचंद की प्रारंभिक शिक्षा सात वर्ष की उम्र में एक स्थानीय मदरसे से शुरू हुई। जंहा उन्होंने हिंदी के साथ उर्दू और अंग्रेजी का ज्ञान प्राप्त किया। मुंशी प्रेमचंद ने लगभग एक दर्जन उपन्यास एवं तीन सौ कहानियों की रचना की। उन्होंने माधुरी एवं मर्यादा नामक पत्रिका का सम्पादन किया। तथा हंस एवं जागरण नामक पत्र भी निकाले। उनकी रचनाये आदर्शोउन्मुख यथार्थवादी हैं जिनमें सामान्य जीवन की वास्तविकताओ का सम्यक चित्रण किया गया है। नकी पहली कहानी ममता है। प्रेमचंद नाम से उनकी पहली कहानी बड़े घर की जमाना पत्रिका के दिसम्बर 1910 अंक में प्रकाशित हुई है। हिंदी साहित्य के उपन्यास का विकासयुग प्रेमचंद के पहले उपन्यास सेवासदन के प्रकाशित होने के साथ ही प्रकाश में आया जिसे प्रेमचंद युग के नाम से भी जाना जाता है। प्रेमचंद की रचनाओं को देखकर बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचन्द्र चटोपाध्याय ने उन्हें 'उपन्यास सम्राट' की उपाधि दी। वास्तव में प्रेमचंद की कहानी और उपन्यास एक नयी परम्परा की शुरूआत की जिससे आने वाली पीढ़ी के साहित्यकारों का मार्गदर्शन किया। साहित्यकार मानव समाज का अभिन्न अंग होता है। उसका तन मन उसके समाज की ही देन होते हैं। साहित्य के बिना समाज और समाज के बिना साहित्य निर्थक और अधूरा है। मुंशी प्रेमचंद के सम्पूर्ण साहित्य में समाज के बहुरंगी चित्रण दिखाया गया है। जिसका समाधान भी सम्भवतः प्रेमचंद ने किया। प्रेमचंद ने साहित्य में यथार्थवाद की नींव रखी। प्रेमचंद की सम्पूर्ण रचनाये हिंदी साहित्य की धरोहर है। पुस्तकें संस्कृति को संरक्षित करने का कार्य करती है। युवा पीढ़ी जहां पुस्तकें से दूर हो रहा हो। पन्ने पलटकर पढ़ने की जगह रिजल्स की दुनिया में खोया हुआ है। हर तरफ नफरत, वर्चस्व, दम्भ की भाषा बोली जा रही हो। गणतन्त्र देश में गण की जगह तंत्र हावी हो गया हो। मानवीय संवेदना मृत हो रही हो। मुंशी प्रेमचंद को स्मरण करना आवश्यक है।

❖ घनश्याम कुमार

प्रेमचंद ने अपने जनजीवन को बहुत गहराई से देखा

प्रेमचंद अपने जनजीवन को बहुत गहराई से देखा और अपना जीवन साहित्य को समर्पित कर दिया। प्रेमचंद ने कुछ समय के लिए एक किताबों की दुकान में सेल्स बॉय के रूप में भी कार्य किया था क्योंकि उन्हें लगा कि इससे उन्हें और किताबें पढ़ने का मौका मिलेगा। हिंदी कथा-साहित्य को तिलस्मी कहानियों के झुरमुट से निकालकर जीवन के यथार्थ की ओर मोड़कर ले जाने वाले कथाकार मुंशी प्रेमचंद देश ही नहीं, दुनिया में विख्यात हुए और कथा सम्राट कहलाए, उन्होंने आमजन की पीड़ा को शब्दों में पिरोया, यही वजह है कि उनकी हर रचना कालजयी है। प्रेमचंद का साहित्य तीस वर्षों का सामाजिक सांस्कृतिक दस्तावेज है। प्रेमचंद नाम वो हिन्दी और उर्दू के सर्वाधिक लोकप्रिय उपन्यासकार, कहानीकार एवं विचारक थे। उन्होंने सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान आदि। लगभग डेढ़ दर्जन उपन्यास तथा कफन, पूस की रात, पंच परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, बूढ़ी काकी, दो बैलों की कथा आदि तीन सौ से अधिक कहानियां लिखीं। उनमें से अधिकांश हिन्दी तथा उर्दू दोनों भाषाओं में प्रकाशित हुईं। उन्होंने अपने दौर की सभी प्रमुख उर्दू और हिन्दी पत्रिकाओं जमाना, सरस्वती, माधुरी, मर्यादा, चांद, सुधा आदि में लिखा। उन्होंने हिन्दी समाचार पत्र जागरण तथा साहित्यिक पत्रिका हंस का संपादन और प्रकाशन भी किया। इसके लिए उन्होंने सरस्वती प्रेस खरीदा जो बाद में घाटे में रहा और बन्द करना पड़ा। प्रेमचंद फिल्मों की पटकथा लिखने मुंबई आए और लगभग तीन वर्ष तक रहे। जीवन के अंतिम दिनों तक वे साहित्य सृजन में लगे रहे। महाजनी सभ्यता उनका अंतिम निबन्ध, साहित्य का उद्देश्य अन्तिम व्याख्यान, कफन अन्तिम कहानी, गोदान अन्तिम पूर्ण उपन्यास तथा मंगलसूत्र अन्तिम अपूर्ण उपन्यास माना जाता है।

❖ वेद प्रकाश

कालजयी रचनाकार प्रेमचंद

प्रेमचंद का बचपन गांव में बीता था। प्रेमचंद का कुल दरिद्र कायस्थों का था, जिनके पास करीब छह बीघा जमीन थी और जिनका परिवार बड़ा था। प्रेमचंद के पितामह, मुंशी गुरुसहाय लाल, पटवारी थे। उनके पिता, मुंशी अजायब लाल, डाकमुंशी थे और उनका वेतन लगभग पच्चीस रुपए मासिक था। उनकी मां आनन्द देवी सुन्दर सुशील और सुघड़ महिला थीं। जब प्रेमचंद पंद्रह वर्ष के थे, उनका विवाह हो गया। वह विवाह उनके सौतेले नाना ने तय किया था। प्रेमचंद अपने निश्चिय पर खरे उतरे और शिवरानी से शादी कर ली। शिवरानी एक बाल-विधवा थीं। शिवरानी भी अपनी दूसरी शादी करना चाहती थी। माना जाता है। कि उनकी शादी दूसरी के बाद इनके जीवन में की परिस्थितियों मे आय की आर्थिक तंगी कम हुई। प्रेमचंद ने गरीब परिवार मे जन्म लिया था। इन्होने अपनी आरंभिक शिक्षा अपने गांव से दूर वाराणसी मे की इसी बीच उनके पिता का भी निधन हो गया था। प्रेमचंद बचपन से ही पढ़ने के लिए उत्सुक रहते थे।उन्होने वकील बनने का अपना लक्ष्य बनाया था। परंतु उनकी परिवार की स्थिति ने उनके इस लक्ष्य को तोड़ दिया। फिर प्रेमचंद एक कमरा लेकर उसमे ट्यूसन पढ़ाते थे। उन्हे ट्यूसन के पाँच रुपये मिलते थे। जिससे ये अपने तथा अपने परिवार का गुजारा करते थे। इस प्रकर उन्होने अपनी मैट्रिक शिक्षा को पूर्ण किया था।1908 मे अपनी प्रथम रचना सोजे वतन की रचना की थी। कई बार इस प्रकार के प्रश्न भी पूछे जाते है। कि प्रेमचंद की प्रथम रचना किस भाषा मै लिखी गई। ये रचना उन्होने उर्दू भाषा मे लिखी थी। इसके बाद उन्होने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने इस लक्ष्य की और आगे बढ़ने लगे।

> प्रेमचंद अपने निश्चिय पर खरे उतरे और शिवरानी से शादी कर ली। शिवरानी एक बाल-विधवा थीं। शिवरानी भी अपनी दूसरी शादी करना चाहती थी। माना जाता है। कि उनकी शादी दूसरी के बाद इनके जीवन में की परिस्थितियों मे आय की आर्थिक तंगी कम हुई।

– रौशन कुमार

प्रेमचंद विश्व स्तरीय साहित्यकारों में शुमार

प्रेमचंद ने पढ़ाई पूरी करने के बाद वाराणसी के पास एक गांव के सरकारी स्कूल में शिक्षक की नौकरी कर ली। प्रेमचंद अपने आठ भाई-बहनों में चौथे नंबर के थे। उनका प्रारंभिक जीवन गरीबी, बीमारी और शुरूआती नुकसान से चिह्नित था। जब वह सिर्फ सात साल का था, उसकी मां का निधन हो गया और एक साल बाद उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली। उन्हें उनकी दादी के साथ रहने के लिए भेजा गया, जिन्होंने उनमें हिंदू शास्त्रों के प्रति प्रेम और सामाजिक न्याय की भावना पैदा की। प्रेमचंद अपने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ थे। उन्होंने अपनी औपचारिक शिक्षा एक मदरसे में शुरू की, जहां उन्होंने उर्दू और फारसी सीखी। हालांकि, आर्थिक तंगी के कारण उन्हें कुछ वर्षों के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। उन्होंने अपने दम पर अपनी पढ़ाई जारी रखी और खुद को सहारा देने के लिए छोटे-मोटे काम किया करते थे। उन्हें सामाजिक मुद्दों में गहरी दिलचस्पी थी और उन्होंने निचली जातियों और गरीबों की दुर्दशा के बारे में कहानियां और निबंध लिखना शुरू किया था। प्रेमचंद की कहानियों और उनके उपन्यासों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि अधिकतर किसान, मजदूर और सीधे-सादे लोग उनकी कहानियों के पात्र हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में ऐसे लोगों के जीवन की साधारण से साधारण बात का भी बड़ी सरलता से वर्णन किया है और उनकी भावनाओं को महत्व दिया है। उनकी भाषा होली झा सरल कम, पढ़े-लिखे व्यक्ति और ऊंचे विद्वान, दोनों समान रूप से उनकी पुस्तकों के लाभ उठा सकते हैं। मुंशी प्रेमचंद विश्व स्तरीय साहित्यकारों में शुमार किये जाते। प्रेमचंद की कृतियां भारत के सर्वाधिक विशाल और विस्तृत वर्ग की कृतियां हैं। उन्होंने उपन्यास, कहानी, नाटक, समीक्षा, लेख, सम्पादकीय, संस्मरण आदि अनेक विधाओं में साहित्य की सृष्टि की, किन्तु प्रमुख रूप से वह कथाकार हैं। उन्हें अपने जीवन काल में ही उपन्यास सम्राट की पदवी मिल गई थी। उन्होंने कुल 15 उपन्यास, 300 से कुछ अधिक कहानियां, 3 नाटक, 10 अनुवाद, 7 बाल-पुस्तकें तथा हजारों पृष्ठों के लेख, सम्पादकीय, भाषण, भूमिका, पत्र आदि की रचना की। जिस युग में प्रेमचंद ने कलम उठाई थी, उस समय उनके पीछे ऐसी कोई ठोस विरासत नहीं थी और न ही विचार और न ही प्रगतिशीलता का कोई मॉडल ही उनके सामने था सिवाय बांग्ला साहित्य के। उस समय बंकिम बाबू थे, शरतचंद्र थे और इसके अलावा टॉलस्टॉय जैसे रुसी साहित्यकार थे। लेकिन होते-होते उन्होंने गोदान जैसे कालजयी उपन्यास की रचना की जो कि एक आधुनिक क्लासिक माना जाता है।

> प्रेमचंद की कहानियों और उनके उपन्यासों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि अधिकतर किसान, मजदूर और सीधे-सादे लोग उनकी कहानियों के पात्र हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में ऐसे लोगों के जीवन की साधारण से साधारण बात का भी बड़ी सरलता से वर्णन किया है और उनकी भावनाओं को महत्व दिया है। उनकी भाषा होली झा सरल कम, पढ़े-लिखे व्यक्ति और ऊंचे विद्वान, दोनों समान रूप से उनकी पुस्तकों के लाभ उठा सकते हैं।

❖ ओपी

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

मणिपुर में हिंसा जारी

2 लोगों की मौत, 6 घायल, 6 घर फूंके

इंफाल। मणिपुर में हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और सुरक्षाकर्मियों सहित छह अन्य घायल हो गए, जबकि हमलावरों ने बिष्णुपुर में छह घरों में आग लगा दी। पुलिस ने शुक्रवार रात यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि हमलावरों ने फौगाकचाओ इखाई, हेइकोल, तेराखोंगसांगबी (बिष्णुपुर) और कांगवई (चूरचांदपुर) इलाकों में गोलीबारी की, जिसमें एक नागरिक की मौत हो गई और दो सुरक्षाकर्मियों सहित छह अन्य घायल हो गए। इस बीच खबर है कि मंगलवार को हेइकोल और फौगाकचाओं इखाई इलाकों में सशस्त्र हमलावरों की गोलीबारी के बाद छर्रे लगने से घायल हुए एक ग्रामीण की शुक्रवार को मौत हो गई। हमलावरों ने बिष्णुपुर के फौगाकचाओ इखाई मनिंग लेइकाई में छह घरों को भी जला दिया।

दो दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई में मदद करेगी नई शिक्षा नीति

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के लागू होने से भारतीय छात्र अपनी स्थानीय भाषा में पढ़ाई कर सकेंगे, जिससे उन्हें सर्वांगीण विकास में फायदा होगा। प्रधानमंत्री प्रगति मैदान में दो दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इस सम्मेलन को अखिल भारतीय शिक्षा समागम के नाम से भी जाना जाता है। सम्मेलन शिक्षाविदों, क्षेत्र के विशेषज्ञों और उच्च शिक्षा तथा कौशल संस्थानों को एनईपी 2020 को लागू करने में अपनी अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि सभी विकसित देश अपनी स्थानीय भाषा का इस्तेमाल करते हैं लेकिन भारत में कोई कितना भी इनोवेटिव माइंड क्यों न हो, अगर वह अंग्रेजी नहीं बोल सकता था

तो उसकी प्रतिभा को जल्दी स्वीकार नहीं किया जाता था। दुनिया के ज्यादातर विकसित देशों ने अपनी भाषा की बदौलत बढ़त हासिल की है। हमने अपनी भाषाओं को पिछड़ेपन के तौर पर पेश किया। आज आजादी के अमृतकाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए देश ने इस हीनभावना को भी पीछे छोड़ने की शुरूआत की है।" उन्होंने कहा कि एनईपी समानता का समर्थन करता है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में स्थानीय भाषा में भी बात की।

पीएम ने कहा कि इससे "भाषा की राजनीति करके अपनी नफरत की दुकान चलाने वालों का भी शटर डाउन हो जाएगा।" पीएम ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही देश का भविष्य बदल सकती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति हमारे देश के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पीएम ने कहा कि ज्ञान के लिए परामर्श जरूरी है और शिक्षा के लिए चर्चा जरूरी है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि परामर्श और चर्चा के साथ वे भविष्य में छलांग लगा रहे हैं।

मोदी ने कहा, "इसके पहले, ऐसा आयोजन काशी के नवनिर्मित रुद्राक्ष सभागार में हुआ था। इस बार यह समागम दिल्ली के इस नवनिर्मित भारत मंडपम में हो रहा है। खुशी की बात है कि विधिवत रूप से भारत मंडपम के लोकार्पण के बाद यह यहां पहला कार्यक्रम है, और यह शिक्षा से जुड़ा कार्यक्रम है।"

उन्होंने कहा, "काशी के रुद्राक्ष से लेकर इस आधुनिक भारत मंडपम तक, अखिल भारतीय शिक्षा समागम की इस यात्रा में एक संदेश भी छिपा है। यह संदेश है-प्राचीनता और आधुनिकता के संगम का!" उन्होंने कहा कि एक ओर हमारी शिक्षा व्यवस्था भारत की प्राचीन परम्पराओं को सहेज रही है, तो दूसरी तरफ आधुनिक साइन्स और हाइटेक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी हम उतनी ही तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पीएम ने कहा कि आज के कार्यक्रम के साथ एनईपी के तीन साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा, देश भर के बुद्धिजीवियों ने, शिक्षाविदों ने और शिक्षकों ने इसे एक मिशन के रूप में लिया, और आगे बढ़ाया है। अभी मैं यहां आने के पहले पास के पैवेलियन में लगी प्रदर्शनी देख रहा था। इस प्रदर्शनी में हमारे कौशल और शिक्षा क्षेत्र की ताकत को, उसकी उपलब्धियों को दिखाया गया है। मुझे वहाँ बाल-वाटिका में बच्चों से मिलने का, और उनके साथ बात करने का भी मौका मिला। बच्चे खेल-खेल में कैसे कितना कुछ सीख रहे हैं, कैसे शिक्षा और स्कूलिंग के मायने बदल रहे हैं, यह देखना मेरे लिए वाकई उत्साहजनक था।" उन्होंने कहा कि तीन साल पहले जब एनईपी पेश की गई थी, उस समय इसे हासिल करने का एक लक्ष्य था। प्राथमिक शिक्षा के बारे में बोलते हुए, पीएम ने कहा कि एक नया पाठ्यक्रम शुरू करने और स्थानीय भाषा में किताबें लाने और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए, शिक्षाविदों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि 10+2 एजुकेशन सिस्टम की जगह अब '5+3+3+4' प्रणाली पर अमल हो रहा है। पढ़ाई की शुरूआत भी अब तीन साल की आयु से होगी। इससे पूरे देश में एकरूपता आएगी। हाल ही में संसद में नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बिल पेश करने के लिए कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क भी जल्द ही लागू हो रहा है। मुझे बताया गया है कि फाउंडेशन स्टेज यानी तीन से आठ साल के बच्चों के लिए फ्रेमवर्क तैयार भी हो गया है। बाकी के लिए करिकुलम बहुत जल्द तैयार हो जाएगा।" पीएम ने कहा कि अब पूरे देश में सीबीएसई स्कूलों में एक तरह का पाठ्यक्रम होगा। इसके लिए एनसीईआरटी नई पाठ्यपुस्तकें तैयार कर रहा है। तीसरी से 12वीं कक्षाओं तक लगभग 130 विषयों की नई किताबें आ रही हैं। अब शिक्षा क्षेत्रीय भाषाओं में भी दी जानी है, इसलिए ये पुस्तकें 22 भारतीय भाषाओं में होंगी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 5 हाईकोर्ट में 15 अस्थायी जजों की स्थायी जज के रूप में नियुक्ति की

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति ने पांच हाईकोर्ट में 15 अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में और दो हाईकोर्ट में छह अस्थायी जजों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने गौहाटी हाईकोर्ट में पांच अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में, कलकत्ता हाईकोर्ट के तीन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में, बॉम्बे हाई कोर्ट के दो अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में, केरल हाईकोर्ट के चार अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में और छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के एक अस्थायी जज को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने तेलंगाना हाईकोर्ट में तीन अस्थायी जजों और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट में तीन अस्थायी जजों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने गौहाटी हाईकोर्ट के जिन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है उनमें जस्टिस कखेटो सेमा, जस्टिस देवाशीष बरुआ, जस्टिस मालाश्री नंदी, जस्टिस मारली वानकुंग और जस्टिस अरुण देव चौधरी शामिल हैं। राष्ट्रपति ने कलकत्ता हाई कोर्ट के जिन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है उनमें जस्टिस कृष्णा राव, जस्टिस बिभास रंजन डे और जस्टिस अजय कुमार मुखर्जी शामिल हैं। राष्ट्रपति ने बॉम्बे हाई कोर्ट के जिन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है, उनमें जस्टिस अनिल लक्ष्मण पानसारे और जस्टिस संदीपकुमार चन्द्रभान मोरे शामिल हैं। राष्ट्रपति ने केरल हाईकोर्ट के जिन अस्थायी जजों को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है, उनमें जस्टिस बसंत बालाजी, जस्टिस चंद्रशेखरन कर्ता जयचंद्रन, जस्टिस सोफी थॉमस और जस्टिस पुथेन वीडु गोपाला पिल्लै अजीतकुमार शामिल हैं। राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के अस्थायी जज जस्टिस दीपक कुमार तिवारी को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है। तेलंगाना हाई कोर्ट के लिए लक्ष्मी नारायण आलिशेट्टी, अनिल कुमार जुकांती और सुजाना कलासिकम को एडिशनल जज के रूप में नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति ने हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के लिए रंजन शर्मा, बिपिन चंद्र नेगी और राकेश कैंथला को एडिशनल जज के रूप में नियुक्त किया है।

बिहार पुलिस के कांस्टेबल की पीट-पीटकर हत्या

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र में बिहार पुलिस के एक कांस्टेबल की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या का कारण भूमि विवाद बताया जा रहा है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बिहार पुलिस के कांस्टेबल पद पर कार्यरत बिपेंद्र कुमार सिंह छुट्टी में अपने घर जदु छपरा गांव आया था। बताया जाता है कि पड़ोसी (गोतिया) से पहले से ही एक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। सुबह में जब बिपेंद्र अपने घर के बाहर खड़े थे, इसी दौरान पाटीदारों ने लाठी-डंडे से उनके ऊपर हमला बोल दिया, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन

में परिजनों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुजफ्फरपुर (पश्चिम) के पुलिस उपाधीक्षक अभिषेक आनंद ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में करके पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही।

बंगाल के हालात से भी रूबरू हो विपक्षी सांसदों का दलः अनुराग

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मणिपुर में विपक्षी दलों के सांसदों के दौरे पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के हालात भी खराब हैं तो क्या सांसदों का यह दल पश्चिम बंगाल भी जाएगा? उन्हें पश्चिम बंगाल के हालात से भी रूबरू होना चाहिए। पश्चिम बंगाल के दौरे पर शनिवार को पहुंचे अनुराग ठाकुर ने ट्वीट करके कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र लाचार है, मानवता शर्मसार है। ममता दीदी की शह से आज बंगाल में अपराधियों, गुंडों, दंगाइयों का बोलबाला है।

कानून व्यवस्था ध्वस्त है, जनता त्रस्त है। ममता राज में तृणमूल कांग्रेस अपराधियों को संरक्षण दे रही है, उनको पाल पोस रही है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के नेताओं पर हमले हो रहे हैं। क्या वे अपने कार्यकर्ताओं को यू हीं मरने देंगे। पश्चिम बंगाल में मणिपुर से कई गुना ज्यादा घटनाएं हुई हैं। मणिपुर गए विपक्षी सासंदों का दल पश्चिम बंगाल भी आएगा क्या? उन्हें पश्चिम बंगाल के हालत भी देखने चाहिए। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि ममता सरकार हर मोर्चे पर विफल है। बंगाल की जनता ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पिछली बार की तुलना में इस बार दोगुनी सीटें जनता ने भाजपा को दी है। भाजपा ने इस बार 11 हजार से ज्यादा सीटें जीती हैं। पार्टी ने पिछले लोकसभा चुनाव में 18 सीटें जीती थीं और इस बार 35 जीतेगी।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में 8 लोगों की मौत

कृष्णागिरि। तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले में एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से तीन महिलाओं सहित आठ लोगों की शनिवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। जिले के पझयापेट्टाई में पटाखा फैक्टरी के गोदाम में अचानक विस्फोट होने की घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के कारण आसपास कुछ दुकानें और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस और दमकल सेवा के कर्मी मौके पर पहुंच गए हैं।

मुंबई में फिर से 26/11 जैसे हमले की आशंका

कोलाबा के छाबड़ा हाउस में बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी। मुंबई

मुंबई पुलिस ने कोलाबा स्थित छाबड़ा हाउस के पास से 26/11 जैसे आतंकवादी हमलों का इनपुट मिला है। इसी वजह से मुंबई पुलिस ने छाबड़ा हाउस के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। यह इनपुट पुणे में गिरफ्तार दो आतंकवादियों से पूछताछ के दौरान महाराष्ट्र एंटी टेरोरिस्ट स्कॉड (एटीएस) को मिला है। पुणे में पुलिस ने मोहम्मद इमरान मोहम्मद यूनुस खान और मोहम्मद यूनुस मोहम्मद याकूब साकी नामक दो आतंकवादियों को

पकड़कर एटीएस को सौंपा था। इन दोनों से पूछताछ के बाद एटीएस ने कोलाबा स्थित छाबड़ा हाउस का गूगल मैप बरामद किया है। इसके बाद एटीएस ने यह इनपुट मुंबई पुलिस को दिया, जिस पर कोलाबा के यहूदी सामुदायिक केंद्र छाबड़ा हाउस और उसके आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एटीएस की टीम आतंकी संगठन अलसुफा से जुड़े दोनों आतंकवादियों से गहन छानबीन कर रही है।

महाराष्ट्र : दो बसों की टक्कर में 6 की मौत, 25 जख्मी

मुंबई। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के मलकापुर में मुंबई-नागपुर हाई-वे पर शनिवार की भोर में दो निजी बसों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 25 लोग घायल हुए हैं, जिनमें पांच की हालत गंभीर है। सभी घायलों को बुलढाणा जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। इनमें से पांच गंभीर घायलों का इलाज जिला अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

परेश की 'द स्टोरीटेलर' का प्रीमियर सत्यजीत रे को श्रद्धांजलि है फिल्म

परेश रावल की फिल्म 'द स्टोरीटेलर' अगले महीने अगस्त में मेलबर्न के इंडियन फिल्म फेस्टिवल में ऑस्ट्रेलियाई प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है। इस खबर के बारे में बात करते हुए परेश रावल ने कहा, मैं उस फिल्म का हिस्सा बनकर बिल्कुल रोमांचित और खुश हूं, जिसका प्रीमियर ऑस्ट्रेलिया में होगा। मेरा अनुभव बहुत रोमांचकारी और संतुष्टिदायक था। इस तरह की कहानी अपने आप में दुर्लभ है और मेरे सह-कलाकार इसमें अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं अपने निमार्ताओं और निर्देशक अनंत महादेवन जी का सदैव आभारी हूं।" अनंत नारायण महादेवन द्वारा निर्देशित, यह फिल्म महान सत्यजीत रे की शॉर्ट स्टोरी 'गोलपो बोलिये तारिणी खुरो' पर आधारित है। परेश के साथ, फिल्म में आदिल हुसैन, रेवती, तनिष्ठा चटर्जी, अनिंदिता बोस और जयेश मोरे जैसे असाधारण कलाकार शामिल हैं।

फिल्म 'रॉकी और रानी..' देख भड़कीं कंगना रनौत

फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' शुक्रवार 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। करण जौहर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। दर्शक फिल्म की सराहना कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर कंगना रनौत ने करण जौहर की आलोचना की है। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट कर करण जौहर की आलोचना की, एक ही फिल्म को इतनी बार बनाने के लिए करण जौहर को शर्म आनी चाहिए। आप खुद को भारतीय सिनेमा का ध्वजवाहक कहते हैं। पैसा बर्बाद मत करो, यह फिल्म उद्योग के लिए कठिन समय है। कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी में कहा, रिटायर हो जाइए और नए फिल्म निमार्ताओं को आने दीजिए, जो नई और बेहतर फिल्में बनाएंगे।

सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज 'ताली' का टीजर हुआ रिलीज

एक्ट्रेस सुष्मिता सेन इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज 'ताली' को लेकर चर्चा में हैं। वेब सीरीज 'ताली' 15 अगस्त को रिलीज होगी। इस वेब सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया है। वेब सीरीज 'ताली' एक सामाजिक कार्यकर्ता गौरी सावंत पर आधारित है, जो लगातार तीसरे वर्ग के लिए काम करती हैं। इसमें सुष्मिता सेन मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस वेबसीरीज का टीजर इस वक्त चर्चा में है। हाल ही में रिलीज हुए वेबसीरीज 'ताली' के टीजर की शुरूआत गौरी सावंत के परिचय से होती है। हाय मैं गौरी हूं। सचमुच आपकी, गौरी सावंत। कोई उन्हें हिजड़ा कहता है, कोई सामाजिक कार्यकर्ता, कोई नाटककार तो कोई गेम चेंजर। यह कहानी इसी यात्रा के बारे में है। इस डायलॉग में गली से ताली तक,

आत्मसम्मान, सम्मान और आजादी, मुझे तीनों चाहिए सुनाई देता है। इसमें सुष्मिता सेन का भी स्टनिंग लुक नजर आ रहा है। इस वेब सीरीज का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। इसे क्षितिज पटवर्धन ने लिखा है। यह वेबसीरीज जियो सिनेमा पर दिखाई जाएगी। इस वेब सीरीज में कुल 6 एपिसोड होंगे।

सेमीकॉन इंडिया 2023 | **चिप डिजाइनिंग के लिए 7 भारतीय स्टार्टअप को मंजूरी**

भारत के लिए यह बड़ा अवसर

एजेंसी। बेंगलुरु

सरकार का लक्ष्य अगले 10 साल में वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में मजबूत और प्रतिस्पर्धी उपस्थिति दर्ज कराना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को बताया कि इस दिशा में पहल करते हुए अब तक सात चिप डिजाइन स्टार्टअप के लिए वित्त पोषण और सहायता मंजूर की गई है। 'सेमीकॉन इंडिया 2023' के दूसरे दिन अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, अब तक सात चिप डिजाइन स्टार्टअप को उनके उत्पादों को विकसित करने में फंडिंग और सहायता के लिए मंजूरी दी गई है। यह पहल लगातार विश्वास और समर्थन प्राप्त कर रही है। यह स्टार्टअप के लिए गहरी तकनीक और

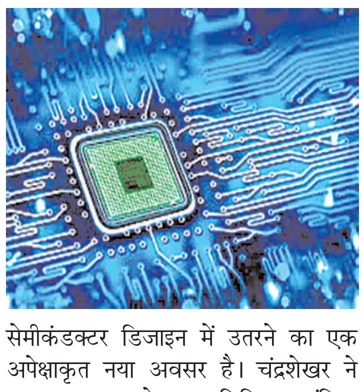

सेमीकंडक्टर डिजाइन में उतरने का एक अपेक्षाकृत नया अवसर है। चंद्रशेखर ने कहा, सरकार ने एक डिजिटल इंडिया आरआईएससी-वी कार्यक्रम (डीआईआर-वी) लॉन्च किया है और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास बड़ी संख्या में स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन सेंटर आरआईएससी-वी के भविष्य और इसके द्वारा संचालित उपकरणों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सम्मेलन के दूसरे दिन, सीडीएसी ने आर्म फ्लेक्सिबल एक्सेस फॉर स्टार्टअप्स कार्यक्रम के माध्यम से देश में सेमीकंडक्टर स्टार्टअप को सशक्त बनाने के लिए दुनिया की अग्रणी सेमीकंडक्टर आईपी कंपनी आर्म के साथ साझेदारी की घोषणा की। आर्म इंडिया के अध्यक्ष गुरु गणेशन ने कहा, इनोवेटिव सिलिकॉन स्टार्टअप सेमीकंडक्टर उद्योग के भविष्य को आगे बढ़ाएंगे क्योंकि वे एआई से लेकर स्वायत्त वाहनों और आईओटी तक के क्षेत्रों में जीवन बदलने वाली नई तकनीक विकसित करेंगे। सेमीकंडक्टर डिजाइन में शामिल दो और स्टार्टअप/एमएसएमई को 'सेमीकॉनइंडिया फ्यूचरडिजाइन डीएलआई' योजना में भागीदार घोषित किया गया। उनमें से एक चेन्नई में स्थित अहिसा डिजिटल इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड (अहिसा) है, जो दूरसंचार, नेटवर्किंग और साइबर सुरक्षा डोमेन पर केंद्रित है। दूसरा स्टार्टअप बेंगलुरु स्थित कैलिगो टेक्नोलॉजीज है जो एचपीसी, बिग डेटा और एआई/एमएल सेगमेंट में वैश्विक कंपनियों को सेवा प्रदान करता है। डीएलआई योजना का लक्ष्य इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी), चिपसेट, सिस्टम ऑन चिप्स (एसओसी), सिस्टम और आईपी कोर और सेमीकंडक्टर लिंक्ड डिजाइन के लिए पांच साल में सेमीकंडक्टर डिजाइन के विकास और तैनाती के विभिन्न चरणों में वित्तीय प्रोत्साहन के साथ-साथ डिजाइन बुनियादी ढांचे को समर्थन प्रदान करना है। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के सेंटर फॉर नैनो साइंस एंड इंजीनियरिंग और लैम रिसर्च इंडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से एक महत्वपूर्ण सहयोग भी शुरू किया गया।

तिरंगे के साथ निकला शिया समुदाय का मातमी जुलूस ◆ श्री महावीर मण्डल ने जुलूस का किया स्वागत

'कर्बला की याद से इंसानियत को जिंदगी मिली है'

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शनिवार दसवीं मोहर्रम के मौका पर रांची शहर में शिया मुसलमानों ने मौलाना सैयद तहजिबुल हसन रिजवी की अगुवाई में मातमी जुलूस कर्बला की याद में निकाला गया। बाद नमाज जोहर मस्जिद मजलिस जिक्रे शहिदाने कर्बला इमाम हुसैन का आयोजन किया गया। मजलिस में मरसिया खानी अशरफ हुसैन ने किया। मजलिस को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन व मस्जिद जाफरिया के इमाम व खतीब हजरत मौलाना सैयद तहजिबुल हसन रिजवी ने कर्बला के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहां के कर्बला वालों की याद से इंसानियत को जिंदगी मिलती है। प्यासों को पानी पिलाया जाता है, पानी छिना नहीं जाता। तारीख ए कर्बला दुनिया ए इस्लाम का सबसे गमनाक, अफसोसनाक तारीख है। जिसे सुनकर बड़े-बड़े दिलेरो के दिल कांप जाता है। मैदान ए कर्बला में हजरत इमाम हुसैन की जगह दुनिया का बड़े से बड़ा बहादुर होता तो कर्बला में हो रहे जुल्म को बर्दाश्त ना करता। लेकिन हजरत इमाम हुसैन ने अपने 72 की कुर्बानी देकर इसलाम की रक्षा की और इसलाम को हमेशा हमेशा के लिए बचा लिया। इमामे हुसैन और उनके 72 साथियों की कुर्बानी दुनिया कभी भुला नहीं सकती। हजरत इमाम हुसैन की सच्चाई, किरदार और इंसाफ का आइडियल कहा जाए तो गलत ना होगा। मौलाना ने कहा कि कर्बला की जंग दुनिया की पहली दहशतगरदाना जंग थी। जिसमें शहीद होने वाले लोगों में 6 माह का बच्चा अली असगर भी था। कर्बला में हजरत इमाम हुसैन ने चंद घंटों में 71 लाशें उठाई। 3 दिन के भूखे प्यासे इमामे हुसैन को सिमर ने शहीद कर दिया। जिसे सुनकर पूरा मजमा रोने लगा। हाय हुसैन, हाय हुसैन की सदा मस्जिद जाफरिया में गूंज उठा। मौलाना ने कहा कि रांची की यह खूबसूरती रही है की अहले सुन्नत के सैंकड़ों अखाड़े हमारे मातमी जुलूस को अपने बीच से रास्ता देते हैं। और जुलूस मातम करते हुए आगे बढ़ जाती है। मजलिस के बाद तिरंगे के साथ अलम और ताबूत निकाला गया। जो विक्रांत चौक पहुंचने पर लोवर बाजार थाना प्रभारी दयानंद और उनकी टीम ने अलम को सलामी दी। जुलूस में नोहा खानी करते हुए लोग आगे बढ़ रहे थे। जुलूस आगे बढ़ने पर सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के महासचिव अकील उर रहमान के द्वारा लगाए गए इंस्टॉल पर जुलूस को रोक कर जुलूस पर गुलाब पानी की बारिश की गई। जिसमें सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष जावेद गद्दी, महासचिव अकील उर रहमान, उपसचिव आदिल रशीद, उपाध्यक्ष आफताब आलम, डॉ एम हसनैन, सोहेल सईद, हाजी साहब अली आदि ने जुलूस का स्वागत किया। जुलूस या हुसैन या अली के सदाओं के साथ आगे बढ़ा। जहां हनुमान मंदिर पर सद्भावना समिति, महानगर दुर्गा पूजा समिति, श्री महावीर मंडल के पदाधिकारियों ने जुलूस का स्वागत किया। जय सिंह यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, महावीर मण्डल के अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा, अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी मुख्तार, अंजुमन के महासचिव डॉक्टर तारिक, समेत कई लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। मौलाना तहजीब उल हसन हनुमान मंदिर के पास जुलूस में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा आज हमारा मुहर्रम जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने का जज्बा पैदा करता है। दूसरे के दुख दर्द को दूर करने और हक पर जान देना सिखाता है। मौलाना ने कहा कि अगर तमाम इंसानों में सच्चाई के प्रति जागरूकता पाई जाए तो हर तरफ अमन नजर आएगा। जुलूस आगे बढ़ते हुए अंजुमन प्लाजा, डॉक्टर फातुल्लाह रोड, कर्बला चौक होते हुए कर्बला पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस का संरक्षक अंजुमन जाफरिया के अध्यक्ष डॉक्टर शमीम हैदर, सचिव अशरफ हुसैन कर रहे थे। नोहा ख़्वानी अमीर गोपालपुरी, कासीम अली, अली रजा ने किया। मुहर्रम के कार्यक्रम को कामियाब बनाने वालों में सैयद फराज अब्बास, शारूख हसन रिजवी, हाशिम अली, यावर हुसैन, हैदर अली, नदीम रिजवी, कासिम अली, एस एच फातमी, अशरफ हुसैन हैं। इस मौके पर सैयद शारूख हसन रिजवी, एस जसीम रिजवी, डॉ मुबारक अब्बास अली नवाब अली हसन फातमी, सैयद फराज अब्बास, इकबाल फातमी, अली नवाब, जावेद हैदर, अनीस हैदर, यादगार नकवी, एस एच फातमी, नासिर हुसैन, शमीमुल हसन, समेत सैकड़ों लोग शामिल थे।

जुलसू को लेकर ट्रैफिक में था बदलाव, वाहनों की थी नो इंट्री

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुहर्रम को लेकर शनिवार की सुबह 10 बजे से शहर के विभिन्न रूट में निजी और यात्री वाहनों के परिचालन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। जुलूस की समाप्ति तक वाहनों को डायवर्ट रूट से ही परिचालन करना होगा। प्रतिबंधित मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाकर अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है। बैरिकेडिंग से आगे किसी भी हाल में वाहन सवारों को जाने की अनुमति नहीं होगी। ट्रैफिक पुलिस लगातार प्रयास कर रही है कि जुलूस के दौरान सड़कों पर निकलने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमा ने शनिवार को बताया कि मुहर्रम को लेकर ट्रैफिक में बदलाव किया गया है।

इन मार्गों पर वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद रहा

◆किशोरी यादव चौक से अपर बाजार होते हुए महाबीर मंदिर चौक से शहीद चौक की तरफ सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहा।

◆ शहीद चौक से अपर बाजार होते हुए महाबीर मंदिर चौक की ओर सामान्य वाहन नहीं जा सके।

- सुभाष चौक से अपर बाजार होते हुए महाबीर मंदिर के तरफ सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहा।

- कचहरी चौक से शहीद चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक की ओर सामान्य वाहनों का प्रवेश बंद रहा।

◆चडरी तालाब से अल्बर्ट एक्का चौक जाने वाले मार्ग में वाहनों का परिचालन बंद रहा।

◆प्लाजा चौक से अल्बर्ट एक्का चौक की ओर जाने वाले वाहनों का परिचालन वर्जित रहा। किसी तरह की गाड़ियों को जाने नहीं दिया जा रहा था।

◆पुरुलिया रोड से सर्जना चौक की ओर आम वाहन नहीं जा सके।

◆एसएन गांगुली रोड , विष्णु गली, बुधिया गली और राधेश्याम गली से मेन रोड की ओर सामान्य वाहन नहीं जा सके।

◆चर्च रोड से मेन रोड की तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहा।

◆वूल हाउस के पास मेन रोड की तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहा।

◆कर्बला चौक से रतन पीपी चौक तक सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहा।

◆कडरू से रेडिशन ब्लू होटल होकर मेन रोड में सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित रहा।

◆कमांडेंट आवास मोड़ से राजेन्द्र चौक तक सामान्य वाहनों का परिचालन वर्जित रहा।

◆मेकॉन चौक से राजेन्द्र चौक की ओर वाहन नहीं जा सके।

◆तुलसी चौक से आंबेडकर चौक तक वाहनों का परिचालन वर्जित रहा। ताकि जुलूस में किसी तरह की लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े और प्रशासन को ही परेशान होना पड़ा

राजधानी में सुरक्षा के थे पुख्ता इंतजाम

रांची। मुहर्रम को लेकर राजधानी रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हर चौक चौराहे पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है। रांची के एसएसपी किशोर कौशल शुक्रवार देर रात मुहर्रम को लेकर शहर का जायजा लेने के लिए निकले। इस दौरान एसएसपी ने विभिन्न चौक चौराहों में तैनात सुरक्षा बलो को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये। एसएसपी ने रांची के हिंदपीढ़ी सहित अन्य संवेदनशील इलाकों का जायजा लिया। एसएसपी ने सभी तैनात पुलिसकर्मियों को मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने का निर्देश दिया। सुरक्षा में 1500 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से शहर की निगरानी रखी जा रही है।

जब रांची में सुरक्षित नहीं आदिवासी तो ग्रामीण क्षेत्रों का क्या होगा : सांसद

रांची। रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि जब राजधानी में सुरक्षित नहीं आदिवासी तो ग्रामीण क्षेत्रों का क्या होगा। उन्होंने कहा कि कहने को झारखंड में आदिवासियों के हितों की सरकार है लेकिन धरातल पर सबसे अधिक असुरक्षित इस राज्य में आदिवासी बहन, बेटियां और आदिवासी नेता ही है। विगत एक सप्ताह की गतिविधियों को देखें तो ऐसा लगता है, जैसे इस राज्य के आदिवासियों को जानबूझकर टारगेट किया जा रहा है। विशेष रुप से राजधानी रांची की स्थिति बहुत ही भयावह है। जब राजधानी की स्थिति इतनी भयावह है तो हम सहज कल्पना कर सकते हैं कि पूरे राज्य की स्थिति क्या होगी। सांसद शनिवार को युवा आदिवासी नेता सुभाष मुंडा के आवास पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में बोल रहे थे। सांसद ने कहा कि यह सरकार आदिवासी हितों की रक्षा करने में पूरी तरह से विफल रही है। सांसद ने बताया कि खलारी में एक आदिवासी महिला के साथ अवैध संबंध बनाकर उसे ब्लैकमेल किया गया। इस ब्लैक मेलिंग से महिला बहुत परेशान रही। अब उक्त महिला की संदेहास्पद मौत हो गई, जो कई प्रकार के सवाल खड़े करती है। सुभाष मुंडा जैसे युवा नेता को सरेशाम उनके दफ्तर में आकर गोली मारकर हत्या कर दी जाती है। वहीं आजसू के एक आदिवासी नेता पर जानलेवा हमला होता है। राज्य सरकार से मेरी मांग है कि इन तीनों ही मामले में एसआईटी का गठन किया जाए। फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले चलाए जाएं और दोषियों को अविलंब फांसी की सजा दी जाए। सांसद ने यह भी कहा कि बेहद दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ मुख्यमंत्री प्रशासन को कार्रवाई करने की खुली छूट देते हैं और दूसरी तरफ ताबड़तोड़ हत्याएं हो रही हैं।

जीवन के सभी दुःखों को समाप्त कर देती है भागवत कथा : लक्ष्मीकांत शर्मा

रांची। महादेव मंडा मुरहू में श्री मद्भागवत कथा के तीसरे दिन व्यास लक्ष्मीकांत शर्मा ने अपने प्रवचन में कहा कि भागवत कथा जीवन के सभी दुःखों को समाप्त कर देती है। यह कल्पतरु है, जो भी इच्छा रखकर सुना जाता है, उसकी पूर्ति अवश्य हो होती है। मनुष्य की मति के अनुसार ही गति होती है। अतःअच्छे कर्म करना चाहिए, नहीं तो यम के यहां कई तरह से कष्ट दिये जायेंगे। भगवत भक्ति सदैव करते रहना चाहिए, नहीं तो अंतिम समय ईश्वर का नाम जिह्वा पर नहीं आता है। अजामिल नामक ब्राह्मण की कथा सुनाकर उन्होंने समझाया कि अति पापी रहने के बावजूद पुत्र का नाम नारायण रख कर अंतिम समय में उसका उद्धार हो गया। कार्यक्रम में काफी भीड़ उमड़ रही है। मौके पर विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा और उनके प्रतिनिधि काशीनाथ महतो भी मौजूद थे।

पृष्ठ एक के शेष

बोकारो : हाइटेंशन लाइन की चपेट में...

तजिया जुलूस निकालने की जानकारी दी ही नहीं थी। उनके मुताबिक उसी गांव में बिजली विभाग के मिस्त्री मुमताज भी रहते हैं। उन्हें भी इसकी जानकारी नहीं थी। कार्यपालक अभियंता के मुताबिक सुबह 5.50 बजे घटना घटी है। ताजिया के सटते ही ऑटोमेटिक लाइन डिसकनेक्ट हो गया था। जहां हादसा हुआ है उस इलाके में डीवीसी से बिजली लेकर गोमिया के कथारा पावर हाउस से सप्लाई की जाती है। जहां-जहां से जुलूस की सूचना मिली थी, उस इलाके की बिजली काटी जा चुकी थी। कार्यपालक अभियंता का दावा है कि उन्होंने कल ही एक आदेश निकाला था कि रामनवमी की तरह मुहर्रम के जुलूस के दौरान भी सुबह 11 बजे तक जुलूस खत्म होने तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। लेकिन सुबह के वक्त खेतको के लोगों ने बिना सूचना दिए ताजिया निकाल दिया और ताजिया का एक हिस्सा 11 हजार वोल्ट वाले बिजली तार से जा सटा। उनके मुताबिक विभाग की तरह से मृतक के परिजनों को प्रति परिवार दो लाख रुपए और घायलों को एक लाख रुपए का मुआवजा दिया जा रहा है।

पूरे मामले की होगी जांच-डीसी: बोकारो के डीसी कुलदीप चौधरी ने बताया कि जिला में सुबह के वक्त 17 जगहों पर ताजिया के साथ जुलूस निकला था। इस दौरान 16 एरिया की बिजली काटी गई थी। लेकिन पेटरवार के खेतको की बिजली नहीं काटी गई थी। इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता जान गंवाने वाले लोगों के अंतिम संस्कार, मुआवजा और घायलों के इलाज पर केंद्रीत है। उन्होंने बताया कि पूरे बोकारो में आज 240 जुलूस निकाले जाने हैं। इनमें से 17 जगहों पर सुबह के वक्त जुलूस निकलना था। लेकिन एक जगह हादसा हो गया।

मुख्यमंत्री, स्पीकर व मंत्री पर...

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नाम लेकर काफी आपत्तिजनक एवं अपमानजनक तथ्यों को परोसा जा रहा है। इसकी जानकारी शुक्रवार रात को हुई। आपत्तिजनक तथ्यों से अमन चैन और सौहाद्रपूर्ण माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पार्टी के कार्यकताओं में काफी आक्रोश है। इससे राज्य में अशांति फैलने का खतरा है। चैनल के संचालक, रिपोर्टर और बयानबाजी करने वाले व्यक्ति को चिन्हित कर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी बृज कुमार ने बताया कि मामले को लेकर जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

ब्लैकमेल से परेशान होकर...

नैथानी और खलारी थाना प्रभारी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और भीड़ को खदेड़ा। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है हालांकि इलाके में अभी भी तनाव की स्थिति बनी हुई है पुलिस क्षेत्र में कैंप कर रही है।

पति बेंगलुरु जेल में है बंद : जानकारी के मुताबिक आत्महत्या करने वाली महिला का पति बेंगलुरु काम करने गया था। वहां किसी वजह से बीते एक साल से जेल में बंद है। अकेले रहने के दौरान ही इरशाद के द्वारा एक दिन मौका पाकर महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया था। खलारी डीएसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि मामले में अभी तक कोई भी लिखित शिकायत महिला के परिजनों के द्वारा नहीं दी गई है हालांकि पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इलाके में कुछ लोगों के द्वारा माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की गई थी जिन पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल इलाके में स्थिति पूरी तरह से पुलिस के नियंत्रण में है।

नड्डा की नई टीम, चुनावी...

राजे पहले से ही पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थीं, उनके पद को बरकरार रखा गया है। अल्का गुर्जर को राष्ट्रीय सचिव और सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। अल्का को केंद्रीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह देकर भाजपा ने राजस्थान के गुर्जर समाज को साधने का काम किया है। शाह के चहेते सुनील बंसल पहले की तरह नड्डा की टीम में हैं।

छत्तीसगढ़ : भाजपा ने जिन 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है उसमें से अकेले तीन छत्तीसगढ़ से हैं। ये हैं- पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, सरोज पांडे और लता उसेंडी। 2018 विधानसभा चुनाव में रमन सिंह सरकार सत्ता से बेदखल हो गई । उसके बाद रमन को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया था। राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय को भी पदोन्नति मिली है। उन्हें राष्ट्रीय महासचिव के पद से हटाकर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का पद दिया गया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ से पूर्व मंत्री लता उसेंडी को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की लिस्ट में जगह मिली है। लता को पहली बार भाजपा कार्यकारिणी में जगह दी गई है।

तेलंगाना : दक्षिण के राज्य तेलंगाना से आने वालीं डीके अरुणा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष , सांसद संजय बंदी को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। संजय राज्य इकाई के अध्यक्ष रह चुके हैं। लेकिन पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम में भी साल के अंत में चुनाव हैं , लेकिन यहां से किसी नेता को नड्डा की टीम में जगह नहीं मिली है।

उत्तर प्रदेश : सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश से तीन उपाध्यक्ष, दो महामंत्री और एक को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। पार्टी के कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल भी उत्तर प्रदेश के हैं। सांसद रेखा वर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेयी और विधान परिषद सदस्य व अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। तारिक मंसूर को यह पद देकर पसमांदा मुसलमानों को रिझाने की कोशिश की जाएगी। लेकिन आम व गरीब मुसलमानों में जो तारिक दूर -दूर तक नहीं जाने जाते हैं , उस अकादमी वाले आदमी को भाजपा कुछ बी बना दे उससे मुसलमानों का वोट नहीं मिलने वाला। केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के रिश्तेदार व राज्य सभा सांसद अरुण सिंह पहले की तरह राष्ट्रीय महासचिव बने रहेंगे। अरुण सिंह के साथ ही उप्र के गोरखपुर के राधामोहन अग्रवाल जो राज्यसभा सांसद भी हैं , को भी राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। राधामोहन गोरखपुर से विधायक रह चुके हैं। जहां से अब योगी आदित्यनाथ पार्टी के विधायक हैं।

बिहार, बंगाल और महाराष्ट्र : ये तीनों राज्य लोकसभा सीटों के लिहाज से उप्र के बाद सबसे बड़े राज्यों में शामिल हैं। तीनों राज्यों में 40 व उससे ज्यादा सीटें हैं। 40 लोकसभा सीट वाले बिहार से केवल एक चेहरे को नई कार्यकारिणी में जगह मिल सकी है। ऋतुराज सिन्हा को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह को नड्डा ने अपनी टीम हटा दिया। 42 लोकसभा सीट वाले बंगाल से आने वाले अनुपम हाजरा को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र से विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महासचिव ,पूर्व केंद्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे की बेटी और विधायक पंकजा मुंडे पार्टी की राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। हालाँकि पंकजा महाराष्ट्र की राजनीति करना चाहती हैं , लेकिन केन्द्रीय साहबान उनको महाराष्ट्र से बाहर हटाना चाहते हैं। राष्ट्रीय सचिव बनाई गईं विजया राहटकर भी महाराष्ट्र से आती हैं।

मुस्लिम चेहरे: नई टीम में दो मुस्लिम को जगह दी गई है। इसमें एक नाम एमएलसी तारिक मंसूर का है। जो अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कुलपति रहे हैं। दूसरे चेहरा केरल से आने वाले अब्दुल्ला कुट्टी का है। कुट्टी पहले भी नड्डा की टीम का हिस्सा थे। उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में बरकरार रखा गया है। कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने वाले केरल के अनिल एंटनी (कांग्रेस के नेता व केन्द्रीय मंत्री रहे एके एंटनी के पुत्र) को राष्ट्रीय सचिव बना दिया गया। पाला बदलने से पहले अनिल केपीसीसी डिजिटल मीडिया संयोजक और एआईसीसी सोशल मीडिया समन्वयक थे।

साई के फॉरेन एक्सपोजर टूर के लिए पहलवान अमित गोप का चयन

रांची। साई के फॉरेन एक्सपोजर टूर के लिए झारखंड के पहलवान अमित कुमार गोप का चयन किया गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से आयोजित चयन प्रतियोगिता में पूरे भारत से 19 खिलाड़ियों चयन हुआ है, जिसमें डे बोर्डिंग कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के पूर्व प्रशिक्षु व वर्तमान में एनसीओई मुंबई में प्रशिक्षणरत अमित कुमार गोप का चयन भी इस फॉरेन एक्सपोजर टूर के लिए हुआ है।

पुरुषोत्तम एकादशी पूजन अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन

भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री श्याम मंदिर में पुरुषोत्तम माह की चांदनी एकादशी के अवसर पर शनिवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रातः से भगवान के दर्शन के लिए भक्तजन उमड़ पड़े थे। भक्तजन अपनी अरदास के साथ खाटू नरेश के दरबार में मत्था टेक रहे थे। श्री श्याम मित्र मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि गोधूलि बेला के पूर्व खाटू नरेश सहित मंदिर में विराजमान लड्डू गोपाल जी, शालिग्राम जी, रिद्धि-सिद्धि, शिव परिवार, हनुमान जी, महाराज प्राचीनतम चित्रों व गुरुजनों का विशेष मनोहारी श्रृंगार किया गया। खाटू नरेश को नवीन बागा वस्त्र पहनाकर सुगंधित लाल गुलाब, रजनीगंधा, मुरगन, लाल-पीला गेंदा, तुलसीदल के फूलों की मोटी मोटी फूल मालाओं से सजाकर गुलाब इत्र के विशेष रूप से मसाज किया गया। मंडल के मंत्री श्यामसुंदर शर्मा म के साथ मंदिर के आचार्यों ने सभी गर्भगरहओ की सजावट किया। सुरेश-मंजू डागा ने श्रृंगार सेवा,अन्नपूर्णा सरावगी ने रबड़ी प्रसाद, श्याम लाल अग्रवाल ने बागा (वस्त्र), एक भक्त ने गिरी गोला सेवा निवेदित की। पुरुषोत्तम एकादशी का मुख्य समारोह रात्रि 9:30 बजे प्रारंभ हुआ रातू रोड निवासी सुरेश डागा, मंजू डागा ने खाटू नरेश की अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेडा, पंचमेवा, फल, रबड़ी, विभिन्न मिष्ठान, मगही पान का प्रसाद अर्पित कर झारखंड राज्य की खुशहाली की प्रार्थना कर खाटू नरेश के दरबार में मत्था टेका। मंडल के उप मंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान संपन्न करवाया।

कमला एकादशी महापर्व श्रद्धा व भक्ति भाव से आयोजित

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में शनिवार को श्रावण अधिमास शुक्ल पक्ष की कमला एकादशी महापर्व अत्यन्त श्रद्धा एवं भक्ति भाव से आयोजित किया गया। अधिमास शुक्ल पक्ष की एकादशी का विषेश महत्व होने के कारण प्रातः से मन्दिर में श्री श्याम प्रभु के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ हो गई थी इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को प्रातः नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर विभिन्न रंगों के खुशबूदार फूलों गुलाब, रजनीगंधा, बेला, चमेली व तुलसी दल से मनमोहक श्रृंगार किया गया, साथ ही मन्दिर में विराजमान बजरंगबली एवम शिव परिवार का भी विषेश श्रृंगार किया गया। रात्रि 9 बजे श्री श्याम प्रभु की पावन ज्योत प्रज्ज्वलित कर श्री श्याम मण्डल के सदस्यों द्वारा संगीतमय संकीर्तन का गणेश वन्दना के साथ प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल, मेवा, केसरिया दूध व मगही पान का भोग अर्पित किया गया।

रॉबिन उथप्पा की तूफानी पारी से जीता हरारे हरिकेंस

एजेंसी। हरारे

हरारे हरिकेंस के कप्तान रॉबिन उथप्पा ने अपनी टीम के लिए शानदार तूफानी पारी (नाबाद 88) खेली और केप टाउन सैंप आर्मी के खिलाफ शुक्रवार को यहां हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम एफ्रो टी10 के उद्घाटन संस्करण के एलिमिनेटर में 9 विकेट से शानदार जीत दिला दी। पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने पर, केप टाउन सैम्प आर्मी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और भानुका राजपक्षे के साथ अच्छी गति से शुरूआत की और 10 से अधिक रन प्रति ओवर बनाए। जहां राजपक्षे तीसरे ओवर में 11 गेंदों में 25 रन की तेज पारी खेलकर आउट हुए, वहीं गुरबाज दूसरे छोर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे थे। तदिवानाशे मारुमानी शून्य पर आउट होने वाले अगले खिलाड़ी थे, जो नांद्रे बर्गर का मैच का दूसरा विकेट बने। इससे गुरबाज के साथ करीम जनत, जो अच्छी स्थिति में हैं, मध्य में आए और उन्होंने 49 रनों की ठोस साझेदारी की। गुरबाज गेंदबाजों की इकोनॉमी रेट को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे थे जबकि जनत उनका अच्छा साथ दे रहे थे। जनत को हालांकि छठे ओवर में मोहम्मद नबी ने आउट कर दिया और फिर गुरबाज और सीन विलियम्स ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों ने रनों का अंबार लगाया और गेंदबाजों पर कोई दया नहीं दिखाई और बेहद तेज गति से रन बनाए। उन्होंने गुरबाज के अर्धशतक के साथ 68 रन जोड़े, जिससे केप टाउन सैंप आर्मी ने टूर्नामेंट में बनाए गए सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सैंप आर्मी का स्कोर 10 ओवर में 145/3 था, जिसमें गुरबाज ने 26 गेंदों में 6 छक्के और चार चौके लगाकर 62 रन बनाए। जवाब में, हरारे हरिकेन्स, जो दिन में चौथी बार एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ने का लक्ष्य रख रहे थे, रॉबिन उथप्पा और एविन लुईस की अनुभवी जोड़ी के साथ ब्लॉक से जल्दी ही बाहर आ गए और गेंद पर बहुत ही सफाई से प्रहार कर रहे थे।

जबकि लुईस अच्छे दिख रहे थे लेकिन फिर अपनी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे और 12 रन बनाकर आउट हो गए, उसके बाद उथप्पा को डोनोवन फरेरा का साथ मिला और उन्होंने फ्लडलाइट्स के नीचे बड़े शॉट खेले। पांचवें ओवर में ही उथप्पा ने अपना अर्धशतक पूरा किया, जो टूर्नामेंट में उनका दूसरा अर्धशतक था। उथप्पा और फरेरा ने जल्द ही दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी पूरी कर ली थी और वे तेजी से आगे बढ़ रहे थे, आसानी से गैप ढूंढ रहे थे और नियमितता के साथ बाउंड्री पार कर रहे थे। अंतिम दो ओवरों में हरिकेन को 26 रनों की जरूरत थी और अनुभवी भारतीय बल्लेबाज आक्रामक मूड में थे।

2024 का टी20 विश्व कप 4 से 30 जून तक खेला जाएगा : रिपोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

2024 पुरुष टी20 विश्व कप अगले साल 4 से 30 जून तक कैरेबियाई और संयुक्त राज्य अमेरिका में 10 स्थानों पर खेला जाएगा। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार 2024 पुरुष टी20 विश्व कप अगले साल 4 से 30 जून तक वेस्टइंडीज और यूएसए के 10 अलग-अलग स्थानों पर खेला जाएगा। यह समझा जा रहा है कि इस सप्ताह आईसीसी की एक टीम ने यूएसए में कुछ शॉर्टलिस्ट किए गए स्थानों का निरीक्षण किया, जो पहली बार एक अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक क्रिकेट कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। इनमें फ़्लोरिडा का लॉडरहिल भी शामिल है, जो पहले भी अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी कर चुका है। साथ ही

भारत अपने वेस्टइंडीज दौरे पर लॉडरहिल में दो टी20 मैच भी खेलने वाला है। इसके अलावा यूएसए में मॉरिसविल, डलास और न्यूयॉर्क को भी आईसीसी ने शॉर्टलिस्ट किया है। मॉरिसविले और डलास वर्तमान में यूएसए में मेजर लीग क्रिकेट के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी कर रहे हैं। डलास (ग्रैंड प्रायर स्टेडियम), मॉरिसविले (चर्च स्ट्रीट पार्क) और न्यूयॉर्क (ब्रॉक्स में वैन कोर्टलैंड पार्क) के मैदानों को अभी तक अंतर्राष्ट्रीय स्थल का दर्जा नहीं मिला है, जो आईसीसी नियमों के अनुसार अनिवार्य है। आयोजन स्थलों पर अंतिम निर्णय अगले कुछ महीनों में क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) और यूएसए क्रिकेट (यूएसएसी) के साथ मिलकर आईसीसी द्वारा लिया जाएगा। इस सप्ताह आयरलैंड, स्कॉटलैंड और पापुआ न्यू गिनी ने आईसीसी द्वारा निर्धारित क्षेत्रीय क्वालीफायर टूर्नामेंटों के माध्यम से टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। जहां पीएनजी पूर्वी एशिया क्वालीफायर राउंड में शीर्ष पर रहा, वहीं आयरलैंड और स्कॉटलैंड यूरोपीय क्षेत्र के क्वालीफायर राउंड में शीर्ष दो स्थानों पर रहे।

वनडे विश्व कप 2023 के लिए नहीं मिलेगी ई-टिकट

प्रशंसक फिजिकल टिकट लेकर आएं : सचिव शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पुष्टि की है कि आगामी वनडे विश्व कप 2023 के लिए कोई ई-टिकट नहीं होगा। प्रशंसकों को आयोजन स्थलों पर फिजिकल टिकट ही ले जाना होगा। राज्य संघों के साथ बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। ई-टिकट केवल द्विपक्षीय सीरीज पर ही उपलब्ध होंगे।

अहमदाबाद में हुए आईपीएल फाइनल से पहले अफरा तफरी की स्थिति देखी गई थी जब क्रिकेट प्रशंसक फाइनल के लिए अपने ई-टिकट भुनाने आए थे। व्यवस्था न गड़बड़ाए इसलिए शाह ने आश्वासन दिया है कि टिकटों के सुचारू वितरण के लिए 7-8 केंद्र होंगे। कार्यक्रम में बदलाव और स्थानों में बदलाव होगा और नई तारीखें जल्द ही साझा की जाएंगी। शाह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम कोशिश कर रहे हैं कि मैचों और आयोजन स्थलों, विशेषकर आयोजन स्थलों में कम बदलाव हों। साथ ही, दो से तीन देशों ने कार्यक्रम में बदलाव का अनुरोध किया है। आईसीसी और बीसीसीआई लॉजिस्टिक्स टीमें इस पर काम कर रही हैं और दो से चार दिनों में सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। हम कुछ बदलाव देख सकते हैं।

पहले यह बताया गया था कि बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान कार्यक्रम को पुनर्निर्धारित किया जा सकता है क्योंकि 15 अक्टूबर को शहर में नवरात्रि समारोह का शुरूआती दिन है और सुरक्षा अधिकारी पहले से ही ओवरटाइम काम कर रहे होंगे। एक गेम का शेड्यूल बदलने से पूरे शेड्यूल पर फर्क पड़ सकता है। खेल को 14 अक्टूबर को स्थानांतरित करने की बात चल रही थी लेकिन उस दिन पहले से ही दो खेल निर्धारित किए गए हैं और एक ही तारीख में ट्रिपल हेडर नहीं हो सकते।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मलेशियाई हॉकी टीम चेन्नई पहुंची

एजेंसी। चेन्नई

मलेशिया की पुरुष हॉकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में भाग लेने के लिए शनिवार को यहां पहुंची, जो 3 से 12 अगस्त तक प्रतिष्ठित मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में आयोजित होने वाली है। एशिया की हॉकी शक्तियों में से एक के रूप में, मलेशिया ने मैदान पर लगातार उल्लेखनीय कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। वे टूर्नामेंट के इतिहास में पांच बार तीसरे स्थान पर रहे हैं और अब उनकी नजर पहली बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर होगी। टीम ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन किया है, जकार्ता-पालेमबांग में 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता और पिछले साल जकार्ता में हीरो एशिया कप में उपविजेता भी रही। मलेशियाई टीम टूर्नामेंट के दौरान जापान, कोरिया, पाकिस्तान,

चीन और मेजबान भारत से भिड़ेगी। मलेशिया अपने अभियान की शुरूआत 3 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। टूर्नामेंट प्रारूप के अनुसार, शीर्ष चार टीमों के सेमीफाइनल में जाने से पहले सभी छह टीमें राउंड रॉबिन चरण में पांच मैच खेलेंगी। मलेशिया के कप्तान मारहान जलील ने कहा, मैं फिर से भारत वापस आकर खुश और उत्साहित हूं। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारी सही रास्ते पर है और हम टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का लक्ष्य बना रहे हैं। मैं मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में हॉउसफुल होने की उम्मीद कर रहा हूं।" इस बीच, मलेशिया के कोच अरुल एंथोनी ने अपनी टीम के हालिया प्रदर्शन और उनके खेल की नई संरचना के बारे में बात की। एंथोनी ने कहा, हम खेल की एक नई संरचना के साथ आए और अपने हालिया मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

जर्मनी की नोमा नोहा अकुगी हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में पहुंची

एजेंसी। हैम्बर्ग

जर्मनी की युवा नोमा नोहा अकुगी ने पहली बार किसी डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेलते हुए हैम्बर्ग यूरोपियन ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश कर लिया । दुनिया की 207वीं नंबर की खिलाड़ी 19 वर्ष की नोहा अकुगी ने रूस की डायना स्नाइडेर को 6 . 3, 6 . 3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। हैम्बर्ग की ही रहने वाली नोहा अकुगी को टूनार्मेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिये प्रवेश मिला था। अभी तक वह निचले दर्जे के आईटीएफ टूर्नामेंट ही खेलती आई है और फ्रेंच ओपन तथा विम्बलडन के क्वालीफाइंग दौर से बाहर हो गई थी । अब उनका सामना नीदरलैंड की 32 वर्ष की अरांतजा रूस से होगा जिसने डारिया साविले को 2. 6, 6. 3, 6.1 से हराया। पुरूष वर्ग

में शीर्ष वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को आर्थर फिल्स ने 6 .0, 6 . 4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा जिसने लुका वान आशे को 6 . 3, 6 . 4 से हराया। वहीं लाज्लो जेरे ने गत चैम्पियन लोरेंजो मुसेत्ती को 7.5, 6.3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां वह चीन के झांग झिझेन से खेलेंगे।

सरे सेमीफाइनल में चेन्नई लायंस का मुकाबला पुनेरी पलटन टेबल टेनिस से

एजेंसी। पुणे

मौजूदा चैंपियन चेन्नई लायंस शनिवार को महालुंगे-बालेवाड़ी स्थित शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जारी इंडियनऑयल अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन के दूसरे सेमीफाइनल में पुनेरी पल्टन टेबल टेनिस से भिड़ेंगे। चेन्नई लायंस अपना पिछला मुकाबला दबंग दिल्ली टी.टी.सी के खिलाफ हार गई थी। अब सीजन 4 के फाइनल में पहुंचने के लिए वह जीत की पटरी पर वापसी करना चाहेगी। सत्यन गणशेखरन से अपना पिछला मैच हारने के बावजूद अचंत शरत कमल फ्रेंचाइजी के लिए प्रमुख खिलाड़ी होंगे और उसे फाइनल में ले जाना चाहेंगे। इसके अलावा विश्व नंबर 33 बेनेडिक्ट डूडा और यांग्जी लियू अंतिम-4 दौर में अपना विजय क्रम जारी रखना चाहेंगे। डूडा ने टीम के अहम मुकाबले से पहले कहा, पिछला मुकाबला करीबी था। हम पुनेरी पलटन टेबल टेनिस के खिलाफ अगले मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं। हमारी टीम में काफी क्वालिटी है। हम मौजूदा चैंपियन हैं और इस कारण जब हम किसी के खिलाफ खेलते हैं तो इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलता है। दूसरी ओर, पुनेरी पलटन टेबल टेनिस को अपने युवा खिलाड़ी मानुष शाह पर भरोसा होगा, जिन्होंने पिछले लीग मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 17 कादरी अरुणा को हराकर इस सीजन का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर किया था। इसके अलावा अर्चना कामथ और इस टीम के पूर्व ऑल-अफ्रीका गेम्स चैंपियन अंतरराष्ट्रीय स्टार वर्ल्ड नंबर 21 उमर अस्सर भी टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। मानुष ने कहा, हम शानदार फॉर्म में हैं और पिछले मुकाबले में भी अच्छा प्रदर्शन किया था, जो यू मुंबा टीटी के खिलाफ था और काफी अच्छा रहा था। उमर अस्सर शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने हमें ठोस शुरूआत दी है। चेन्नई लायंस वास्तव में इस लीग में कठिन टीम है। हमारा ध्यान किसी भी हाल में अगला मुकाबला जीतने पर है।

एशेज के बाद रिटायर नहीं होना चाहते एंडरसन, बोले

मैं अभी भी टीम को बहुत कुछ दे सकता हूं

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा कि वह पांचवें एशेज टेस्ट के बाद क्रिकेट को अलविदा नहीं कहना चाहते क्योंकि अभी वह अपनी टीम को बहुत कुछ दे सकते हैं। इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक विकेट ले चुके एंडरसन रविवार को 41 वर्ष के हो जायेंगे । उन्होंने इस एशेज श्रृंखला में पांच ही विकेट लिये हैं लेकिन उनका मानना है कि उन्होंने खराब गेंदबाजी नहीं की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने खराब गेंदबाजी की या मेरी रफ्तार कम हुई है। मुझे लगता है कि अभी भी इस टीम को बहुत कुछ दे सकता हूं। उन्होंने कहा, जहां तक संन्यास का सवाल है तो मैं जल्दी ही नहीं लेने वाला। अभी मैं बहुत कुछ दे सकता हूं। आप दुआ करते हैं कि खराब दौर बड़ी श्रृंखलाओं में नहीं आये लेकिन मेरे साथ ऐसा हो रहा है । वैसे मेरे पास टीम के लिये कुछ करने का एक और मौका है।मैंने आज अच्छी गेंदबाजी की और कल कुछ विकेट ले सकूंगा। एशेज श्रृंखला के बाद इंग्लैंड को अब जनवरी में भारत में खेलना है और एंडरसन को उम्मीद है कि वह तब तक खेलेंगे। उन्होंने कहा, गेंदबाज के तीस पार करते हुए लोग पूछने लगते है कि अब कितना समय बचा है । लेकिन पिछले तीन चार साल में मैंने अच्छी गेंदबाजी की है। मैं फिट हूं और अच्छा खेल रहा हूं।

शुभमन गिल की फॉर्म चिंता का विषय नहीं है : अभिनव मुकुंद

एजेंसी। ब्रिजटाउन

युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का भारत के मौजूदा वेस्टइंडीज दौरे पर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। लेकिन भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज अभिनव मुकुंद का मानना है कि गिल का कम स्कोर भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। शुभमन गिल आईपीएल 2023 में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप के विजेता बनकर उभरे। उन्होंने आईपीएल 2023 में 890 रन बनाए। हालांकि उसके बाद से अब तक वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए हैं। उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 और 18 रन बनाए। इसके बाद उनका बल्ला वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी खामोश दिखा। गिल ने 6, 10 और नाबाद 29 रन का स्कोर दर्ज किया।

केंसिंग्टन ओवल में एकदिवसीय श्रृंखला के शुरूआती मैच में, गिल ओपनिंग करने उतरे। लेकिन 115 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए 16 गेंदों में केवल सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। अभिनव मुकुंद ने कहा, "मुझे लगता है कि शुभमन गिल की विफलता के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। हम हमेशा प्रारूपों को एक दूसरे से मिलाते रहते हैं। टेस्ट प्रारूप समाप्त हो गया है। जहां तक वनडे का सवाल है तो शुभमन गिल हमारे शीर्ष खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि उन्हें विश्व कप में जाना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उनकी फॉर्म चिंता का विषय है। मुझे यकीन है कि वह धमाकेदार वापसी करेगा।"

बैडमिंटन टूर्नामेंट — जापान ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में क्रिस्टी से हारे

एजेंसी। तोक्यो

भारत के युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन शनिवार को यहां इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त जॉनाथन क्रिस्टी से सेमीफाइनल में तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मैच में हार कर जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और विश्व में 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी की और अपने प्रतिद्वंदवी को दबाव में रखा लेकिन आखिर में वह विश्व में नौवें नंबर के खिलाड़ी और एशियाई खेलों के चैंपियन क्रिस्टी से 15-2, 21-13, 16-21 से हार गए। यह मैच एक घंटे और छह मिनट तक चला।

अल्मोड़ा के रहने वाले 21 वर्षीय सेन के बाहर होने से भारत की जापान ओपन में चुनौती भी समाप्त हो गई। सेन ने इस महीने के शुरू में कनाडा ओपन सुपर 500 का खिताब जीता था। इस मैच से पहले इन दोनों का आपस में रिकॉर्ड 1-1 से बराबर था। सेन को कोर्ट पर अपनी गति के लिए जाना जाता है जबकि क्रिस्टी के शॉट दमदार होते हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने इस रोमांचक मुकाबले में अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन किया। इंडोनेशिया के खिलाड़ी ने हालांकि शुरू में गलतियां की जिनका फायदा उठाकर सेन ने 7-4 से बढ़त हासिल कर ली। भारत के खिलाड़ी ने इसके बाद कुछ गलतियां की जिससे क्रिस्टी ने स्कोर बराबर कर दिया। सेन ने दो करारे स्मैश लगाकर इंटरवल तक दो अंक की बढ़त हासिल कर ली। क्रिस्टी ने हालांकि इसके बाद अच्छा खेल दिखाया तथा 32 शॉट की रैली जीतकर 15-12 से बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पहला गेम अपने नाम किया। भारतीय खिलाड़ी को अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत थी तथा दूसरे गेम में शुरू में कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने लय हासिल कर ली। सेन ने कुछ शानदार स्मैश और ड्रॉप शॉट के दम पर दूसरे गेम में इंटरवल तक 11-5 की मजबूत बढ़त बना ली थी। उन्होंने इसके बाद भी अच्छा खेल दिखाया तथा सात गेम प्वाइंट हासिल किए। क्रिस्टी का शॉट बाहर जाने से उन्होंने यह गेम जीत कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला लेकिन वह क्रिस्टी थे जिन्होंने खेल पर नियंत्रण रखा और 9-6 से शुरूआती बढ़त बनाई। इंडोनेशिया का खिलाड़ी दो शानदार रिटर्न के दम पर इंटरवल तक चार अंक आगे था। सेन ने इसके बाद अपना सब कुछ झोंक दिया तथा एक समय स्कोर 13-17 था। क्रिस्टी ने सटीक स्मैश से स्कोर 19-15 किया तथा इसके बाद पांच मैच प्वाइंट हासिल किए। सेन ने एक मैच प्वाइंट बचाया लेकिन इसके बाद उनका शॉट नेट पर टकरा गया जिससे क्रिस्टी फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।